



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० ३०] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई २४, १९८२ (आवण २, १९०४)

No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 24, 1982 (SRAVANA 2, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली ११००११, दिनांक ७ जून, १९८२

शुद्धि पत्र

सं० ए० ३२०१४/१/८१-प्रशा० II—मंचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री एम० गमङ्गलन को प्रारम्भ में २१-६-१९८२ से २०-६-१९८५ तक तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी अद्वेषों तक, जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्त आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

२. प्रतिनियुक्ति की शर्तें वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का० जा० सं० एफ० १(II)-ई० III (ख)/७५ दिनांक ७-१-१९७५ में मन्त्रिहित अनुदेशों के अनुभार विनियमित होंगी।

य० रा० गंधी  
प्रबन्ध मंचिव (प्रशा०)  
कृते सचिव

सं० ए० १२०२४/२/८०-प्रशा० I —संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप भविव के०स०स० के ग्रेड १ अधिकारी सर्वेश्वी बी० एस० जैन और आर० पी० कुकरेती की पदोन्नति के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १० मई, १९८२ में “केन्द्रीय भविवालय सेवा के ग्रेड १” “शब्दों के पहले “स्थायी” शब्द जोड़ा जाए।

दिनांक १६ जून, १९८२

सं० ए० १२०२४/२/८०-प्रशा० I —संघ लोक सेवा आयोग की भवसंख्यक अधिसूचना दिनांक ९-९-८१ तथा ४-१२-१९८१ तथा १०-५-१९८२ के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावनी, १९५८ के विरि ७ द्वारा प्रदन जक्तियों के अधीन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भा०प्रा०स० १९६९ के अधिकारी तथा

कार्यरत अवधि सचिव श्री ए०एम० मंडल को ४-६-१९८२ से एक मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 जून 1982

स० ३२०१३/१/८०-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग संवर्ग में के०म०म० के स्थायी ग्रेड 1 अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे को राष्ट्रपति द्वारा 17 मई, 1982 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थं आधार पर के०म०म० के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जून 1982

स० ए० ३८०१३/९/८१-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के०म०म० के स्थायी सहायक तथा अनुभाग अधिकारी श्री ए०एन० पंडित को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० जा० स० ३३/१२/७३ स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30 जून, 1982 के अपराह्न से निर्धन आयु होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त होने की महर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य०रा० गांधी,  
अवधि सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

### गृह मन्त्रालय

का० एवं प्र०म० विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

स० आई०-९/८२-सी०एफ० ए०एल० (प्रशा०-५) — राष्ट्रपति अपने प्रसाद से डा० श्री राम सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी), केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली को दिनांक 29 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से सहायक निदेशक (भौतिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 जुलाई 1982

स० ए०-२२०१३/१/८२-प्रशासन-५ —निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रमाद से सर्वश्री ए०रा० रामसूर्ति तथा उमाकान्त शर्मा, अपराध सहायकों को प्रोश्नति पर दिनांक 19-6-1982 से दिनांक 17-7-1982 तक की और अवधि

के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थं आधार पर कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर०ए०स० नागपाल  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1982

स० ओ०ए० ७६७/७० स्थापना — राष्ट्रपति जी डा० ए०स०सी० मोहापात्रा, जनरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डी०ए०पी०/कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप दिनांक 15 जून 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड I (महायक कमान्डर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० ०-II-१४३५/७९ स्थापना—स० कर्नल के० गोस्वामी ने अपनी पुर्ननियुक्ति की अवधि समाप्त होने के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने उपनिदेशक (वर्कम) का कार्यभार दिनांक 3 मई 1982 पूर्वाह्न को छोड़ दिया।

म०-ओ०दो०-१७५९/८२-स्थापना —महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जी० वैकटारमन को 17 जून 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 30 जून 1982

म० ओ०दो० १७५७/८२-स्थापना —महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जी० वैकटारमन को 10 जून 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त किया है।

ए०के० सूरी  
महायक निदेशक  
स्थापना

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली -110003, दिनांक 17 जून 1982

स० ई०-१६०१३(२)/१/८१-कार्मिक I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री ए०बी० बोहरा भा०प०ग०

(प० बंगल : 72) ने श्री अर्थोक दरबारी भा००प०स० (म०प्र० : 68) के स्थान पर 21 मई, 1982 के अप-राह से केंद्रो०सु०ब० यूनिट कलकत्ता पार्ट ट्रस्ट कलकत्ता के कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया और श्री दरबारी ने राज्य काइर को प्रत्यावर्तित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

दिनांक 21 जून 1982

सं० ई०-३८०१३(4)/५/८२-कार्मिक — राष्ट्रपति श्री जी०पो० घोष को 21 मई, 1982 के पूर्वाहन से तदर्थ आधार पर प्रोन्नत करके केंद्रो०सु०ब० यूनिट बी०सी०सी०एल० झरिया का सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-३८०१३(4)/५/८२-कार्मिक — राष्ट्रपति श्री ज०वर्मा को 19 मई, 1982 के अपराहन से तदर्थ आधार पर प्रोन्नत करके केंद्रो०सु०ब० यूनिट एन०पो०पी०सी०एल० तुलो नागालैण्ड का सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-३८०१३(4)/५/८२-कार्मिक — राष्ट्रपति श्री डॉ० वी० विभूति को 26 मई, 1982 के पूर्वाहन से तदर्थ आधार पर प्रोन्नत करके केंद्रो०सु०ब० यूनिट बी०सो०सी०एल० झरिया का सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र नाथ  
महानिदेशक/केंद्रो०सु०ब०

सीमाण्डुक उत्पादनशुल्क तथा

स्वर्ण नियंत्रण अधीन अधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1982

फा० सं० ७-सी०उ०स्व०अ०ग्र०/८१ — श्री दिलबाग सिंह सिधु जो कि पहले वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नयी दिल्ली में तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 1 जुलाई, 1982 पूर्वाहन से वेतनमान ₹० ६५०-१२०० तथा ७५ रुपये के विशेष वेतन प्रति मास, तकनीकी अधिकारी, सीमाण्डुक उत्पादनशुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अधीन अधिकरण, नयी दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ग्राह०एन० सहगल  
रजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 1 जुलाई 1982

अस्ती मं०बो०एन०पी०/मा००४/८२ — इम विभाग को समसंचयक अधिसूचना दिनांक 1-4-82 के अनुक्रम में श्री

श्री आर०के० घोषाल को तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर दिनांक 1-7-82 से तोन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, और बढ़ाई जाती है।

जे०सी० गुलामी

उप-महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग  
महालेखाकार का कार्यालय, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 2 जुलाई 1982

सं० प्रशा० II/राजपत्र अधिसूचना/३०७ — महालेखाकार राजस्थान ने श्री राम प्रसाद शर्मा, प्रवर-अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 31-३-८२ (पूर्वाह्न) से अग्रतर प्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारों के पद पर नियक्त किया है।

मदन सिंह शेखावत  
व० उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक,

नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 जून 1982

सं० प्रशा०/1/1176/1/1 — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपए-२५००-१२५/२-२७३० के स्तर 1 में, मूल पदधारी के रूप में कार्य करने हेतु, उनके नाम के समक्ष लिखो तारीखों से, सहवें नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक, अधिकारी का नाम तथा नियुक्ति की तारीख

1. श्री एस०के० सुन्दरम, 01-8-1979
2. श्री के० अरवामुदन, 01-9-1979
3. श्री के० पदमानाभन, 01-10-1980
4. श्री एम० स्वामीनाथन, 24-2-1981
5. श्री आर० पटनायक, 24-2-1981
6. श्री पी०सी० थामस, 24-2-1981

आर०के० माथुर  
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1982

सं० ३०/ए०/जी०० — दिनांक 1-२-८२ से तान मर्हानों महानों का सेवाकाल-बृद्धि की समाप्ति पर, श्री डॉ०पी० चक्रवर्ती, स्थानापन्न ए०डी०जी०एफ० ग्रेड-१ (मौलिक एवं स्थायी वरिष्ठ डॉ०ए०डी०जी०प्र०एफ०/प्रबन्धक)

दिनांक 30 अप्रैल, 1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी०क० भेहता  
सहायक महानिदेशक, आईनेट्स फैक्टरिया

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र,  
महानिदेशालय,  
बम्बई, दिनांक 29 जून 1982

स० 1३/२२/७९-स्थापता—श्री एन० रवीन्द्रनाथन, उत्पादन अधिकारी (नांचियकीय), कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई ने स्वेच्छक निवृत्ति के परिणाम-स्वरूप अपने पद का कार्यभार 18 जून 1982 (पूर्वाहन) से त्याग दिया।

ए०क० चक्रवर्ती  
महानिदेशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-२० दिनांक, 2 जुलाई 1982

मं० 18(1)82 नी०एल०बी०दो/७ —वृत्तिम रेखम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियन्त्रण आदेश, 1962 के खण्ड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं, वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना मं० 16(2)66-सी०एल०बी०दो/सी०, दिनांक 6 दिसंबर, 1967 में, निम्नलिखित आतिरिक्त संशोधन हूँ।

उक्त श्रोधभूचना से संलग्न मारणी में, अनुक्रमाक 7 के सामने, स्तंभ (1), (2) तथा (3) के नीचे विचारान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

अनु० क्र० 1	2	3
-------------	---	---

"7 (एक) खाद्य तथा पूर्ति, आयुक्त	दिल्ली
(दो) उप-आयुक्त, खाद्य तथा पूर्ति	
(तीन) महायक-आयुक्त, खाद्य तथा पूर्ति	
(चार) खाद्य तथा पूर्ति, अधिकारी	
(पांच) नागरी पूर्ति, अधिकारी	
(छह) मुख्य निरीक्षक, खाद्य तथा पूर्ति	
(सात) निरिक्षक गण, खाद्य तथा पूर्ति	

सुरेश कुमार  
आतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

#### उद्योग मंत्रालय

श्रीद्वयिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय  
नई दिल्ली दिनांक 29 जून 1982

स० 1२(1५६)/६१-प्रशासन (राज०) खंड-५—राष्ट्र-पति जी ने, श्री आई०बी० सरकार, सहायक निदेशक (ग्रेड-१) (एल०/एफ०) मी०एफ०टी०मी० आगरा को लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के अधीन उसी स्थान पर 10-५-1982 पूर्वाहन में, और आगे आदेशों तक, तदर्थ आधार पर उप निदेशक (एल०/एफ०) नियुक्त किया है।

स० ए०-१९०१८(५६३)/८१-प्रशा० (गजपत्रित) — राष्ट्रपति ने, श्री के०एम० भट्टाचार्य अस्थायी कनिष्ठ वैज्ञानिक महायक-१ को रक्षा-सामग्री और स्टोर अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, कानपुर में दिनांक 12-५-८२ (पूर्वाहन) से, आगामी आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहारी में, महायक निदेशक (ग्रेड-१) (एल०/एफ०) नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जुलाई 1982

स० ए० १९०१८(१८२)/७८-प्रशा० (राज०) —राष्ट्र-पति ने श्री प्रेम प्रकाश, उप निदेशक (नियर्सि संवर्द्धन), लघु उद्योग सेवा मंस्थान, नई दिल्ली को 30-६-८२ (पूर्वाहन) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-१ (श्रीद्वयिक प्रबन्ध और प्रशिक्षण) नियुक्त किया है।

सी०सी० राय  
उपनिदेशक (प्रशा०)

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 26 जून 1982

स० ई० ११(७) —इस विभाग के दिनांक 11-७-६९ के अधिसूचना मं०ई० ११(७) में वर्ग ३ विभाग २ के अधीन गनकोटन प्रक्रिय के बाद "नाइट्रोब्लास्ट" जोड़ा जाये।

चरणजीत लाल  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूनि तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-६)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

स० ए०-१७०११/२०४/८१-प्र०-६ —राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने गये अध्यर्थी श्री रतेन्द्र नाथ दास को दिनांक 31-५-1982 (पूर्व) में भारतीय क्षेत्र निरीक्षण सेवा (ममूह-४०) के ग्रेड-३ के धातुकर्म शाखा में नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर०एन० दास ने निरीक्षण, निदेशालय जमशेवपुर-7 के कार्यालय में दिनांक 31 मई, 1982 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 6 जुलाई 1982

मं० प्र०-6/247(502)/64 —गष्टपति, मध्य लोक नेता आवोग द्वारा कुने गये अध्यार्थी श्री डॉ०एन० तनेजा को दिनांक 1-6-1982 (पूर्वाह्न) से और अगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड III की धातुकर्म-रसायन शाखा (ममूह ए०) में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री तनेजा ने दिनांक 1-6-1982 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निवेशक जमशेवपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) का कार्यभार सम्भाल लिया।

सोहनलालकपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता 700016, दिनांक 29 जून 1982

मं० 13/74/19 मं० —निम्नलिखित अधिकारियों की शिफ्ट बैंग (शुप-बी०, वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र०) की श्रेणी में भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रत्येक के साथें दर्शाई गई शिथि से पुष्टि की जा रही है :-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पुष्टि होने की सिथि
1.	श्री एस०क० विश्वाम	— 1-1-76
2.	“ के�०सी०पी० सिंह	— 1-1-76
3.	एस०आर० वरदगर्ज	— 1-1-76
4.	ए० गोविन्दा राव	— 1-1-76
5.	एम० भास्कर राव	— 1-1-76

ज० स्वामी नाथ, महा निदेशक।

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1982

सं० 10/20/81-स्टाफ-III — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जसवन्त सिंह, को 8-4-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, रेलियो कश्मीर, श्रीनगर में, अस्थाई रूप में, महायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/21/82-स्टाफ- III— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी०एल० पाला, को 22-5-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, आकाशवाणी गैहड़ी में,

अस्थाई रूप में, महायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जुलाई 1982

सं० 4/55/81-एस०एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी सी०एम० कुमुदम को 26 अप्रैल 1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान से आकाशवाणी, मद्रास में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० 4(51)/81-एस०-१ — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री यशपाल पाणा बल्लभ गमवत को 6 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में आकाशवाणी, नागपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/16/81-एस०-III — महानिदेशालय, आकाशवाणी, श्री पी०बी० नायक को 12-5-82 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय इंजीनियर (पार्श्चम) आकाशवाणी, बांग्लाई के कार्यालय में अस्थाई पद क्षमता में महायक इंजीनियर के पद पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सं०ए० 19012/9/81-एस०-३ — महानिदेशक आकाशवाणी श्री बी०एन०ए० मूर्ति की दूरदर्शन केन्द्र श्रीनगर में 22-7-81 की पूर्वाह्न से महायक इंजीनियर के रूप में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सं०ए०-19012/9/81-एस०-२(III) :— श्री बी०एन०ए० मूर्ति, सहायक इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर का हथांग पत्र स्वीकार करने पर महानिदेशक, आकाशवाणी उन्हें 24-7-81 की अपराह्न से कार्यभार से मुक्त करते हैं।

सं० 7/23/59-एस०एक — सेवा निवेशन की आयु होने पर श्री एन०क० आचारी, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी त्रिवेन्द्रम 31 मई, 1982 को अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवानिवृत होते हैं।

सी० एल० भसीन,  
प्रशासन उप निदेशक,  
झुते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1982

सं० ए०-32013/1/81-एस० ५ — महानिदेशक, आकाशवाणी, लेखा निरीक्षक के ग्रेड में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सम्में लिखी तारीखों से आकाशवाणी

महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर नियकत करते हैं :—

(1) श्री जी० एस० गवर्नर, श्री पग०पी० मह तथा श्री अ०डी० गर्मा, तदन्त लखा निरीक्षक, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली का 29 मई, 1982 के अपराह्न से आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली में।

(2) श्री जोग डॉ०ज० गोप्ता डॉ० मैला, अग्रण प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, महाराष्ट्र को 17 जून, 1982 के अपराह्न से आकाशवाणी महानिदेशालय में।

एग०पी० गर्मा  
प्रशासन उप-निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 28 जून 1982

सं०ए०-20011/2/77-ई०एस०टी० I—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग एटद्वारा श्री इपतखान् अहमद स्थानापन सहायक समाचार चित्र अधिकारी फिल्म प्रभाग, पटना को दिनांक 21 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से जब तक अगला आदेश नहीं दिया जाता तब तक, कैमरामैन के पद पर बिल्कुल अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के बेतनमान पर नियुक्त करते हैं।

एच०जी० भड़कार  
सहा० प्रशा० अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय,

(खाद्य विभाग)

कानपुर, 23 जून 1982

स० प्रशासन ए० 19012/54/82/4746—श्री एम०एम०डी० अग्रवाल कार्यालय अधीक्षक की लेखा एवं भण्डार अधिकारी के पद पर दिनांक 1-6-82 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए पदोन्नति की जाती है। वह स० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 के बेतनमान में रु० 740/- प्रतिमाह प्राप्त करेंगे।

एन० प्रार० खारियावाला  
निदेशक।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 जून 1982

सद०पी०ए०/79(4)/80 आर III I—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री जयंतीलाल वनमाली दास पांचाल, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रुपये 650-960) के पद पर स्थानापन रूप में कार्य करने हेतु 10-5-1982 (पूर्वाह्न) से 11-6-1982 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इस अनुसंधान केंद्र में नियुक्त करते हैं।

स० पी०ए०/79(4)/80 आर० III —नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री बालकृष्ण महार्दिव नाइक, सलौ० एम० लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) के पद पर स्थानापन रूप में कार्य करने हेतु, 3 मई 1982 (पूर्वाह्न) से 11 जून 1982 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इस अनुसंधान केंद्र में नियुक्त करते हैं।

बी०सी० पाल  
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(संपदा प्रबंध निदेशालय)

बम्बई-400094, दिनांक 25 जुलाई 1982

आदेश

क्रमांक 10/263/72-प्रशा० —श्री एम०एच०ए० लतीफ, ट्रैड्समैन 'बी०', जो कि संपदा प्रबंध निदेशालय के कार्यभारित स्थापना में नियोजित हैं, दिनांक 9-5-1978 से अपने कार्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित है।

श्री लतीफ को, वर्तमान जानकारी के अनुसार जात उनके पते पर रजिस्ट्रीपावती द्वारा निम्नलिखित ज्ञापन भेजे गये थे, जो कि पत्रालय प्राधिकारियों द्वारा इस कार्यालय को इस टिप्पणी के साथ लौटा दिए गए कि प्राप्त कर्ता उस पते पर उपलब्ध नहीं है, 'वह वहा से छोड़ कर चला गया है, 'आगे का पता मालूम नहीं है'।

- दि० 6-6-78 का ज्ञापन—श्री लतीफ को कार्य पर तत्काल उपस्थित होने के लिए निदेशित करते हुए।
- दि० 15-7-78 का ज्ञापन—पुनः श्री लतीफ को कार्य पर उपस्थित होने के लिए निदेशित करते हुए।
- दि० 4-12-78 को ज्ञापन—पुनः श्री लतीफ को कार्य पर तत्काल उपस्थित होने के लिए निदेशित करते हुए।
- दि० 2-4-79 का ज्ञापन—श्री लतीफ ने प्रस्ताव करते हुए कि उनके विरुद्ध यथोचित कार्यवाही की

जायेगी तथा उन्हें उक्त जापन का प्राप्ति भ 10 दिन के अदर प्रस्ताव के विरुद्ध प्रतिवेदन करने, यदि वे इच्छुक हों, का अवसर भी प्रश्नान किया जायेगा।

5. दिन 9-8-79 का पत्र—श्री लतीफ को दिन 24-8-79 को जाच हेतु उपस्थित होने के लिए निर्दिष्ट करने हुए।

6. दिन 3-10-79 व 26-10-79 के पत्र—श्री लतीफ में दिन 22-10-79 व 6-11-79 को जाच हेतु उपस्थित होने के लिए अनुरोध करने हुए।

नथापि श्री लतीफ अपने कार्य से निरन्तर अनुपस्थित रहे हैं और उन्होंने इस निदेशालय को अब तक अपना वर्तमान निवासीय पता भी नहीं बताया है।

अतः श्री लतीफ अपने कार्य से अनुपस्थित रहने तथा स्वैच्छा से अपने कार्य के परित्याग करने के दोषी हैं।

अंकि श्री लतीफ ने इस निदेशालय को अपना वर्तमान निवासीय पता बताये बगैर अपने कार्य का परित्याग किया है अतः अधोहस्ताक्षरी निर्दिष्ट भाव से यह अनुभव करता है कि श्री लतीफ के विरुद्ध जांच करने का व्यवहारिक दृष्टि में कोई औरित्य नहीं है।

अतः अधोहस्ताक्षरी श्री लतीफ को इस कार्यालय में तत्काल पदच्युत करता है।

पी० उन्नीकृष्णन निदेशक

बंदर्वई 400094, दिनांक 29 जून 1982

आदेश

क्रमांक : 10/327/73-प्रणा०—श्री डी० सी० बोनिक, हैल्पर 'बी', जो कि संपदा प्रबंध निदेशालय के कार्यप्रभारित स्थापना में नियोजित हैं, दिन 15-2-81 में अपने कार्य ने अनिवार्यत रूप से अनुपस्थित है।

श्री बोनिक को दिन 21-11-1981 को, वर्तमान जानकारी के अनुसार जात बंदर्वई तथा आसाम में उनके निवासीय पते पर रजिस्ट्री-पावती ढारा एक ज्ञापन भेजा गया था, जिसमें उनके विरुद्ध योर्जित कार्यवाही करने का प्रस्ताव किया गया था और साथ ही उन्हें उक्त ज्ञापन की प्राप्ति में 10 दिन के अंदर उस प्रस्ताव के विरुद्ध अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का, यदि वे इच्छुक हों, अवसर प्रदान किया गया था, लेकिन पवान्य-अधिकारियों ने इस टिप्पणी के साथ वह पत्र लौटा दिया कि प्राप्तकर्ता उक्त पते पर उपलब्ध नहीं है।

श्री बोनिक अपने कार्य से निरन्तर अनुपस्थित रहे हैं और उन्होंने इस कार्यालय को अपना वर्तमान पता भी नहीं बताया है।

अतः श्री बोनिक अपने कार्य से अनुपस्थित रहने तथा स्वैच्छा से उसका परित्याग करने के दोषी हैं।

नंकि श्री बानिक ने इस कार्यालय को अपना वर्तमान पता बताये बगैर अपने कार्य का स्वैच्छा से परित्याग किया है, अतः अधोहस्ताक्षरी निर्दिष्ट भाव से यह अनुभव करता है कि श्री बानिक के विरुद्ध जांच करने का व्यवहारिक दृष्टि में कोई औरित्य नहीं है।

अतः अधोहस्ताक्षरी श्री बोनिक को इस कार्यालय में उनकी सेवाओं में तत्काल निष्कार्मित करता है।

हरिनारायण सरमैता, प्रशासन अधिकारी

बंदर्वई-400001, दिनांक 1 जून 1982।

म० क्रमांक/2/1 सी (5) /82-प्रशासन/13848 परमाणु ऊर्जा विभाग का अय श्री भंडार निदेशालय एवं को निदेशक ने स्थाई भंडारों श्री मदानलद नदर्श प्रधार पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन मात्र में 29 मई, 1982 (अपराह्न) से 31 अगस्त, 1982 (अपराह्न) तक के लिए भंडार पूनिट (क्रमांक) के प वि प, कक्षरापार में स्थानपन्न गहायक भंडार ग्राहिकारी नियुक्त किया है।

क० पी० जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

(प्रशासन-11)

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1982

ज्ञापन

ग० नांद०८०८०/का०प्र० II/त्व०प्र०प०र०/3653/7540—नियुक्ति प्रस्ताव सं० का०प्र०८०/0702/6736, दिनांक अक्टूबर 22, 1980 के अनुच्छेद 1 (ए०) के अनुसार त्वरित प्रज्ञनक परंपरण ग्राफ्टर के वैज्ञानिक महायक 'ए०' श्री क० वेंकटेश्वर राव, कार्मिक कूटांक 3653 की भेवाओं को दिनांक 12-5-1982 के मध्याह्न में समाप्त माना जाएगा। दिनांक 23-02-1982 से 12-5-1982 पर्यन्त का अवधि को 'प्राप्तयावधि' माना जाएगा। उन्हें निर्भासित बन पाय, सुरक्षा गांव परिवार परिचय पत्र तथा अन्य कोई संग्रामो भासान के अभ्यर्पण करने का आदेश दिया जाना है।

श्री डी० ए० रुपण  
उप मुख्य कार्यपालक (गु० नि०)

श्री क० वेंकटेश्वर राव,

वैज्ञानिक सहायक 'ए०'

आ०क०व०नि०स० 20,

फतेहनगर, हैदराबाद 500 018.

## मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कृतलपक्रम-603102, दिनांक 26 जून 1982

मं. एम०ग०पी०पी०/3(1360)/82 इट—सहायक लेखा अधिकारी के नियुक्ति के चयनहेतु, श्री बी० नटराजन् एक स्थानापन्थ सहायक लेखाकार, नाभिकिय ममिश्रण केन्द्र, हैदराबाद को मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थाई रूप से सहायक लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 23-2-1982, पूर्वान्तर में नियुक्त किया जाता है।

टॉ० रामानुजम्  
प्रशासनिक अधिकारी

## परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 3 जुलाई 1982

मं. प०ख०प्र०-2/3442/81-प्रशासन :—श्री अनुपम बक्सी द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी एम० बी० के पद से दिया गया स्थायपत्र 13 मई, 1982 (अपराह्न) से निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

टी०डी० घाडगे  
विष्ट प्रशासन व लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

वम्बई-400008, दिनांक 25 जून 1982

मं. 05052/82/फरव०/3197—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री वन्धेटी नाशयण गव, भारी पानी परियोजना (तलचर) के अस्थायी कार्यदेशक को उसी परियोजना में फरवरी 1, 1982 के पूर्वान्तर में आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी०) नियुक्त करते हैं।

र० च० कोटियानकर  
प्रशासन अधिकारी

## अंतरिक्ष विभाग

विक्रम माराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 18 जून 1982

मं.बी०एस०एस०सी०/स्था०/प०/82—निदेशक, श्री० एस०एस०सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम माराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी० के पद पर केवल अस्थायी रूप

में उनके नामों के मामले दिये गये तारीखों के पूर्वान्तर में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्र०स०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री०ग०वा०वासुदेवन पोटिट	ई०एफ०एफ०	23-4-82
2.	श्री० कंबम सांतेष्वा	ई०एन०एस०	30-4-82

के० प०० श्रा०० मेनन  
प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)  
हृते निदेशक, बी०एस०एस०सी०

## पर्वटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं. प०-32014/5/81-स्था०—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के आगे दर्शयि गये दिनांक से आगामी आदेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्र०स०	नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने का दिनांक
1.	श्री बी०सी० दत्ता	22-1-1982
2.	श्री राम मोहन सिंह	7-6-1982
3.	श्री आर०सी० मेहरा	7-6-1982
4.	श्री आर०एन० अंकरसी	22-1-1982
5.	श्री सी०एन० टाकू	11-3-1982
6.	श्री आर०सी० दत्ता	8-4-1982 (अपराह्न)
7.	श्री ज०के० बाहो	5-4-1982 (अपराह्न)
8.	श्री आर०सी० सर्वीना	5-4-1982 (अपराह्न)
9.	श्री कवंदर सैन जैन	29-5-1982
10.	श्री एम०पी० भारद्वाज	8-4-1982 (अपराह्न)
11.	श्री सुवीमल सेन	22-1-1982
12.	श्री प०के० दत्ता राय	10-5-1982
13.	श्री एन०सी० मुखोपाध्याय	29-3-1982
14.	श्री के०एन० मजुमदार	22-1-1982
15.	श्री प्रेम किशन (फोरसैन)	7-6-1982
16.	श्री पी०एन० सीकदर	29-1-1982
17.	श्री एम०एन० मर्कार	22-1-1982
18.	श्री नरसी० राम	31-5-1982
19.	श्री एम०एन० दास	22-1-1982

के० मुखर्जी  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
हृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

हानिदेशक नामक विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1982

सं० ए० 35018/6/79-ई०-१—दिनाक 24-5-81 में 9-6-82 तक प्रतिनियुक्त अवधि पूर्व। वे जाने के परिणाम स्वरूप, श्री पाठान० विष्वनाथन, महायक निदेशक, नामक विमानन मुख्या, भद्राम ने, पुनिम अधिकारी (मुख्या) स००आई०डी० के पद पर मद्रास-600004 में तैनाती हो जाने पर दिनांक 9-6-82 (पूर्वाह्न) में अपने पद का कार्बधार त्याग किया है।

सुधाकर गुप्ता  
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 30 जून 1982

सं० ए० 32013/1/82-ई०एस०—राष्ट्रपति ने श्री पाठान०जी० गोस्वामी, विश्व विमान निर्गतक को दिनाक 4-6-82 (पूर्वाह्न) में छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उप निदेशक/नियंत्रण वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में कलकत्ता में नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग  
महायक निदेशक, प्रशासन

बन प्रनुभ्यान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनाक 29 जून 1982

सं० ए० 16/388/82-स्थापना-I—अध्यक्ष, बन प्रनुभ्यान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री राजेन्द्र कुमार पुहारी को दिनाक 9 जून, 1982 की पूर्वाह्न में अगले आठवेसों तक उसी संस्थान में सहर्ष प्रनुभ्यान अधिकारी नियुक्त करने हैं।

राजत कुमार  
कुल मन्त्रिव

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

बंगलौर-960001, दिनाक 8 अप्रैल 82

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

सं० 1/82—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 233 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, कर्नाटक, इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, बंगलौर, कर्नाटक के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय के अधिकार थेव में आने वाले उत्पादन शुल्क साल के नियमावली द्वारा प्रनुपालन किए जाने के लिए निम्नलिखित अनुपूरक हितयते जारी करते हैं।

उत्पादन शुल्क साल का प्रत्येक नियमावली जिसके लिए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 174-2-166GI/82

प० के साथ पठित तथा नियम 174 के अधीन लाइसेंस लेना अपेक्षित है, तिन प्रतियों में, उत्पादन, निर्माण तथा स्टोरेज का स्थान अथवा जैसा कि नियमों के अधीन अपेक्षित हो, उसमें मबद्द की अन्य परिमार्श विनिर्दिष्ट करने द्वारा मानचित्र प्रस्तुत करेगा। जैसा कि इसके नाचे बताया गया है ये मानचित्र अनिवार्य रूप से उसी रूप में लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन किए जाने के लिए प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

1. मानचित्र को पंजीकृत वस्तुकार द्वारा विधवत् प्रमाणित अथवा पंजीकृत स्वेक्षक अथवा पंजीकृत मिथिल अभियंता द्वारा तैयार किया गया होना चाहिए।
2. ऐसे मानचित्रों में दखलाओं, खिड़कियों, रोशनियानों, बातायानों तथा छत/फर्श द्वारों द्वारा दृष्टादि के स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शायी जानी चाहिए।
3. मानचित्रों को संबंधित क्षेत्र पर अवलंबित उपयुक्त माप में, जोकि तर्जीहीं तौर पर 1 में०मी०-२०० में०मी० हो, तैयार किया जाना चाहिए।
4. नियम 44 और 46 के उपबंधों का ईमानदारी में पालन किया जाना चाहिए।
5. फैक्टरी में जब भी कोई परिवर्तन अथवा फैक्टरी उपकरणों का संचालन हो निर्माता को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 45 के अधीन अपेक्षित विवरण प्रस्तुत करना चाहिए। सभी निर्माताओं को यह भी निर्देश दिया जाता है कि यदि विद्यमान अनुमोदित मानचित्र, उपरोक्त अपेक्षा के अनुरूप न हों, तो उचित मानचित्र प्रस्तुत किए जाने चाहिए और उनका तुरंत अनुमोदन प्राप्त किया जाना चाहिए।

प्राठान० शुक्ला  
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली, दिनाक 29 जून 1982

सं० 11/82—वाधेक्ष्य के वारण सेवानिवृत्त होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के बलकत्ता स्थित पूर्वी प्रार्थेशिक यूनिट के श्री एन०मी० अक्षर्वर्ती न दिनाक 31-3-82 (अप्रैल) को निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क यूनिट “बी०”, के पद का संर्थभार त्याग दिग्ग।

प्राठान० बी० सरकार  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

सं० ८०-४२०१६/१/८०-प्रश्न०च०५/स्था०-१—ग्रधिकथा, केन्द्रीय जल आयोग श्री प्रम० पं० मित्तल को ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० स्पष्टे के वेतनमान में अतिशिक्त महायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को ३०-११-८२ तक अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, और बढ़ाते हैं।

के० एल० भंडूला  
अवर सचिव

पूर्ण पांच पुनर्वाय मन्त्रालय (पूर्ण विभाग)

राष्ट्रीय पर्यावरण गृह

कलकत्ता-२७, दिनांक 25 जून 1982

सं० जी०-६५/प्रम०सं०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह अग्नीपुर कलकत्ता, श्री जे० के० भट्टाचार्य, विज्ञान महायक (इलेक्ट्रॉनिक्स), राष्ट्रीय परीक्षण गृह-कलकत्ता को विज्ञान अधिकारी (इलेक्ट्रॉनिक्स) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता के कार्यालय में १६-६-८२ (पृष्ठांत्रिम) में विस्तीर्ण अन्य आदेश के जारी न होने तक तदर्थ स्पष्ट में नियुक्त करते हैं।

संयुक्त निदेशक  
कृते-महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनी का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाखार्णी कल्पनाएँ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1982

सं० ५६०/२१६७—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तान मास के अधिनियम अनुसार आयकर आयुक्त (केन्द्रीय) कानपुर एतद्वारा अपने प्रभार के अन्तर्गत महायक आयकर आयुक्त के क्षेत्राधिकार के सम्बन्ध में दिनांक 27 जून, 1978 की अधिसूचना को इस सीमा तक संशोधित करता है ताकि अनुसूचि के अन्तर्गत सं० ३ के सामने उल्लिखित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाये :—

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना  
बोर्डिंग कैनाल रोड, पटना-१

कम्पनी अधिनियम 1956 और ट्रेड केमिकल एंड एड्डेमिक एम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, 3 जुलाई 1982

सं० (842)-४/५६०-७८-७९/२३५६—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसारण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ट्रेड केमिकल एंड एड्डेमिक एम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषयित हो गई है।

ह०/अपठनीय

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्वालिटि डैरी इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० ३३७५/५६०/८२—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० को उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तान मास के अधिकार पर क्वालिटि डैरी इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी  
कम्पनियों का महायक रजिस्टर

कार्यालय आयकर आयुक्त (केन्द्रीय)

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1982

सी० नं० जुरिस्टिक्शन/सी०आई०टी० (सी०)/कानपुर—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा १२३ को उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करने हुए में, आयकर आयुक्त (केन्द्रीय) कानपुर एतद्वारा अपने प्रभार के अन्तर्गत महायक आयकर आयुक्त के क्षेत्राधिकार के सम्बन्ध में दिनांक 27 जून, 1978 की अधिसूचना को इस सीमा तक संशोधित करता है ताकि अनुसूचि के अन्तर्गत सं० ३ के सामने उल्लिखित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाये :—

क०सं० नि०स०आ०क०आ० परिस्कैत्र (रेज) में मर्मानित परिस्कैत्र सं० (रेज) किए गए उप प्रभार का नाम

3. आगणी केन्द्रीय

1. केन्द्रीय सर्किल I नथा II  
वारण्सी;

2. केन्द्रीय सर्किल, गोग्खपुर

3. केन्द्रीय सर्किल, इलाहाबाद

5. यह आदेश 1 जून, 1982 से प्रभावी होगा।

विह० वाय० गणे  
महायक प्रभावी पंजीयक, गुजरात राज्य  
अहमदाबाद

सी० नं० 80/78/जूरिस्टिक्यन/सी०आई०टी०/(सी०)/  
कानपुर--1. बाराणसी में “कार्यालय निरीश्वी सहायक  
आयकर आयुक्त बाराणसी (केन्द्रीय)” के नाम से एक  
नया प्रभार भूजित किया जाता है।

2 इलाहाबाद में “कार्यालय निरीक्षों सहायक आयकर  
आयुक्त इलाहाबाद (केन्द्रीय)” नाम का प्रभार समाप्त  
किया जाता है।

3 उपरोक्त आदेश दिनांक 1 जून, 1982 से लागू  
होगे।

सी० नं० 80/78/जूरिस्टिक्यन/सी०आई०टी०/(सी०)/  
कानपुर--6 एन्डब्ल्यूए आयकर कार्यालय, केन्द्रीय संकाल,

वाराणसी में दो उप प्रभार प्रमण ग्रामवार कार्यालय केन्द्रीय  
संकाल I तथा II के रूप में संजार किए जाते हैं।

7. एन्डब्ल्यूए केन्द्रीय संकाल I तथा II इलाहाबाद  
के आयकर कार्यालयों को एच वार्यालिप्र में मिलाया जाता  
है जिसका नाम आयकर केन्द्रीय संकाल इलाहाबाद होगा।

8 उपरोक्त अंडेंग इमें पूर्व के इस सम्बन्ध में जारी  
किये गये सभी आदेशों का अधिनियम कर्म तथा 1 जून  
1982 से लागू होगे।

एस० डिवेर्ड;  
आयकर आयुक्त (केन्द्रीय)  
कानपुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं. आई.ए.ग.० सी०/अर्जन/ 2682—यत मुझे  
देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं. भवन भूमि है, तथा जो मुरैना में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 5  
श्रक्तुबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) गन्तव्य से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ल्यारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री विश्वभरनाथ, टीकमचंद, सीताराम आत्मज श्याम  
लाल, सतोषकुमार पुत्र पदमचंद द्वारा मु० आ०  
हरिश्चंद अग्रवाल व हरिश्चंद अग्रवाल दत्तकपुत्र  
राधेलाल पाठनर्स फर्म छोतरमल रामदयाल मुरैना  
स्टैण्ड रोड, शहर श्रागरा उ० प्र०।

(अन्तरक)

2 श्रीमती रमारानी गर्ग पत्नी श्री ओमप्रकाश गर्ग नि०  
धर्मेशाला ओलो नगर मुरैना प० पर० व०  
जिला मुरैना, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० ६ वार्ड क्रमांक १४ जिला मुरैना स्थित भवन  
भूमि।

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

नारीख. 11-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनाक 11 जून 1982

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/अर्जन/ 2683—यतः मुझे  
देवप्रिय पत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी म० भवन भूमि है, तथा जो मुरैना में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरैना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त समिति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्राप्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
वाइ/वा

(म) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री विष्णुभरनाथ, टीकमचंद सीनाराम आनंदज श्याम-  
लाल, सन्तोषकुमार पुन्न पदम चब डाग मु० आ०  
हरिश्चंद्र अग्रवाल व हरिश्चंद्र अग्रवाल दत्तकपुन्न  
राधेनाल पार्टनर्स फर्म छोतरमल रामदयाल मुरैना  
स्टेंड रोड शहर आगरा उ० प्र०।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मुधारानी गर्ग पत्नी श्री मोहनलाल गर्ग निं०  
धर्मशाला नगर, मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समिति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिण्य करता हूँ।

उक्त समिति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहम्ताकरी के  
धारा लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लाक फ्लांक 6 वार्ड क्रमांक 14 नगर मुरैना स्थित  
भवनभूमि।

देवप्रिय पत्ता  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 11-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० गी०/अर्जन/2684—यत मुझे  
देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं० भवनभूमि है, तथा जो मुरैना में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुभूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंसरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री विजयराम दीक्षित श्रीताराम श्रान्मज श्याम  
नाल, सतोषकुमार पुत्र पदमचंद द्वारा मु० श्रा०  
हरिशचंद अग्रवाल व हरिशचंद अग्रवाल दस्तपुत्र  
गधेलाल पाटनर्म फर्म छोतरमल गमदयाल  
मुरैना स्टेण्ड रोड, शहर आगरा उ० प्र०।  
(अन्तरक)

2 श्रीमती शशिबाला गर्ग पत्नी श्री गजेशकुमार गर्ग  
नि० धर्मशाला ओलों नगर, मुरैना, म० प्र०।  
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अक्षय  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

ब्लाक क्रमांक 6 वार्ड क्रमांक 14 नगर, मुरैना स्थित  
भवनभूमि।

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 11-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

१. श्री जॉर्डन गिग, निवासी ४८, नमेदा रोड, जबलपुर।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना२. मरदार हरजीतार्मग श्रोवंगाय निवासी १४२१, नमेदा  
रोड, जबलपुर।

(प्रत्यक्षित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1982

निदेश मं० आई० ए० सी० (अर्जन) २६८५—यतः मुझे  
देवप्रिय पन्तआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. में अधिक हैऔर जिसकी म० प्लाट न० ४४३ है, तथा जो गोरखपुर में  
स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख : अक्टूबर 1981को पूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संसमिति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्ता या उससे बचते में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) आसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;प्लाट न० ४४३, शीट न० २८३ स्थित गोरखपुर,  
जबलपुर।देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकार आयत्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपालअतः ग्रह, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—तारीख . 14-6-1982  
मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश मं० आई० ग० म००/(अर्जन)/2686—यथः मुझे देवप्रिय पत्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 23 और 23 ब, है, तथा जो आर्णविद्यमान में उपावड अनुसूची में आई है (आर्णविद्यमान में उपावड अनुसूची में आई पूर्ण रूप में वर्णित है), भजिस्ट्रिक्ट अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रिक्शन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्टूबर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह श्रेष्ठता से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ता) और अंतरिक्ती (अनन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रा. कपूर सिंह पुत्र स्व० श्री हीरालाल पवां मचालक आर्णविद्यमान मार्केट गंजीपुरा, जबलपुर।

(अन्तर्क)

2. श्रा. विहारालाल पुत्र श्रा. गबूलाल निवास तुलाधाम चौक, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्वे भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी नियतियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**एकलीकरण:**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दुकान नं० 23 अ और 23 ब नियम आर्णविद्यमान मार्केट, गंजीपुर जबलपुर।

देवप्रिय पत्न  
मध्यम प्राधिकारी  
निरीक्षण; सहायक आयकर आयुक्त  
गर्जा रेज, मोगाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे:—

तारीख 14-6-1982

मोदर:

प्रस्तु आई. टी. एन्. एस.-----

१ श्री जे० इ० गिग निवार्म, ४१, नर्मदा रोड जवलपुर।  
(अन्तर्गत)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा २६९-घ (१) के अधीन सचना२ श्री आर० मनिक ठेकेदार नर्मदा रोड, जवलपुर।  
(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक १४ जून १९८२

निर्देश म० आई० ए० म०० (अर्जन) २६८७—यत भृत्य  
देवप्रिय पन्तआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु. से अधिक है।आर० जिर्का, म० प्लाट न० ११३ है, तथा जो गोरखपुर जवलपुर  
में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी, के कार्यालय जवलपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नार०ख ५ अक्टूबर 1981को १००००० संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:-को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी जैसे  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

प्लाट न० ११३ र्णा०ट न० २८३ गोरखपुर जवलपुर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;देवप्रिय पन्त  
मध्यम प्रधिकारी;  
(निरीक्षण महाप० ग्राम्यका० आयकर)  
अर्जन रेज भोपालअत जब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

3—166GI/82

तारीख ११-६-१९८२

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महादेव आयकर आयकृत (निरीक्षण)

प्रज्ञन क्षेत्र, भोपाल

मापात्, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं. आई. ए. ए. म० (प्रज्ञन) 2688—यत मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं. दुकान नं. 36 है, तथा जो आर्णवाद मार्केट  
गंजीपुरा में स्थित है (ओर इसमें उपाबन्ध अनुसूची में ओर  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन कर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्टूबर 1981

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
दन्तहृष्ट प्रतिशत से कम अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-  
फल, निम्नालिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कर्तित नहीं किया गया है:-

(१) अन्तरण गहराई किसी आय की दावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(२) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए.

देवप्रिय पन्त

ग्राम प्राधिकारी

(निराकाश भाष्यक आयकर आयकृत)

प्रज्ञन रेज भोपाल

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधान (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

१ श्री कपूर सिंह पुत्र स्वरूप राजाल प्रादान संचालक  
आर्णवाद मार्केट गंजीपुरा जबलपुर।

(अन्तर्गत)

२ श्री गुलाब पटेल पुत्र फलचंद पटेल तिवाम चौरामेल,  
जबलपुर।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके प्रवोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोचत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

दुकान नं. 36 स्थित आर्णवाद मार्केट गंजीपुरा, जबलपुर।

नाम्रता 11-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भापाल, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० म० (अर्जन)/2689-अन्. मुझ,  
देवाप्रय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० न  
अधिक है

और जिसके सं० प्लाट न० 443 है, तथा जो गोभिखपुर  
जबलपुर में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में ओर  
पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,  
जबलपुर में अनिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारंख 5 अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास  
करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रिय का पृष्ठदृ  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य य उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविद्धा के लिए;

देवाप्रय पन्न  
सक्षम प्राधिकार,  
(निरीक्षण विभाग, अधिकार, अनुकूल)  
अर्जन रेज, भोपाल

अतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपचारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित वर्गिनयों, अर्थात् ।—

1. श्रीजे० डी० विह निवासी 84, नर्मदा रोड, जबलपुर ।  
(अन्तर्क)
2. श्री जे० मितन निवासी 89, नर्मदा रोड जबलपुर ।  
(अन्तर्कित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त प्रमाणि के प्रबंन के  
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू-  
बदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** —इस व प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उग अध्याय में दिय  
गया है।

हिस्टा प्लाट न० 443, र्साट न० 283 मिथ्त गोरखपुर  
अवलपुर।

तारंख: 14-6-1982  
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्स (निरीक्षण)

अर्जन धनेव, भोगान

भोगान, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश मं० आई० प० सा० (अर्जन)/2690—अतः मूर्ख देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मवान म्य० ऋमांक 84 है, तथा जो जवाहर मार्ग इन्दौर में स्थित है (आौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख 24 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्द 'किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दायवत्ता पत्नी श्रीं साधूराम जी; तरफे आम मुख्यार मनोहर लाल पिता साधूराम जी। निवास: 36, पलसीकर कालीनों इन्दौर (म० प्र०)। (अन्तर्गत)
2. श्री जितेन्द्र कुमार, पिता लक्ष्मणदास (अवयस्क) तरफे संरक्षक लक्ष्मनदास पिता ओवीराम निवास: 18 पलसीकर कालीनों इन्दौर (म० प्र०)। (अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जवाहर मार्ग यहां पर म्यूनिसिपल नम्बर 8-1 जो कि इन्दौर से स्थित है। (भाग)।

देवप्रिय पत्त  
मध्यम प्राधिकारी  
(निर्देशी सहायक आयकर प्रायगुप्त)  
अर्जन रेज, भोगान

तारीख 9-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप नाइरौटी, पन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश मं० आई० प० सी० (अर्जन) / 2691—प्रत. मुझे,  
देवप्रिय पन्त  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० मकान मूल्य ० अमांक 84 है, तथा जो जबाहर  
मार्ग इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय  
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 24 अक्टूबर 1981

को वर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्षित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उम्मे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) ए उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा थे लिए;

जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातुः :--

1. श्रीमती नारदा देवी पति श्री मन्तोपकुमार तरफे  
आम मुख्त्यार मनोहरलाल पिता साधूराम जी,  
36, पलसीकर कालीनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री महेशकुमार पिता श्री लक्ष्मणदाम अवयस्क तरफे  
संरक्षक लक्ष्मणदास पिता श्रोतीराम जी, 18 पलसीकर  
कालीनी इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरीती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दृढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरता:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
रूप होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जबाहर मार्ग इन्दौर स्थित मकान मूल्निसप्ल नम्बर 84  
का भाग।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-6-1982

माहेर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. पर.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2692—अत. मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम ग्रामिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

आंग जिसकी मं० मकान नम्बर 39 है, तथा जो जवाहर मार्ग  
इन्दौर में स्थित है (आंग द्वारा उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण  
रूप से वर्णित है), नजिस्ट्रीकर्ता ग्रामिकारी के कार्यालय, इन्दौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 19 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि इथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का वन्दृत  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीन—

- (1) श्रीमती कुमुम बाई पनि श्री गम गोपाल जी  
सन्तोष एवं माना कुमार पिता श्री रामगोपाल।
- (2) श्री पुरुषोत्तम पिता रामगोपाल।
- (3) रतनलाल पिता लक्ष्मीनारायण।
- (4) श्री घनश्याम पिता लक्ष्मीनारायण।
- (5) श्रीमती तारमणी, पति कल्पनी, 39  
जवाहर मार्ग—इन्दौर।
- (6) श्रीमती पुष्पा।

(अन्तरक)

- (1) श्री मोतीलाल पिता किशनलाल जी शर्मा।
- (2) श्रीमती कंचनबाई पति श्री मोतीलाल जी  
शर्मा निं० 39 जवाहर मार्ग इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूसूची

जवाहर मार्ग इन्दौर स्थित मकान नम्बर 39।

दर्वाप्रिय पन्त  
मकान प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 9-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारत, महायंत्र आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश नं 2 आहू. ए० भी० (अर्जन)/2693—यत मुझे,  
देवप्रिय पन्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), वी धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी में, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिकी नं 50, 50/1 से 50/12 है, तथा जो गोरखपुर  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 17 अक्टूबर 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पांच गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अनुसूची में हूँड़ी किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पांचेंनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या लिया जाना आहिये था, लिपाने में  
मतिधा के लिए,

1 भीमती शकुतला बमा पत्नी सुरेश कुमार बर्मा निवासी—

राधा निवास, धरमपेठ, नागपुर।

(ग्रन्तक)

2 मैमर्स एच ओफ इन्लाइटमेंट पब्लिकेशन ड्राग

(1) श्री अनूपकुमार पुत्र एस० वी० वर्मा।

(2) श्री राजीव अरोरा पृत्र जारीर कुमार

अर्गंग निवासी—गोपालगढ़ गोपालगढ़।

(ग्रन्तिस्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर  
के पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं 50, 50/1, में 50/12, नमंदा रोड गोरखपुर  
वार्ड जबलपुर, ब्लाक नं 753 प्लाट नं 158।देवप्रिय पन्त  
मशग प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपालतारीख 15-६-1982  
मोहर.अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रस्तुत आईँ, टी. एस. एस. .... जद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

गोपनीय मार्गदार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश सं. आ० ए० मी० (अर्जन) 2651—यतः मुझे,  
देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
करार है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नंबर 375/11 एवम् 378 है, तथा  
जो जलपादेवी वार्ड मुडवारा में स्थित है (और इससे उपावढ़  
अनुसूची में अंगूर पूर्ण रूप में वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कठनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ऊर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबंधित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीरी  
(अन्तरीरातयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ठे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के बन्तरक के  
वार्ताविक में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरीरी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1 श्री लल्लू उर्फ सुरेश कुमार पुत्र श्री गणगोपाल काठी  
निं. जलपादेवी वार्ड मुडवारा।

(अन्तरक)

2 श्रीमती नेशन बाई पत्नी श्री बाधुमल मिशी द्वारा  
दयाल स्टोर्म, गुरु नानक वार्ड मुडवारा—म० प्र०।

(गत्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका खसरा नंबर 375/11 एवम् 378 जो  
कि जलपादेवी वार्ड मुडवारा में स्थित है।

देवप्रिय पन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

अत. अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्धतः :—

तारीखः 7-6-1982

मोद्दूरः

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री लल्लू उर्फ सुरेश कमार पुत्र रामगोपाल काठी  
निवासी जलपादेवी वार्ड मुडवारा (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री होतचंद पुत्र श्री जानीमल सिधी निं० गुद्धनानक  
वार्ड मुडवारा—म० प्र०।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक ७ जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2652—यतः मुझे,  
देवप्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट खसरा नम्बर 375/11 और 378 है,  
तथा जो जलपादेवी वार्ड मुडवारा में स्थित है (और इससे उपर्युक्त  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
नहीं का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
नक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच् एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
तिलिखित उत्तुदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक  
रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट खसरा नम्बर 375/11 एवं 378 स्थित जलपादेवी वार्ड  
मुडवारा (म० प्र०)।

देवप्रिय पत्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप बाहू. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश भं. आई० ए० सी० (अर्जन) / 2653—यत

मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 121 है, तथा जो बुद्धवारीपुरा छिन्दवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाथद्वे अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्मतिरित की गई है और मूँहे इह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरीरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सीताराम अग्रवाल।  
(2) श्री राम शंकर अग्रवाल।  
(3) श्री सुरेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल छोटा बाजार, छिन्दवाड़ा।  
(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री रामलालजी जैन गुलाबरा तहसील जिला—छिन्दवाड़ा।  
(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थिरीकरण :**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बहुसूची

प्लाट नम्बर 121 म्यूनिसिपल व्राई नं. 22 स्थित बुद्धवारीपुरा छिन्दवाड़ा।

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 7-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश सं० आई. ए. सी० (अर्जन) / 2654—यत्  
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नम्बर 659/3, 646/6 178 स्टॉट  
नं० 9 है, तथा जो जूना बिलासपुर में स्थित है (और इससे  
उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री दशरथलाल खण्डेलवाल  
निवासी लिंक रोड बिलासपुर (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. डा० रवीन्द्र कुमार बजाज पुत्र श्री दीपतराम बजाज  
निवासी जूना बिलासपुर (म० प्र०)।  
(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की वादत उक्त सम्पत्ति सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि—खसरा नम्बर 659/3, 646/6 प्लॉट नं० 178  
लिंक रोड जूना बिलासपुर में स्थित।

देवप्रिय पत्त  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

**नोट:** अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

**प्रायपुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा**  
**269-प(1) के पश्चान सूचना**

**भारत सरकार**  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)  
 अर्जन थोन, भोपाल  
 भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निकेश म. आई.प. ३० नं. ० (अर्जन) 2655—यत. मुझे  
 देवप्रिय पम्प,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-प(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिपक. मं. 438/52 है, तथा जो न्यू ग्रन्टीनगर रायपुर  
 में स्थित है (अंतर इसमें उपावड़ अनुसूचि में शीर पूर्ण स्वप  
 वर्णित है), गणस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में  
 गणस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तरीख 7 अक्टूबर 1981  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री भजन लाल पुत्र लम्हनान्धी लाल, निवासी  
 न्यू शान्तीनगर रायपुर (म० प्र०)  
 (अन्तरक)
2. श्रीमती उमिला भुज्जनिया पत्नी गिरधार लाल, निवासी  
 गुडियारी रायपुर (म० प्र०)  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीया करता है।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी जाषेपः—**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

**भूमि सूची**

भूमि व मकान जो कि न्यू शान्ती नगर रायपुर में स्थित है  
 तथा जिसका खसरा नम्बर 438/52 है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रेष्ठ नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

देवप्रिय पन्त  
 सक्षम प्राधिकारी;  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)  
 अर्जन रेज, भोपाल

**नोट:** नब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, ननुसरण  
 में, मै, उक्त अधिनियम की धर्या 269-प(1) की उपाधाग (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तरीख: 7-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निवेश स० आई० प० म० (अर्जन)/2656—यतः मुझे  
देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

जिसकी सं० 438/52 का भाग है, तथा जो न्यू शन्तीनगर  
रायपुर में स्थित है (आंदर इससे उपावड़ अनुसूची में आंदर पूर्ण  
रुप से अंशित है), रजिस्टर्ड कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 7 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रतिशत (प्रतिशतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगतनाल बलद राममनोरथ लाल निवासी, न्यू  
शन्तीनगर, रायपुर—म० प्र०

(अन्तर्गत)

2 श्रीमती विजय नामदेव, पत्ना नामदेव नामदेव  
निवासी निवासी, रायपुर (म० प्र०)

(अन्तर्गत।)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यंजन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि त्रा नियन्त्रण व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना न राजावत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन न भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्तभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान व भूमि खमरा नम्बर 438/52 का भाग जो कि  
न्यू शन्तीनगर रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 7-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं० (अर्जन)/2657—अत. मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु. से अधिक है।

प्रौढ़ जिकी सं० खसरा नम्बर 438/52 है, तथा जो न्यू शान्टू  
नगर रायपुर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपायद्वारा अनुसृती में प्रौढ़  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय  
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूर्दँ किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

मनुसृती

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमोत्तरार्थ अन्तरिती इकारा प्रकल्प नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

देवप्रिय पन्त

संत्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभार्त् :—

1. श्री भजनलाल पुत्र रामसनोरथ लाल, निवासी न्यू  
शान्टीनगर रायपुर (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. श्री सजन कुमार पुत्र हर्षगम [निवासी, नुडियारी,  
रायपुर— (म० प्र०)  
(अन्तरित)

जो यह सूचना आठी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिग के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि खसरा नम्बर 438/52 का भाग जो कि न्यू शान्टीनगर  
रायपुर में स्थित है तथा भकान।

तारीख: 7-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०-----

१. श्री बाबू लाल माणेक एवं धनसीमाई माणेक आरम्भ  
पंपटलाल माणेक, निवासी —राजतद्वगांव  
(अन्तरक)

गणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्षत (निरीक्षण)

ਅੰਜੇਨ ਕ੍ਰੇਵ, ਮੋਪਾਲ

भांपाल, दिनांक 7 जन 1982

2. मैसरे अग्रवाल देउळिंग क.स्पनी, रामधीन मार्ग राजनन्द  
गांव बाटा पार्टनर श्यामसुन्दर पुत्र मुमदीलाल  
अग्रवाल, राजनन्द गांव (म० प्र०)  
(अन्तरित)

के यह सूचना जारी करके पृष्ठोंकत ममतित के निर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति वे वर्ग के समान्य रूप सहेज भी बांध परः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वावली व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ब) इस संचार के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—हस्तमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिका में ७२/२ है, तथा जो ग्राम लखौर में स्थित है (श्रीर उसमें उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण स्व भे वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, राजनन्द गाँव में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (18908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्टूबर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का एन्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितवयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) विभेदण में हरै किसी वाय की वावत, उक्त अधिनियम के वर्धन कर देने के अन्तररक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए,

三

(४) ऐसी किसी आय मा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्नतिरक्ती इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में विधि के लिए;

परवर्तित भूमि ख० 72/2 ग्राम लखौली, राजनन्द गांव  
स्थित—मकान गोदाम तथा एक पक्का कुंआ साथ में।

## वेदप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी

तारीख : ७-६-१९८२  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन एस.-----

१ श्री दत्तात्रेय ब राजाराम गुप्ता आत्मज वर्णनलाल  
व दर्शन लाल आत्मज रामप्रसाद निवासी धर्म-  
गाला, ओली, नगर मुरैना—म० प्र०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जन 1982

निर्देश सं० आई० ए० म०० (अजन) /265९—यत् मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थां  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० भवन है, तथा जो म०ड़ी वार्ड न० ३ मुरैना  
में स्थित है (ओर इससे उपांबढ़ अनुभूति में ओर पूर्ण रूप से  
वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 22 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्त-  
विद रूप से कथित नहीं किया गया है—---

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुभूति**

भवन मय दुर्गान स्थित मुहूर्ला रुद्धि की म०ड़ी वार्ड क्रमांक  
3 नगर मुरैना।

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आग को बावल, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वर्चने में सूचिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिधा के लिए;

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

तारीख: 7-6-1982

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप प्राइवेट ट्रो॰ एन॰एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, क्रमांक 7 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० र्म० (अर्जन)/2660—अतः  
मुझे, देवप्रिय पन्त,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर ममति जिसका उद्दित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी क्रमांक 199/3 है, तथा जो शंकर बाजार वार्ड  
मुरैना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, मुरैना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 19 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाला गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हूंड किसी याता की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असारक के दायित्व में  
कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या प्रद्युम्न प्रादिक्षणों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
ग्रिविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरण में,  
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पित :—

5-166GI/82

1 श्री दर्जन नाथ पूर्ण रामप्रसाद शास्त्राधारी व राजाराम  
गुप्ता प्रात्यक्ष विशेषज्ञ निः धर्मगाम ग्रोली  
नगर मुरैना —म० प्र० )  
(अन्तरक)

2 श्री प्रशान्त कुमार नावालिंग पुन्न हरिशचन्द्र जैन  
मंत्रकार श्रामिक मंगलिया देवी पन्नी बासुनाल जैन  
निः ग्राम वरेया हात पड़ाव, शाना मुरैना (म०  
प्र० )  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति हारा अव्याहृताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इन्हींकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## मनुष्याची

भवन मय दुकान म्बूनिसपन क्रमांक 199/3 स्थित शंकर  
बाजार आई क्रमांक 3 दगर मुरैना—(म० प्र० )

देवप्रिय पन्त  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीखः 7-6-1982

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट थोंक, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश नं० आई० ए० मी० (अर्जेन्ट)/2661—यतः मुझे  
देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 24/433 है, तथा जो शिन्दे का छागनी  
लक्षकर, ग्रालियर में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ग्रालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यत्र  
विश्वास करने का कारण है कि वृथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच  
ऐसी अन्तरग के त्रिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उदाहरण से उक्त अन्तरग लिखित में व्यास्तिक रूप से कथित  
नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन नह देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री हृदयतारायण पुत्र श्री रामतारायण जी कीन  
जिवासी राम बाग कालौनी शिन्दे की छागनी  
लक्षकर ग्रालियर —(म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. श्री धोरज मिह पुत्र श्री सोहनसिंह निवासी गृहरी  
महल लेन हाईकोर्ट के पीछे लक्षकर—ग्रालियर  
(म० प्र०)  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के  
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त नहीं हो, के भीतर दूरीन व्यक्तियों में मे  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रथोदृस्ताकारी के पास विवित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि व मकान सम्पत्ति स्थित रामबाग कालौनी शिन्दे  
की छागनी लक्षकर ग्रालियर निगम नम्बर 24/433 ।

देवप्रिय पत्त  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेज, भोपाल

तारीख: 7-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री सुवालाल पुत्र श्री बलदेव जा; निवासी 14/4  
कड़ाबिन मौहल्ला इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्यामदास पुत्र श्री लक्ष्मणदास निवासी 72  
विवेणी कालौनी इन्दौर।

(अन्तरिति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०(अर्जन)/2662--यतः मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 72 पर बने मकान का भाग  
है, तथा जो विवेणी कालौनी इन्दौर में स्थित है (और इसमें  
उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख 22 अक्टूबर  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हथयमान प्रतिफल से, ऐसे हथयमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
क्षमता से कठित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भग्न या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया  
क्या था या किया जाना काहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

विवेणी कालौनी इन्दौर स्थित प्लाट नम्बर 72 तथा  
उस पर बने मकान का भाग

देवप्रिय पन्त  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अन्तरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

तारीख : 18-5-1982  
मोहर.

प्रस्तुप प्राईंटी टी.एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश म. आई.प. सी. (अर्जन)/2663—यत् मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-प के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी म. 211 है, तथा जो पलसीकर कालीनी इन्दौर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्टर्कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररुक  
(अन्तर्स्कौं) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उपर्युक्त से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कठिन  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अक्षरक क  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसुरुण  
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मान्ती देवी विश्वास श्री लालूराम
  - (2) श्री मुमारप चन्द्र
  - (3) श्री मुरलीधर
  - (4) श्री मनोहर
  - (5) श्री मुरेशकुमार
  - (6) श्री अर्जुन
  - (7) श्री दिनेश
  - (8) कुमारी आशा
  - (9) कुमारी विजय लक्ष्मी
  - (10) श्रीमती माधना पुत्रों लालूराम जी
  - (11) सौ. उषा देवी परती प्रभुदयाल इन्दौर।
- (अन्तरक)

- 2 श्रो अशोक कुमार व कन्हैयालाल पुत्र श्री गमदाम  
निवास 161 पलसीकर कालीनी इन्दौर।
- (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

पलसीकर कालीनी इन्दौर स्थित प्लाट नम्बर 211 पर  
बना मकान का भाग।

देवप्रिय पन्त

सम्म आधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 10-5-1982

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

1. श्री मुमताज मोहू पुत्र श्री हकीमुराद मोहू

जहाँगीरावाद, भोपाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुमताज मोहू पुत्र श्री फूलचंद अग्रवाल,  
निं. चौक भोपाल।

(अन्तर्भृता)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश म ० आई० ए० सी० (अर्जन)/2664—यतः मुझे  
देवश्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

श्री रजिस्टरी म ० प्लाट न ० ४४४ है, तथा जो पुलबोगदा,  
भोपाल में स्थित है (श्री इसमें उपाधि अनुसूची में श्री और पूर्ण  
न्मूल्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26 अक्टूबर 1931

को पर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में विद्या गया है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती इवारण प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पुत्र बोगदा भापाल स्थित प्लाट ध० ४४४ का एक भाग।

देवश्रिय पत्त  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नंगाम 8-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश मं० आई० ग० सी०/अर्जन/2665—यन्: मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक

और जिसको सं० मकान है, तथा जो बालविहार रोड घोड़ा-निकास भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाहतः—

1. श्री खेमचंद पुत्र ताराचंद वास्ते श्रीमती भगवानी बाई पत्नी ताराचंद, निवासी घोड़ा निकास, भोपाल।  
(अन्तरक)

2. श्री जियाराम चेरिटेबल ट्रस्ट भोपाल द्वारा—  
सदौरामल अध्यक्ष निवासी—मिर्झोकालोनी,  
भोपाल।  
(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

ममूसूची

बालविहार रोड, घोड़ा निकास भोपाल स्थित मकान का एक भाग।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सरदार जवहर सिंह पुत्र सरदार किशन सिंह  
निं० रेजीमेंट रोड भोपाल।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/2666—यतः मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं० एक मकान है, तथा जो रेजीमेंट रोड, भोपाल  
है (प्रौढ़ इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय, भांगल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 5 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र  
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एसे दूसरामात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

रेजीमेंट रोड, शाहजहानाबाद, भोपाल मिथि एक मकान

देवप्रिय पन्त  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ३० टी० एन० एम ----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के पद्धति सूचना

भारत परकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश मा० आई० ए० मा०/अर्जन/2667—यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गत्तात 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन गत्तम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मा० मकान है, तथा जो बरखेंड; भोपाल में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का तारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणक (प्रमत्रकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दर्शाया रखा नहीं किया गया है ।—

(८) अनारण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रत्यक्षित के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनसच्ची

(९) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

देवप्रिय पन्त

सक्तम प्रायिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1 श्री डॉ नारायण दुर्गेन पुत्र सुमतीज तुमैन गार्ड—री; सुमतीज दुर्गेन पुत्र जव्हार ट्रैम्स निराम, ।—। गहरा मजिल श्रीलींग भोपाल  
(अन्तर्गत)

2 श्रीमती शाहम्मत जावेद चिस्ती; पत्ना श्री मसूद चिस्ती द्वारा—शमशुद्दीन टिम्बर मर्चेन्ट, मड़ारोड़ पुल पानारा, भोपाल  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

बरखेंडी भोपाल स्थित मकान।

तारीखः 8-6-1982

मोहरः

प्रस्तुप आइ<sup>१</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आई० ग० मी०/अर्जन/2668—यत् मुझे  
देवप्रिय पन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व  
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इण्ड से अधिक है।

ओर जिपकी सं० मकान है, तथा जो गुरुबखण नलैया में स्थित  
है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित)  
है, रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोंदर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्षहूँ प्रतिकार से अधिक है और अस्तरक (अस्तरको)  
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों  
को जिन्हे चारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमाध्यं अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, जिपने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

देवप्रिय पन्  
मध्यम प्राधिकार;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)  
अर्जेन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति: १—  
६—166GI/82

त.राख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आई० ८० सी०/अर्जन/2669—यतः मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो गुरुबरुण तत्वेया में स्थित है (और इसमें उपावड़ शतुरुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)' के अधीन,  
तारीख 26 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए मय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
सम्मतिवाक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कर्मा करने या नये नयन दें संविधा के लिए, और/वा।

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हे सामग्री आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छपान में दिया के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षत् ।—

1. श्री न.रामण प्रसाद श्रीवास्तव पुक्त स्व० श्री शिवप्रसाद  
श्रीवास्तव न० गिवार्डी गुरुबरुण की तत्वेया,  
भोपाल  
(अन्तरित)

2. श्रीमति पद्मा तलरेजा पत्नि वामदेव तलरेजा, निवासी  
भोपाल  
(अन्तरित)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस गृहना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तिः अर्थ है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरिती

गुरुबरुण की नज़ीबा भोपाल स्थित पूर्ण मकान।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
पांच २०८ नं (1) में प्राप्त गान्धा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं. आई० गा० स०/अर्जन/2670—यत् मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाग करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. रा. और वर्ष 19

और जिसकी संभाल है, नथा जो गुरुबद्ध नर्तन्या मध्यम  
है (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वरूप वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 नं 16) के अधीन, तारीख 26  
अक्टूबर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मैंने इह दिश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर-  
रिती (अन्तरिरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा दाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहो किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ इसी किसी आय की बावजूद, उसके  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व में किसी करने या उमसे उचने में सुनिश्चा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
निविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 श्री नाशयण प्रसाद श्रावण पुत्र स्व० श्री शिवप्रसाद  
श्रावण, निवासी गुरुबद्ध की तलैया, भोपाल।  
(अन्तरक)
- 2 श्री द्वौपद; देवी: पत्नी: दण्डथ कुमार निवासल जमालपुरा  
भोपाल।  
(अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा  
अधिकारी के लिए आक्षेप किया जाएगा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लिप्तोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नसुची

गुरुबद्ध की तलैया भोपाल स्थित एक मकान।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल

तारीख: 8-6-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भांडा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन शेख, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्दिश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2671—यतः मुझे  
देवप्रिय पत्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।आई जिसकी सं० मुरार 12/1 है, तथा जो ठाठीपुर मुरार  
में स्थित है (आई डॉनें उपायुक्त अनुसूची में आई धूर्ण रूप में  
दर्शित है), भजिस्टीकृत अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
त.र.ख 1 अक्टूबर 1981कां प्रौद्योगिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं०, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका०) और अंतरिती  
(अन्तरितियो०) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—1. श्री हरगोविन्द पुत्र श्री परमा कमण्डिया ठाठीपुर मुरार  
जिला—ग्वालियर

(अन्तरिक्ष)

2. श्री साधूराम पुत्र श्री रिवाराम आहण लाल टिपारा  
मुरार

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बित के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्बित के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाहर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बित में हितबहुध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धि में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपान में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

मकान स्थित ग्राम ठाठीपुर मुरार 12/1 ग्वालियर।

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपालअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तरीख: 7-6-1982

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० मा० (अर्जन) 2772—यतः

मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्रमांक 6 है, तथा जो शन्दे की छावनी लक्षकर में स्थित है (आई० इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रौ० पूर्ण रूप से वर्णित है), विस्त्रीकृता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री अमन्तराव आत्मज श्री तिम्बकणवंजी निवासी।  
छत्ती; बाजार नगर लक्षकर।  
(अन्तरक)
2. श्री कमलगिंह आत्मज भवानीमहंजी निवासी शन्दे  
की छावनी लक्षकर।  
(अन्तर्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध एकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समात्ति स्थित नीं गज रोड शन्दे की छावनी लक्षकर नया बाड़ क्रमांक 6 हो गया है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-6-1982

संहार :

प्रस्तुप आहे. टी. एन. एस. -----

१ श्री गोपालाल पुत्र श्री लाल जैन निवास, मण्डळ प्रागण  
गुना।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(प्रत्यक्ष)  
२ श्री मटूलाल पुत्र श्री छुटूलाल जैन निवास,  
नई दिल्ली मण्डळ गुना।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

धार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

(नदेश स० शाह० ग० म०० (अर्जन) 2673—यत् मुझे  
वेद्यप्रय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाग 269-घ के  
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने ता काण्ड है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी स० वार्ड क्र० 18 में मकान है तथा जो पुछना  
भवन तीसरी मजिल गुना में स्थित है (और इस उपांड  
अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रेकर्ता ग्रधिकारी  
के कार्यालय गुना में रजिस्ट्रेशन ग्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 14 अक्टूबर 1981

के प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से वाम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(ए) बस्तरक से हैर्ड ट्रैक्सी बाय की वायत, उक्त  
बायप्रैवल के बोर्ड कर दर्ते के अस्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
वार्ड/जा

अनुसूची

(ब) एसी ट्रैक्सी बाय या ट्रैक्सी भग या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नगरपालिका के वार्ड क्र० 18 पुछना भवन में तीसरी  
मजिल। क्षेत्रफल ९३—०९ वर्गमीटर।

देवप्रिय पत्त

मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 8-6-1982  
माहर :

प्रख्य भाइ.टी.एन.एस.-----

1 श्री गोपी नाल पुब्र श्री नान जन निवासी मण्ड,  
प्रागण गुना।

(अन्तर्वच)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना2 श्री विजय कुमार पुब्र श्री मट्टलाल जैन निवासी नर्द  
सड़क गुना।

(अन्तर्वित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूनत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जन 1982

कर्तव्य यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यावाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप:—

(१) निर्देश स० श्राई० प० स०० (अर्जन)/2674—यह मुझे  
देवप्रिय पत्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० वाई० न० 18 मे मध्यान है, तथा जो पुस्ति  
भवन दूसरी मजिल गुना मे स्थित है (प्रौंग उपांबद्ध  
अनुसूची मे प्रौंग पूर्ण स्वप से वर्णित है), जिस्तीर्ता  
अधिकारी के वर्यालिय, गुना मे रजिस्ट्रीबल अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्टूबर  
1981को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोंक्त सम्पत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाण यथा प्रति-  
फल, निम्न तारीख 13-07-1982 मे उक्त प्रतिक्रिया निर्धारित मा वर्गलित  
रूप से कथित नहीं किया गया है --(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से विद्या  
गया है।(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व मे कभी करने या उसमे बचने मे मतिधा  
के लिए, और/या

अनुसूची

वाई० न० 18 पुस्ता भवन दूसरी मजिल गुना भाग क्षेत्र-  
फल 93—09 वर्गमीटर स्थित।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
दनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे  
सुविधा के लिए;देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
भायकर आयकर आयुक्त) निरीक्षण  
अर्जन रेज, भोपालअत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
मे, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ता ---तारीख 7-6-1982  
मोहर

प्रूरुप आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्बूधक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन धोव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश मं० आई.टी.एन.एस. (अर्जन)/2875—यत., मुझे,  
देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हाला गया है), को भारा  
269-घ के अधीन गठम प्राधिकारी को, यह विष्वाप वरने  
का लाभ है कि उग्रवर मानि जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० मकान स्थित है, तथा जो वाडे नं० 18  
मण्डी प्रगणगुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
के कार्यालय गुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के  
दर्तावधि में कमी करने पा उभयों व्यक्ति में सूचित  
के लिए; और/या

अमरुरुची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्ति में  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री गोपीलाल जैन पुत्र श्री श्रीलाल जैन निवासी  
मण्डी प्रागड़ गुना —(म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री धनकुनार पुत्र श्री गटू लाल जैन निवासी नई  
भड़क गुना (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मकान का भाग मण्डी प्रागण गुना स्थित है।

देवप्रिय पत्त  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखः 8-6-1982

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1 डा० बिमल कुमार पुन्न गोत्तीलाल निः० शीता  
परगता (म० प०)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269 प (1) के अधीन सूचना2 श्री कन्दनलालजी भारती पुन्न श्री गोत्तीलालजी  
निवासी चन्द्रेशी परगता मुगावली।

(प्रतिरिटि)

भारत सरकार

कार्यालय, महाध्यक्ष प्रायकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश म० आई० ग० मी०/अर्जन)/2676—यत मझे,  
देवप्रिय पत्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें  
इश्के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 24 वाँ न० 9 है, नथा जो कस्बा  
चन्द्रेशी परगता मुगावली में स्थित है (ओर इसमें उपाखड़  
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय मुगावली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3 अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बायद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;कस्बा चन्द्रेशी परगता मुगावली में स्थित भवन अमाल  
24 जो कि वाई न० ५ में स्थित है।देवप्रिय पत्त  
मक्षम प्राधिकारी,  
महाध्यक्ष प्रायकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेस्ज भोपालजग अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुमति  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मर्था—  
7-166GI/82तारीख 8-6-1982  
मोहर.

प्रस्तुप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/अर्जन/2677—यतः मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 119 है, तथा जो राधावल्लभ वार्ड, गाडरवारा  
में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाडरवारा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नारीब अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने दा उमर्ग बचन में भूमिका  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनरक्षण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

1. (1) श्री मनोहर लाल पुत्र हीरालाल।  
(2) श्री अरुणकुमरपुत्र हरीशंकर।  
(3) अनिल कुमार पुत्र जानकी प्रभाद।  
(4) श्री वाकूलाल पुत्र चंद्रभुज, निवासी जबलपुर  
काल 3 व 4 निवासी गाडरवारा।

(अलग)

2. श्री हेमनदाम पुत्र श्री परमराम मिधी।  
(2) श्री मोहनदाम पुत्र यामनदाम मिधी गाडरवारा  
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी बाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मैन रोड राधावल्लभ वार्ड गाडरवारा, जबलपुर में स्थित  
भूमि तथा मकान नम्बर 119।

देवप्रिय पन्त  
मकान प्राक्षिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन नंज, भोगाल

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रप्रभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीब . 9-6-1982  
माहर .

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश म ० आई० ए० मी०/अर्जन/2618—यन्: मुक्त  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म ० 119 है, तथा तथा जो राधावल्लभ वाड़  
में स्थित है (और इनमें उपावड़ ग्रन्तमूल्यी में और पूर्ण स्वप्न  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाडरवारा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और उक्तरक (अन्तरितों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मनोहरलाल पुत्र हीरा लाल।  
(2) श्री अरुण कुमार पुत्र हरीश्कर।  
(3) श्री अनिल कुमार पुत्र जानकी प्रसाद।  
(4) श्री वाम्बलाल पुत्र चर्तुभुज निवासी जबलपुर।  
क्रमांक 1 व 2 फ्र० 33.4 गाडरवारा म०  
प्र०।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हेमनदाम वल्द परम्पराम।  
(2) श्री मोहनदास वल्द मामनदास सिधी  
गाडरवारा, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक वार्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### लक्ष्य

राधावल्लभ वाड़, गाडरवारा स्थित मकान नं. 119  
तथा भूमि जिसमें वे भूमस अचल गम्भीर सम्मिलित हैं जिनका  
कि विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37जी में  
दिया गया है तथा जिसके कि अन्तरण से संबंधित डॉक्यूमेंट  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाडरवारा में अक्तूबर  
1981 में रजिस्ट्रेशन नम्बर 2861 के अन्तर्गत पंजीकृत  
हुआ था।

देवप्रिय पन्त  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-5-82  
मोहर :

प्रकल्प आई० टौ० हन० हन०—

पायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (मिसरेक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1982

निदाश स० आई० ए० स०० (अर्जन)/2679—ग्रंथ: मद्देन  
देवप्रिय पत्तप्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने  
का कारण है फि स्थावर ममति, जिनका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।आर जिसी स० मकान है, तथा जो शिन्देका छावनी गवालियर  
में स्थित है (आर हमसे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूरे मूल्य से  
वर्णित है), रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अवतूवर 1981को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्टमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का अन्तर  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तत्व  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
नियिका में वास्तविक रूप से हायि नहीं किया गया है—(क) प्रतिफल में दर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमों करने या उसमें बदले में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी रक्षी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;ग्रंथ: शब्द, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के बनुस्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम द्वारा 269-व की उपचाल (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री बनन्नराव पुत्र श्री तिम्बकराव निवासी छत्ती  
बाजार लक्ष्मण गवालियर।

(अन्तरक)

2. श्रो वेदप्रकाश शर्मा पुत्र रामप्रसाद शर्मा निं० तानसेन  
रोड़, गवालियर (म० प्र०)।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवंकालिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस पूर्वोक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हित-  
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित हैं,  
वहो अर्थ स्पृणा जो उप प्रधाय में दिया गया है।

मद्देन

ममति स्थित नी गजा गोड गिन्द की छावन। लाकर  
गवालियर (म० प्र०) नया वाई क्रमांक 6।देवप्रिय पत्त  
मध्यम प्राधिकारी  
गहाय, आयकर आयुक्त (निर्विधण)  
अर्जन रेज भापाल

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री गोपालदास पुत्र किशनदास निं० 5/ए ईदगाह  
हिल्स, भोपाल।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

मंगाल, दिनांक 8 जन 1982

निदण म० आई० ए० सी०/अर्जन/2680—यत्. मुद्रे  
दबाप्रिय पन्तआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थायक संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 -रु. से अधिक है  
आंग जिमठी म० प्लाट न० 4 है, तथा जो ईदगा हिल्स में  
स्थित है (प्रार इगमें उपायद्वय अनुमुदी में ग्रांट पूर्ण रूप से वर्णित)  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 19 अक्टूबर 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तवेश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तुविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—(अ) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

ईदगाह हिल्स भोपाल स्थित प्लाट न० ।।

(आ) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

दबाप्रिय पन्त

नथम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, एकत्र अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269- (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई, 1982

निर्देश सं 0 आई० प० स०० (अर्जन)/2606—यत मुझे  
देवप्रिय पन्तआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परिवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-व के अधीन एकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैश्रीर जिसकी सं ० खमरा नम्बर 607/1 है, तथा जो जय  
प्रतांग वार्ड मुवारा नटर्न में स्थित है (श्री इसमें डापावढ़  
अनुसूची में ग्राम पुर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कटर्नी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अर्धान तारांग्र 12 अक्टूबर 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के नियं अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का दारण है कि यथापुर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निर्मान-निर्दिश उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिश में वान्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—1. श्री रामनारायण पुत्र श्री विश्वनाथ डाग श्रीमती  
प्रेमबाई विधवा स्वर्गीय श्री विश्वनाथ डाग श्रीमती  
जयप्रकाश वाड मुडवारा (म० प्र०)।

(अन्तर्गत)

2. श्री रामसुन्दरदास पुत्र श्री गिवनाथ काठी निवासी  
जयप्रकाश वाड मुडवारा (म० प्र०)।

(अन्तर्गत)

क्वे मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
महत्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मृत्युभूमि

(क) अन्तरण से है किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूल्यांकिता  
है इन् इरुप०।(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, निपाने में  
सुविधा के लिए;

देवप्रिय पन्त

भग्नम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

तारीख 28-5-1982

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्ननिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट आइ. टी. एल. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महागव. आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन स्तर, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1982

निवेदन सं. श्राइ. ए. सी. (अर्जन)/2605--यतः  
मुझे देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जसकी संख्या नम्बर 607/1 है, तथा जो जयप्रकाश  
बाड़ी मुडवारा में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में  
अंग्रेजी पूर्ण स्पष्ट रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिवारी के कार्यालय  
कठनी में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, नं. रज. 12 अन्वत्वर 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चहूँ  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

देवप्रिय पत्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रज भोपाल

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जूरीत् ---

1. श्री रामनारायण पुल विश्वास द्वारा अधीती प्रेम बाई  
पत्नी स्व० विश्वास बदाई निवास। जयप्रकाश  
बाड़ी, मुडवारा (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. श्री मणिनाल पुल श्री रामगुन्दर काठे। निवासी  
जयप्रकाश बाड़ी मुडवारा --(म० प्र०)  
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कृपि भूमि नम्बर 607/1--0.583 है क्टेप्टर  
जा कि जयप्रकाश बाड़ी मुडवारा (म० प्र०) में स्थित है।

तारीख 28-5-1982  
मोहर

प्रकृष्ण प्राई० टी० एम० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कायोन्य सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1982

निर्देश स० आई० ए० गी० (अर्जन)/2607—यतः मुझे  
देवर्प्रिय पत्र,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी म० खसरा नम्बर 607/1 है, तथा जयप्रकाश  
वाडे मुडवारा में स्थित है (आंग छसमें उपावद्व अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी को व.यदिय  
कट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12 अक्टूबर 1991

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिशत के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम अधीन कर देने के भ्रम्भरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
ने निल; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के  
लिए।

अग्र: प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थातः:—

1. श्री रामनारायण पुत्र विश्वास द्वारा श्रीमती प्रेम बांधु  
विधवा श्री विश्वास द्वारा, निवासी, जयप्रकाश  
मुडवारा (म० प्र०)

(अन्तर्गत)

2. श्री हेमनाथ पुत्र रामसुन्दर काली निवासी, जयप्रकाश  
वाडे मुडवारा (ग० प०)

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी घटिकार्यों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
घटिकार्यों में जे किसी व्यावर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध वित्ती अन्य व्यक्तित्व द्वारा अधोगताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**जनसूची**

कृषि भूमि खसरा नम्बर 607/1 जो कि जयप्रकाश  
वाडे, मुडवारा, म० प्र० में स्थित है।

देवर्प्रिय पत्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 28-5-1982

मौद्रिक:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूत्तम (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक, 8 जून 1982

निदेश मं० ए०पी० नं० 3174—यतः मुझे जे०प्ल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुमूल्य में लिखा है तथा  
जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाखद में अनुमूल्य  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मा-  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा छकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मनजीत गिह पुत्र श्री कृष्ण राज,  
वासी मुमाप नगर,  
फगवाड़ा

(अन्तर्गत)

(2) सोहन सिंह पुत्र श्री अमर सिंह,  
और श्री अमर सिंह पुत्र श्री शेर सिंह  
वासी रानीपुर, तहसील फगवाड़ा,

(अन्तर्गत)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में नम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह नम्पति में हितवद्ध है )

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

म्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय 20-के में पर्याप्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

अनुमूल्यी

नम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेश्व नं० 1687 दिनांक  
अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में  
लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी;

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर,

तारीख . 8-6-1982

मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक, 8 जून 1982

निवेश मं. ए०पी० नं. 3175—यतः मुझे जै.०  
एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. मेर अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची मे लिखा है तथा  
जो फगवाड़ा मे स्थित है (और इससे उपर्युक्त मे अनुमती  
मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के  
कार्यालय फगवाड़ा मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेश से उक्त अन्तरण लिखित मे  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के दायित्व  
मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने मे संविधा  
के लिए [।]

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
मे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलब्ध (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) उनम जीत सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह,  
वासी मुभाष नगर,  
फगवाड़ा  
(अन्तरक)
- (2) मन्तोख सिंह, अवतार सिंह  
भपुत्र श्री अमर मिह वासी रातीपुर,  
तहमील फगवाड़ा,  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2 मे है।  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधियोग मे सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे हचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी  
जानना है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

मनसुखी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1629  
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फग-  
वाड़ा मे लिखा है।

जै.० एल० गिरधर,  
प्रधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रसूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालनधर

दिनांक, 8 जून, 1982

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3176—यत् मुझे ज०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-म के अधीन उक्त प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल में, ऐसे छयमान प्रतिफल का पञ्चवृह्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बाबत के दावित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उसकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, उसमें में सुविधा के लिए;

अब; उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जृता :—

(1) श्रीमती सुरता घड़े पन्नी श्री आर० एस० घड़े, वासी कोठी नं० 276, सेक्टर 37-ए० चंडीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) प्रीतम कौर पुत्री श्री ज्वाला मिह, वासी मकान नं० 6/64, नजदीक हैड पोस्ट आफिस जीरा,

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हव्वि रखता है )

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

टक्कत भग्नाल के अंक : ० सम्बन्ध में काइं भी गाझा।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3769 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

ज० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2;

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन., एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जालन्धर  
दिनांक 8 जून, 1982

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3177—यतः मुझे जे०एन०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो भिरकी बाजार फिरोजपुर में स्थिरत है (और इससे उपा-  
बद्ध में अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ग्रोम कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री बाबूलाल  
मल्होत्रा वासी बाजार राम सुख बास,  
फिरोजपुर

(अन्तरक)

(2) श्री मंसराज गुरु नानक आईस फैक्ट्री फिरोजपुर,  
द्वारा श्री खरेती लाल वासी सिरकी बाजार,  
फिरोजपुर,

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है और श्री पश्चा लाल  
वासी सिरकी बाजार, फिरोजपुर,  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4004  
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोज-  
पुर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक 8 जून, 1982

निर्देश सं० ए०पी० न० 3178—यत् मुझे जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो सिरकी बाजार फिरोजपुर में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख  
अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरना) प्रोर अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोरया

(ख) एसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्त्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाये में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कृष्ण कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री बाबू नाल मल्होत्रा  
बासी बाजार राम मुख दास,  
फिरोजपुर.

(अन्तरक)

(2) मैर्सर्ज गुरु नानक आईन फैक्ट्री,  
फिरोजपुर द्वारा श्रीमती केसरी देवी विधवा  
श्री चुम्पी नाल बासी मुहल्ला दुल्हनवाला,  
फिरोजपुर शहर.

(अन्तरक)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है और श्री पश्चा नाल  
बासी सिरकी बाजार, फिरोजपुर,

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयांशुं शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी ग्राहण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

**उपधोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथमांश 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रथमांश में दिया गया है।

**मुद्रात्मकी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4905  
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोज-  
पुर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : ९-६-१९८२

मोहर :

क्रम संख्या टी.एन.पृष्ठ 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक, 8 जून 1982

निर्देश सं. ए०पी० नं० 3179—यत् मुझे जै० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो अबोहर में स्थित है (अग्र इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में की करने या उसके बजाए में इनिशिए के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री हरमीत सिंह पुष्प श्री लाल सिंह  
वासी गली नं० 14-15,  
मन्डी अबोहर,

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र कृष्ण सलुजा पुत्र श्री पीरा लाल,  
वासी गांव कंध बाला अमरकोट,  
तहसील फाजिलका,

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में तम्हिं है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके अबोहर में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2645 दिनांक नवम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जै० एल० गिरधर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 8-6-1982

मंहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०-

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जानवर

दिनांक, 8 जून 1982

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3180—यतः मुझे जे० पा० ग्रामकर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सवाल प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रसिद्ध है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीरा में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं फिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेन ह अन्तरक के दायित्व में कमी हारते या रमसे बचने के मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा + लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रष्ठति:—

(1) श्री जय मुपाल पुत्र श्री मदा नन्द आग और मुजियार खास श्रीमती शकुन्तला देवी कैलास वनी मैना वामी दुकान कम फ्लेट नं० 3, मैक्टर 20-मी० नन्दीगढ़ (अन्तरक)

(2) कुलदीप सिंह आहलुवालिया पुत्र श्री डा० गुरचन सिंह और श्रीमती हरभजन कौर, पत्नी श्री कुलदीप सिंह, वासी मकान नं० 111/50 और नदा नं० 12/89 वार्ड नं० 12, जीरा, (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी आंशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों से जो किसी अवित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध जिसी अन्य अस्तिन द्वारा अधोहस्ताधरी राम विजित में फ़िर ना रहेंगे।

**स्थावरीकरण** :—इसर्व प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के अंतर्भूत विभिन्न विधियों वा विधायिक विधायावाले द्वारा विधायावाले द्वारा दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेश नं० 3722 दिनांक अक्तूबर, 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

जे० पा० ग्रामकर  
मकान अधिकारी  
महायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जानवर

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक, 8 जून 1982

निर्देश सं० ए०षी० न० 3181—यतः मुझे जे० ए०षी०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपांग अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के कार्यालय में  
कभी करने या उसमें वर्तने में समिक्षा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अन. अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

(1) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री बड़ मिह,  
फगवाड़ा जी० ए० आफ श्री महेंद्र मिह,  
पुत्र श्री गणेशवर मिह वामी 187,  
मिविल लाइन जालन्धर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्ना अग्रवाल पन्नी श्री ग्राह० ए०षी०  
प्रगवाल, वकील,  
२७०-सैट्रैक टाउन, जालन्धर,

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाइंस में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उससे स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिया गया किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त्त होंगा और उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मर्मान तथा व्यक्ति जैमा कि विनेक्ष न० 1840  
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी फग-  
वाड़ा में लिखा है।

जे० ए०षी० गिरधर  
मक्षम अधिकारी,  
मंत्रालय आयकर अधिकारी (नियोजन)  
प्रत्तिन रज, जालन्धर,

नामस्कर : 8-6-1982

मोहिर

प्रस्तुत बाहर, टी. एन. एस. -----

ग्रंथ संदर्भ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वा  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रबंधन रेत, ग्रंथालय

जानवर इनाम 8 जून 1982

निर्देश सं. १०४० नं. ३१९२-- यत मृत्यु जै० एन०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
में अधिक है।

श्री १५०८१ नं. १०४० जै० एन० गिरधर में लिखा है तथा  
जो हाँगियारपुर में लिया गया उक्त उपाय उपाय नुस्खी  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी  
के निम्नलिखित हाँगियारपुर में रजिस्ट्रीर्टा वाधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के पर्याय नार्यक अक्तूबर,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गण्ड है और मूँझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों गे उक्त अन्तरण नियित  
वास्तविक रूप में निर्धारित हो रिया गया।

लग्न में नई विधि प्राप्त की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन नहर देने के प्रत्यक्ष के वायित्र में  
गी इसे या उस वर्ष में सुविधा के लिए;  
और/या

(२) ऐसी किसी दूषक द्वारा विस्तीर्ण या अन्य आस्तियों  
द्वारा भारतीय आयकर अधिनियम, 1923  
(1923 नं. 11) या उक्त अधिनियम या  
प्रत्यक्ष प्रधिनियम, 1957 (1957 नं. 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
मर्तियां निया;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसन्धान  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की प्रधारा (1)  
के अधीन, निम्ननिखित वर्किन्सो, अर्थात्

—166GI/81

(1) सोहन लाल, वैद प्रकाश मुमुक्षु श्री; नावन चन्द्र,  
वासि प्रेमगढ़,  
होणिपारपुर, ।

(गन्ताक)

(2) प्रेमपाल मिह कुमारी मिह और देवेन्द्र मिह  
मुमुक्षु श्री, ग्राम मिह वासि, लज्जारा खुरद,  
तहसील, होणिपारपुर, ।

(पन्तरिनी)

(3) जैमा कि ऊपर नं. २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षता की जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करना अपना सम्पत्ति के प्रबंधन से लिए  
एवं वाहियों करता है।

उस सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्रोटोकॉल :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन तक भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
नियोगिता प्रत्यक्ष द्वारा अधीक्षता के पास  
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस सम्पत्ति  
के प्रश्नाय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रार्थी होगा जो उस प्रश्नाय में दिया गया।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3124  
दिनांक अक्तूबर, 1981 की रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी होणि-  
पारपुर में लिखा है।

जै० एन० गिरधर  
प्रत्यक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर (निरीक्षण)  
ग्रंजा रेज, जालन्धर

नामांक ९-६-१९८२

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजेत रेज नामधर

जालन्धर, दिनांक 9 जून 1982

निदेश सं. ए.पी.०-३१४३—यत मुझे जे० एन०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पात्रतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

ओर जिसकी सं. जैमा कि अनुमूल्य में लिखा है नथा जो  
भटिण्डा में स्थित है (ओर इसमें उपावड में अनुमूल्य में  
श्रीग पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नारीख प्रकृतवद, 1981,  
को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मध्ये दह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ओर अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पारा यथा प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
तिवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदले से मुदिधा  
के लिए; और/या

(ख) तेसी किसी आरा कि भन या ग्रन्थ आस्ति रो  
को, जिन्हे भारतीय अ-प-कर अधिनियम, 1922  
(1922 नं 11) गा उक्त अधिनियम, गा  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 2.)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् —

(1) बूज नाल पुत्र वरखा रिह ज सुरोत गोयल  
पुत्री श्रमण नाथ गोयल व गुदर्णग कुमार पुत्र  
सोनी राम माफन एम० एम० मुदर्णग कर्माना  
मठोर, कोट राज भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार आई अखिल कुमार,  
पुत्र मदन नाल व माफन पत्नी राजन सोनी,  
गली नं. 10, वीरी नाल, रोड, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के ग्रजेन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त मम्पति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस ग्रन्ति के राजनव म प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध  
किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, जो उष्णत  
अधिनियम के ग्रन्ति 20-क में विवरित है,  
वही अर्थ होगा, जो उपराग में दिया गया है।

### अनुसूची

समाप्ति 630 वर्गगज जोकि भटिण्डा में स्थित है तथा  
व्यक्ति जैमा कि विनेय नं 4542 दिनाव अक्टूबर 1981  
को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एन० गिरधर

संक्रम अधिकारी

गढ़ायक आयकर आयुका (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

तारीख: 9-6-1982

मोहर:

प्ररूप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश नं. प० ८० प० ३१८४—यत मुझे ज० ८० ८०  
गिरव्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि ग्राहवर गन्धीन, जिसका उच्चत बाजार मूल्य  
25,000 'रु. सं प्राप्त है

और जिसके म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा  
जालन्धर में स्थित है (आंग इसमें उपबद्ध अनुमती में  
प्रौढ़ पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालन्धर में 'जिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
(1908 वा 16) के अधीन, तरीके अवनुवार, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूँहे इह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायात्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामदुलार; पत्नी: हर्वंश लाल शर्मा वासी  
501-R-माडल टाउन, जलन्धर

(अन्तरक)

(2) कुमारी मलिक दीप पुर्वी श्री राजेन्द्र मिह,  
वासी: 52-रडियो कालानी, जलन्धर,

(अन्तरिता)

(3) जैग. कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके ग्राहिताकार में सम्पत्ति है)

(4) जा. व्यक्ति सम्पत्ति में हच रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल स 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थलोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति कोड़ी नं. 501-R, माडल टाउन में स्थित  
है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 942 में दिनांक अक्टूबर  
1981 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी जलन्धर ने लिखा है।

ज० एल० गिरधर,  
मकान अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जलन्धर,

तारीख: 10-6-1982

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन एस.-----

(1) र मडल र । नन् हवरम न । रम

वास; 501-प्रारंभ-माडल टाउन, जालन्धर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्र मुख्यमंत्री विह पुत्र श्री मुरीन पाठ मिह,

269-घ(1) के अधीन सूचना

वास; 52-रेडिटा कलान, जालन्धर

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

(3) जैमा कि ऊपर न० 2 मे लिखा है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

अर्जन रेज, जालन्धर

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे राज रखता है।

जालन्धर, दिनांक 10 जून 1982

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षर,

निवेश स० ए०पा० 3185—यन मुझ, ज० एल.

जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, 'यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है'

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सपत्ति के अर्जन के लिए लिखा है।

अगर जिसन, १० जैना कि अनुसूची मे लिखा है तथा जा जालन्धर मे स्थित है (प्रारंभ इससे उपावढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), निस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे निस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तरीख अक्टूबर, 1981 को पूर्वांक सपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और भर्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है।—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी जाक्षण --

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध दाद मे समात हाती है, के भीतर पूर्वांकित राकियों से निर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्थावरात्मक** —इसमे प्रथम शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, आरु/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए,

सम्पत्ति कोठी न० 501-प्रारंभ माडल टाउन मे स्थित है तथा व्यक्ति जैमा कि विनेख न० 4806 दिनाक अक्टूबर 1981 को निस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

ज० ए.ल.० गिरधर

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

अत, जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 10-6-1982

मोहर

प्रसूप बाईं. टौ. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश सं० ए०प्र० 3186—यतः मुझे, जे० ए०ल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषित प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सामित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र मलंग राम  
वासी अपाँ मोहल्ला बरनदार्ध रोड, जालन्धर,  
(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुर्जालिया दर्वा पत्नी लाजपत राय  
डब्ल्यू० स० 121, कुचा जैल गढ़ जालन्धर  
(अन्तरिता)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० डब्ल्यू० ३१२ जोकि अप्ली मोहल्ला में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4486 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रेटर अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० ए०ल० गिरधर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जून, 1982

निर्देश मा० ए०प० ३१८७—यत्। मुझे, जे० पा०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिपत्री मा० जैमा वि० अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची  
में ओर पूर्ण स्वप से वर्णित है) निःस्ट्रीवर्ती अधिकारी  
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नारीब नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उन्नतिरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दें के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त व्यावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान—

(1) श्री सोहन लाल पुत्र बसाउ राम बासी श्रीमी मोहल्ला,  
वरोङ्गथ रोड जालन्धर

(अन्तरिक्त)

(2) श्रामता कुशनिया देवी पत्नी लाजपत गय  
डब्ल्यू० सी० 121 कुचा जैल रोड, जालन्धर,  
(अन्तरिक्त)

(3) जैमा वि० ऊपर ना० 2 से लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जा० व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा गद्दता हो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा० कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्य  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित भौं किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मा० परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान ना० डब्ल्यू० डी० 312 जोकि श्रीमी  
मोहल्ला में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख ना०  
4904, नवम्बर, 1981 को निःस्ट्रीकर्ता अधिकारी जाल-  
धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
मध्यम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारात्र 10-6-1982

मोहरः

प्रसूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज जारीगा

जालधर, दिनांक 10 जन 1982

निर्देश मा० ए० पा० ३१८८—यत मुझे, जे० ए० ए०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु से अधिक है

आँग जिसकी मा० जैमा कि अनुमति में निक्षा है तथा  
जो जालधर में स्थित है (आँग हमें उपाख्य है अनुमति  
में श्री पूर्ण स्थ पृष्ठ में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिनियम  
के कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रेकर्गण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्रासी (अन्तर्रासियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,  
और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूप नाथ पुत्र बसाऊ राम  
रास, ग्रामी मोहल्ला, ब्राह्मण रोड, जालधर,  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बुर्गलिया देवी, पन्नी, लाजपत नगर इल्लू  
मा० १२१ बृंच, जैल गढ़ जालधर,  
(ग्रन्तिनी)

(3) जैमा कि जारा ना० २ में निखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अनियोग में सम्मान है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी  
जानता है वि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आश्रेप —

(क) इस मूल्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्पूर्वी व्यक्तियों पर सूचना  
की तापिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसृती

सम्पत्ति मकान ना० इल्लू० सा०-३१२ जोकि ग्रामी मोहल्ला  
में स्थित है तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख ना० ५००९  
दिनांक नवम्बर 1981 को रजिस्ट्रेकर्ट ग्रधिकारी जाल-  
धर ने लिखा है।

पा० गिरधर,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालधर

तारीख 10-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जून, 1982

निर्देश मं० ए०पी० 3189—यतः मुझे, जै० ए०प०  
गिर्धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि ग्राहक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीष्म जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीष्म छासे उपावड़ में अनुसूची  
में और पूर्ण स्वरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अ.त. गीता) के द्वारा एस ग्राहक को उत्तर नहीं पाया गया। अन्त-  
फल प्रतिविक्षित उन्द्रेश्य से उक्त अन्तरण निम्न रूप से अन्तर्विक  
रूप ग. कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाया (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कोहू चन्द्र पूर्व वसाहि नम,  
ग्राम सोहना, बराडरथ रोड, जालन्धर,  
(अन्तर्गत)

(2) जमरी कुगनि पा देवी; पत्नी लाजपत राय,  
ठुल्हो मं०-121, कुचि जैलगढ़, जालन्धर,  
(अन्तर्गत)

(3) जैगा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह लाजिन, जिसके प्रधिमों में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि अवात है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह नम्पति में हितवद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अवौद्दृश्याक्षरी न पास निश्चित  
में किए जा गएंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पृष्ठावित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० डिल्हू०टी० 312, जोकि  
ग्रीष्म माहला में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख  
नं० 6139 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रेशन  
अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जै० एल० गिर्धर,  
मन्त्री अधिकारी,  
ग्रामक आयकर धायकल (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10-6-1982

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निम्नीक्षण)

ग्रजन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 जून, 1982

निर्देश सं. प्राप्ति 3190 —यतः मुझे जै.० प्राप्त  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिनकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है  
तथा जो बड़ावा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), एजिस्ट्रेंस्टर्टा  
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में एजिस्ट्रीफरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए  
तो पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य मही लिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य यास्तियों  
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उचितारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् इ--

(1) लै.० वर्नल लल जी देवेन्द्र सिंह पुत्र गुरुदास मिह  
तामी खुला किंग तहमील जालंधर,

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुप्रताप मिह पुत्र कुलदीप सिंह,  
तामी गांव बड़ाला तहमील जालंधर,

(अन्तरकी)

(3) जैना कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदृस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के सिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ने अवैन के वंशय में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, और भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से  
किसी विनियोग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**इष्टीकार:**—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधाराय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हीना, जो उस अधाराय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्राम 11, कनाल जाहि गांव बड़ाला में स्थित  
है तथा अविक्षय जैना कि विनेश नं. 4608 दिनांक अक्टू-  
बर, 1981 को एजिस्ट्रेंस्टर्टा अधिकारी जालंधर ने लिखा  
है।

जै.० प्राप्ति गिरधर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निर क्षण)

ग्रजन रेंज, जालंधर

तिरंगा: 10-6-1982

मोहर.

## प्रस्तुप प्राइंटी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के पर्याय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 जून, 1982

निर्देश सं. ए०पी० 3191—यतः मुझे ज०ए०ल०, गिर-  
धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
भारा 269-व के पर्याय सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यावर व्यक्ति, जिसका उचित बाजार  
म्य 23,000/- श० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो बड़ाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध में अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981,  
श्रीरूपीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वोत्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान  
पतिष्ठल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक  
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रस्तरण के लिए तब फाया जाया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिलित में वास्तविक रूप से उचित  
मिया नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट मही किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा '1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) लै० कर्नल लाल जी देवेन्द्र मिह पुत्र श्री गुरदास  
सिंह वासी, खुरला किंगरा, तहसील जालन्धर,  
(अन्तरक)

(2) श्री गुहप्रताप पुत्र श्री कुलदीप मिह,  
वासी, गांव बड़ाला, तहसील जालन्धर,  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां बरता दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर व्यक्ति में  
हितबद्ध किसी पर्याय व्यक्ति द्वारा, यांत्रोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में 15 आ अकेंगे

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के प्रयाय 20-व में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रयाय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 11 कनाल जोकि गांव बड़ाला में स्थित  
है तथा अवधि जैसा कि विलेख नं० 4666 दिनांक अक्टूबर,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

ज० ए० ए० गिरधर,  
सकाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 10-6-1982

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट टॉप प्रॉप्रिएटर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प्र० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश सं० ए०पी० - 3192—यतः मुझे जे० ए८०  
गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प्र० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

ओँ जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
वडाला से स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
आगे पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरीरतीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र० के, अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र० की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ल० कनेन लाल जौ देवेन्द्र सिंह पुत्र गुरुदास सिंह,  
वार्मा गांव खुरला, किंगरा, तहसील जालंधर  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरुप्रताप सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह,  
वासं गांव वडाला तहसील जालंधर,  
(अन्तरित)

(3) जसा जौ ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभास में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में दूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरं  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 11 वानाल जौ गांव वडाला में स्थित  
है, तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4756 दिनांक अक्टू-  
बर, 1981 को रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी जालंधर ने लिखा  
है।

जे० ए८० गिरधर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर।

तारीख : 10--6--1982

मोहर :

प्रस्तुप माइं.टी.एन.एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश सं १०८०३१९३—यमः मुझे, जे० ए० ए० गिरधर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो बड़ाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तराय अक्तूबर, 1981  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रति फ्ल के लिए अन्तीरत की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कर्त्तव्यत नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई कियी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अ-  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन् या बन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भं-  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

(1) लै कर्नेल लाल जो दाविन्द्र सिंह पुर श्री गुरदास सिंह  
वासी, खुरला किंग० (गाँड़न कालोनी) जालंधर  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रताप सिंह पुर श्री कुलदीप सिंह,  
वासी गांव बड़ाला, तहसील, जालंधर, ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वामी रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्परवर्धी व्यक्तियों पर  
मूल्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 10 कनाल 11 मरला जो कि गांव बड़ाला  
में स्थित है तथा जेसा कि व्यक्ति विलेख नं० 4766 दिनांक  
अक्तूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 10-6-1982  
मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश सं० प००१० 3194—यतः मुझे, जो० एन० गिरधर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' भी गया है), सीधा भारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उनित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो मानसा में रिप्ट है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टरेटर अधिदौर्त वे  
कार्यालय मानसा में रजिस्टर करण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981,  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अनुसृत की गई है प्रौढ़ मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि प्रयाद्वारा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरग के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य ने उक्त अन्तरग लिखा में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारताय आपकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरिन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह बासी,  
गांव बाजेवाला, तहसील मानसा जिला भटिणा।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र मिह पुत्र हीरा सिंह,  
जसविन्द्र मिह पुत्र श्री इन्द्र सिंह श्रीमती जलकौर,  
पत्नी इन्द्र मिह व जमबीर कौर पुत्री इन्द्र सिंह,  
बासी करार बाला, तहसील फुल, जिला भटिणा।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त अन्वयों के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकॅप: -

(5) इस उचित के अन्तराल प्रकाश की तारीख से  
45 दिन ती अवधि या नन्मवर्द्धी व्यक्तियों पर  
सूचना नी तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्येक द्वारा प्रधाहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही  
प्रयं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति माननं० डब्ल्यू०-३/एच०-१०१ जो कि बाटर  
घरसे रोड, मानसा में स्थित है सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख  
नं० 4171 दिनांक दिसम्बर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-  
कारी मानसा ने लिखा है।

जो० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 10-6-1982  
मोहर:

प्रृष्ठा आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय उद्योग आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश नं० 3195—यथः मुझे जे० पी० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पहल विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा तथा जो फगवाडा में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

(क) अस्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बास्तरण के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-प्रनार्थ अन्तर्दिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाइए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब; जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरषपाल सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, वासी, मुहल्ला सतनाम पुरा, फगवाडा ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश रानी पुत्री श्री मुसख राज वासी कपुरथला ।  
(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत किए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में छोड़ भी प्रावेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूल्यांकी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट पद्धों का, जो उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त प्रव्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1762 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है ।

जे० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 11-6-1982

मोदूर :

प्रॅलप आई.टी.एन.एस. -----

अकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश नं० ए०पी० सं० 3196—यतः मुझे, जे० ए८०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जियको सं० जैमा कि अनुभूति में लिखा है। तथा  
जो जालंधर में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद में अनुभूति  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981.  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हड़ किसी आय की व्यवस्था, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों  
को, जिहु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः ऊब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति:—

(1) श्री नरेन्द्र पाल सिंह, पुत्र ज्ञान सिंह,  
व ज्ञान सिंह पुत्र श्री भगत सिंह जी एम०  
वालवज अड्डा वस्तियां बाजार बांसा वाला  
जालंधर। (अन्तरक)

(2) मौ० जनरल हार्ड वेयर प्राइवेट लिमिटेड बाजार  
केसरी जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मन्त्रसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री इमारत खमरा नं० 9955, 9956,  
9957, 9960, 9961, 9962 बोक्या लम्मा  
पिंड जालंधर में स्थित है। तथा व्यक्ति जैमा  
कि विलेख नं० 4816 दिनांक अक्टूबर, 1981 का रजिस्ट्री  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे० ए८० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 14-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुप अर्थ.टॉ.एन.एस.-----

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश मं. ए०प०-३१९७—यतः मुझे ए० जे० एल०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पावत 'उक्त अधीनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालंधर में स्थित है (ग्रोर इसमें उपावड़ में अनुसूची  
में और पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
कर्प से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधीनियम, 1957 (1957 नं. 7)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री अमरवंत निह पुत्र वा हाजार कीर विधवा  
लेख मिह मर्फा मुख्तयरे आम दरनाम निह  
न्यू रेलव रोड जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र पाल निह खुख्विंदर मिह पूत्र बलोह मिह  
263-भोन, निह नगर जालंधर

(अन्तर्नी)

(3) जैसा कि ऊरनं 2 में तिथा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच रखता है।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद नहै)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहै भी आश्वेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
इही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान न्यू रेलव रोड जालंधर में स्थित है।  
तथा व्यक्ति जैसा कि लिखा नं 4418 दिनांक अक्टूबर,  
1981 में रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे० एन० गिरधर,  
मन्त्रम प्रधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख . 14-6-1982  
मोहर

प्रसूप आइ. टी. एन. एस. -----  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयवान (निरीक्षण)

ग्रंथालय, निवास

जालंधर, दिनांक 11 जून 1982

निवेदन सं. 3199—यन्त्र: ममि, जे० एन० गिरधर,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपावढ़ में अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, वारीब अक्तूबर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच  
ऐसे अन्तरण के लिए या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहिए  
नहीं हिया गया है।

(क) अन्तरण 1 द्वारा किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य  
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
प्रत्यक्ष प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
प्रधा १ लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-166 GI/82

(1) जपवंत कौर विवास बलमोहन सिंह मुख्यारे  
आम श्री गुरुबखस रिह 516 माडल टाउन  
जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रति मिह बनगा पुत्र हर्षीत मिह 516  
गण० माडल टाउन जालंधर।

(अन्तर्गत)

(3) जैंगा कि ऊर न० २ में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके तरे भ अधोहस्ताक्षरी  
गणता है कि वह नगाँत गं हितबढ़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
घर्ष होगा, जो उन अध्याय में हिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति कोठा न० 449 आर० (हिमा) माडल टाउन  
जालंधर स्थित है। तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4545  
दिनांक अक्तूबर 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने  
लिखा है।

जे० गन० गिरधर,  
मध्यम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथालय, निवास

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गुरुबालू सिंह पुत्र श्री पेन मिह  
516 माडल टाउन जालंधर।

(न.पा.ट.)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० ए०पी० 3198—यतः मुझे, जे० एल०  
गिरधर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रेशन करण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल की तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद भी कमी करने या उसमें बदलने में सांख्या  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या दिया जाता चाहिए। इसमें स-  
मूच्या के लिए;(1) श्री गुरुबालू सिंह पुत्र श्री पेन मिह  
516 माडल टाउन जालंधर।

(न.पा.ट.)

(2) श्री बनजीत एच० सिंह विधवा श्री हरप्रीत मिह  
516 एल० माडल टाउन जालंधर।

(अन्तर्गतः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० में दो लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में मन्त्र रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर  
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गमनिकोठी नं० 449 आर० (हिम्मा) माडल टाउन  
जालंधर में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०  
५४८७ दिनांक अक्टूबर, 1981 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालंधर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रैंड जैन, जालंधर,

तारीखः 14-6-1982

संहारः

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ।—।

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० ए० प० न० 3200—यतः मुझे, ज० ए० न०  
गिरधर,  
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैव, कि अनुसूची में निखा है। तथा  
जो नकोदर में स्थित है (और इससे उगाबढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
नय नकोदर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरक से हूई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में  
समी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और आ

(ख) ऐसा किसी आय या किसी रूप या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
का प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, जैव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री तारथ राम पुत्र श्री दुर्गा दास वासी नकोदर।  
(अन्तरक)

(2) श्री रघु पाल सिंह, भगवन्त सिंह, सपुत्र श्री अंजीत सिंह,  
वासी, नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदृस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए आर्याद्वाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविकायों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप:—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
धर्थे दुर्गा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैव, कि विलेख नं० 2074  
दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर  
में लिखा है।

ज० ए० ए० गिरधर,  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 14-6-1982

मंदिर:

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.—

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज. जालधर

जालधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० ए०पा० नं० 3201—यतः मुझे, जे० ए० ए०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैगा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो कोटकपुरा में स्थित है (आ० इसमें उपावद्ध में  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), गजिस्ट्रोकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में गजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

मा०, अप्र०, उक्त अधिनियम, जी. ना० 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लप्ताग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आ० सिंह पुत्र श्री सुन्दर मिह नजदीक नया  
दुर्गा मन्दिर व न्यू बस स्टेशन कोटकपुरा जिला  
फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) थो हर्ष मन्दर सिंह पुत्र श्री मुख्तायार मिह  
जैत रोड, कोटकपुरा जिला फरीदकोट।

(अन्तर्भूत)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जा व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह भम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 32 कनाल एक मरला बाक्या कोटवा-  
पुरा नया व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3091 दिनांक अक्टू-  
बर, 1981 को गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने  
लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज. जालधर

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालधर

जालधर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश मं० प० प०० मं० 3202—यतः मुझे, जै० एल०  
गिरधर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में लिखा है  
तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपावड़े  
अनुसूची में आर प०००८ में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के उत्तराधिकारी फरीदकोट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधान, नारोख दिसम्बर,  
1981को गूर्वोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथागूर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिक्ती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ता अधिनियम के अधीन त. देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बौद्धि/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 1957 अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सौचाहा  
के लिए;अत. अब, उक्त बोधीनयम, का धारा 269-ग के अनुरूप  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त हूँ।(1) श्रीमती मायादेवा विधवा नानक चन्द महेश्वरी  
स्ट्रीट, शास्त्री माकिट, कोटकपुरा, जिला फरी-  
दकोट।  
(अन्तरेक)(2) श्री हरदीप सिंह पुब मलकीयत सिंह थासी  
फरीदकोट गोड न्यू फॉकल पोइंट कोटकपुरा  
जिला फरीदकोट।  
(अन्तरित।)(3) जैमा कि उपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके श्रद्धार्थी में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, श्रीराजा 32 कनाल कोटकपुरा तथा व्यक्ति  
जैसा कि विलेख न० 3632 दिनांक दिसम्बर 1981 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।जै० एल० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
पर्नपुर रेज, जालधर

तारीखः 14-6-1982

गोहर :

प्रसूप प्राइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालधर

जालधर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश स० ए० पी० 3203—यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-प के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवादों करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो कोटपुगा में स्थित है (और इसमें उपावड़ में अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विवादों करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य ये उक्त अन्तरण नियिन में वास्तविक रूप न कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मायादेवी विधवा नानक चन्द्र सन नारायण, माहेश्वरी स्ट्रीट शास्त्री मार्किट कोटकपुरा लिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री सुन्दर मिह वासी, फरीदकोट रोड, न्यू कोकन पवाइंट कोटकपुरा लिला फरीदकोट।

(3) जैमा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राख रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सांदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो वो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ दियों अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रतोरा राखरी ने आग लियिन में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंद्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय ये दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 32 कनाल कोटकपुगा में स्थित है।  
तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख न० 3766 दिनांक दिसम्बर,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

जे० एन० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रैर्ग रेज, जालधर

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जानवर

जानवर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश गो. पा. नं. नं. 3204-यत/मुझे, जे. गव. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो भटिणा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ में अनुसूची  
में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित लद्दूदेश से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में किसी करने या छापने या सूचिभा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छापने से  
भविधा के लिए;

(1) श्री राजकुमार पुत्र रमेशन वासी सदर बाजा  
भटिणा।

(गन्तव्य)

(2) श्री गमद्वय मिह पुत्र जनोर मिह वासी भटिणा।  
(अन्तर्गती)

(3) जैमा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभेद में सम्पत्ति है)

(1) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जाना है या वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रबंधीकरण :—**—इसमें प्रबंध सब्डों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1 बो० 19-बो० जो भटिणा में स्थित है।  
तथा व्यक्ति जैमा कि विनेक नं. 4604 दिनांक अक्टूबर,  
1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा है।

जे० गव. गिरधर,

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेंज, जानवर

तारीख : 14-6-1982

गोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, लाभीत है—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. +-----

आयगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर  
जालन्धर, दिनांक 14 जून 1982

निवेश नं० ३००८० नं० ३२०५—यतः मुझे जे० एन० [गिरधर  
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिंडा में  
स्थित है (और इसमें उपाध्य भूमि अनुसूची में और पूर्ण स्पृ  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भठिंडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सूचिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश पुन आनन राम बासी सदर बाजार  
बठिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री गमदूर भिह, रिकार भिह वगंध। पुन जनोर गाह  
वासी बठिंडा। (अन्तरक)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह लालिं, जिसके  
अधिकारी गमदूर है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रारजी 3 बी, 15 बी जो बठिंडा में स्थित है तथा  
व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4524 दिनांक अक्टूबर 81 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बठिंडा में लिखा है।

जे० एन० गिरधर  
पक्षम प्राधिकारी,  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 14-6-82

मोहर :

प्रकृष्ट बाई० दी० एल० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

प्रारंभ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं० ए० पी० नं० 3206—यतः मुझे जो० एल० गिरधर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के प्रधीन सकार आयकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैमा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भट्ठा में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्ठा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपकार बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बंतरीती (बंतरीकरणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरेश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की मात्रत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

असः वब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

12—166 GI/82

1. श्री सोहन लाल पुत्र बलौरी राम  
मुक्तियार सनेह लता वासी सदर बाजार भट्ठा। (अन्तरक)
2. श्री गमदूर सिंह वर्गीरा पुत्राण जनौर सिंह  
वासी भट्ठा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के पर्जन के  
लिए जारीबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1B 17 ;/2B जो भट्ठा में स्थित है तथा  
व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4796 दिनांक अक्टूबर 81 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्ठा में लिखा है।

जै० एल० गिरधर

मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-6-82

मोहर :

प्रस्तुप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3207—यतः मुझे जै० ए०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भट्ठा में स्थित है (और इससे उपायद्रु अनुसूची  
में और पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय भट्ठा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विषयात्  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि के  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बदने में सूक्ष्मा के लिए;  
और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तयों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्ष्मा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी भट्ठा  
(अन्तरक)

(2) श्री परम जीत सिंह पुत्र चानन सिंह वासी राम-  
सारा ईकबाल सिंह पुत्र चन्द सिंह वासी बंगी  
रुलदू हरिन्दर सिंह पुत्र गुरुबचन सिंह वासी  
बंगी रुबाला और नवासिंह पुत्र जमायत सिंह  
वायी मड़ी संगत वाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए  
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीह से  
45 विन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीह से  
45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति अराजी 3 बी भट्ठा में स्थित है तथा व्यक्ति  
जैसा कि विलेख नं० 4913 अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी भट्ठा में लिखा गया है।

जै० ए० ए० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर,

तारीख : 14-6-1982  
मोहर :

प्र० श्री आइ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

**269-व(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं० ए०पी० 3208—यतः मुझे जे० ए०ल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो भट्ठिंडा में स्थित है (और इससे उपावल्ल अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भट्ठिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतर्रत की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरौ किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

- (1) श्री जगरूप ईसह पुत्र समपुरन ईसह बासों भाट्ठिंडा,  
(अन्तरक)  
(2) श्री चान्द सिंह एण्ड नायब सिंह पुत्र चान्द मिह  
बासी गांव रामसरान जिला बठिंडा।  
(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति अराजी 3 वी OB भट्ठिंडा में स्थित है तथा व्यक्ति  
जैसा कि विलेख नं० 4914 दिनांक अक्टूबर, 1981 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में लिखा है।

जे० ए०ल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीखः 14-6-1982

मोहरः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १...-

प्रसूप बाहौद. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज जालंधर  
जालंधर, दिनांक 14 जून 1982

निदेश सं० ए०पी० नं० 3209—यतः, मुझे, जै० ए८०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाखद में अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य भास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेहर सिंह पुत्र श्री पृथी सिंह द्वारा बाबू सिंह  
पुत्र (पृथी सिंह वासी हीरा सिंह नगर कोटकपूरा  
जिला फरीदकोट)।

(अन्तरक)

(2) शिवशंकर दास पुत्र लेखीराम वासी श्री घर्सीटामल,  
गली कोटकपूरा व शांती देवी पत्नी सावन राम  
द्वारा गुरुनानक टेंट हाउस कोटकपूरा व हरू। श्री कुमार  
पुत्र तरशेम नाथ वासी प्रेम अस्ती संग्रहर व  
रमेश कुमार पुत्र बतराम द्वारा मगत राम अग्रवाल  
देलाकोन एक्सचेन्ज कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपरनं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उम्बरध में कोइ भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रारजी 3 कनाल 16 मरले जो कोटकपूरा  
में स्थित है, जैसा कि विलेख नं० 2960 दिनांक अक्टू-  
बर, 1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा  
है।

जै० ए८० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 14-6-1982

मोहर :

प्रमुख प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जून 1982

निदेश सं० ए०पी० 3210—यतः, मुझे, जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृद्धि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
मौर्या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री पूरनबल व  
रहीश लाल पूरन बल वासी डब्ल्यू० ३००-३२५,  
बरेडेरथ रोड जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीसिंह प्रमार पुन श्री तेजा सिंह प्रमार  
वासी सदर फगवाड़ा, रोड, जालंधर केट।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति हिस्सा कोडी नं० ३००-३२५ बरेडेरथ  
रोड, जालंधर जैसा कि विलेख नं० 4564 दिनांक  
अक्टूबर, 1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने  
लिखा है।

जे० एल० गिरधर,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जून, 1982

निदेश सं० ए०पी० नं० 3211-यतः, मुझे, जे० ए०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो जालंधर में स्थित है (आंदर इसमें उपाखण्ड में अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरीती  
(अंतरीतियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी एक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जगमोहन सिंह सरबजीत सिंह पुत्र व जमवत कौर  
विधवा गंगा सिंह डल्लू० जी० 326 श्रुडा  
बस्तीयां जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम मल्होत्रा पत्नी अमरजीत वासी  
डल्लू० ई० 27, श्री मोहल्ला जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9 जोकि जालंधर में स्थित है। जैसा कि  
विलेख नं० 4717 दिनांक अक्टूबर, 1981 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे० ए० गिरधर  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 15-6-1982  
मोहर:

प्रकृष्ट आई. टी. प्रेस. -----

(1) श्री महेन्द्र काकुराम शर्मा और 5  
मुभापचन्द्र बोस रोड, ठाणे ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुमेन हाजी सुलेमान और 5,  
34 नाखुदा स्ट्रीट, बांबे ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-पूना 411004

पूना-411004 दिनांक, 14 जून 1982

निर्देश सं. आर० ए०सी०/सी०प०५/ए०ग्रार० ठाणे/  
अक्तू०/81/ 719/ 82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्र-  
वाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० नं० 13 हिस्सा नं० 4 है तथा  
जो मैंने कौसा ता० जि० ठाणे में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाणे में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
वादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपभाग (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यालयीकृत करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण ६—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

खेती की जमीन जो सर्वे नं० 13, हिस्सा नं० 4 मैंने  
कौसा, ता० जि० ठाणे में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख 990 जो अक्तूबर, 1981  
को दुय्यम निबंधक ठाणे के दफ्तर में लिखा हुआ है ।)

आर० के० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना ।

तारीख: 14-6-82

माहूड़ :

प्रस्तुप आदृ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री महेन्द्र काकुराम शर्मा और ५, स्टेशन रोड ठाणे,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) इब्राहिम हाजी सुलेमान और ५,  
34 नाखुदा स्ट्रीट बाम्बे- 400003।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० आर०ए०सी०/सी०ए० ५/एस०आर०ठाणे/अक्तूबर  
४१/७२०/८२-८३—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 13 हिस्सा नं० 4 है तथा  
जो मौजे कौसा तांजिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दियम निबंधक ठाणे में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारंख

अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने इह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में धार्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

खेती की जमीन जो एस० नं० 13 हिस्सा नं० 4 है  
मौजे कौसा, ता० जिला ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 991 जो अक्तूबर  
1981 को दुयम निबंधक ठाणे के दफ्तर में लिखा हुआ  
है।)

आर० के० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 14-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० आय० ए०सी०/सी०ए० 5/एस०आर०  
कल्याण/अक्तूबर, 1981/721/82-83—यतः मुझे, आर०  
के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' लिहा गया है) कि धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 112 ए०/१ है तथा जो डोंविवली  
ता० कल्याण जिला ठाणे में स्थित है (और इससे  
उपावड्ढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निवधंक कल्याण में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नान्वित उद्देश्य न उठन अन्तरग लिरा प्राप्ति, वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में ही किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

13—166GI/82

(1) श्री हुसेनभाई अली भाई खोजा  
देंभी नाका, धोबी आलो ठाणे,

(अन्तरक)

(2) श्री गंगाजी कुवरजी मतांग  
रुम नं० 12,  
सावंत सदन,  
आंबेडकर रोड, मुंबई (प०)  
वाम्बे-4000080.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सं० नं० 112 ए०/१ डोंविवली  
ता० कल्याण जिला ठाणे में स्थित हैं।

(जसे कि रजिस्ट्रीबुट विलेख नं० 1636 जो अक्तूबर,  
1981 को दुर्घम निवधंक कल्याण के दफ्तर में लिखा  
हुआ है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 14-6-1982

मोहर:

प्र० श्रूप आई. टी. एन. एस. —————

ज्ञानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पूना,

पूना दिनांक 14 जून 1982

निर्देश म० आय० ए००८०/मी००४० ५/एम०क०वी०/अक्त००  
१९८१/७२२/८२-८३—अत मुझे, आर० के० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमम्  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-  
घ के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर मंपाल्य जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक, <sup>१</sup>

ओर जिसका स० गट न० 762 है तथा जो विलेख ने रखी  
ता० कर्वीर जिला कोल्हापुर मे स्थित है (ओर इसमे  
उपावढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्री-  
रती प्राधिकारी के कार्यालय दुर्यम निवधक वर्वीर मे  
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्तूबर, 1981.

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मे हूँ<sup>२</sup> किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मे  
कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान मे मुद्दिधा  
के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री नानू उम्राविंश जगदांश  
दामगाव ता० कर्वीर  
जिला० कोल्हापुर

(अन्तरक)

(2) श्री मदाणिव दादासाहेब पाटील  
गधा शिवाजी हाऊसिंग सोसायटी,  
१३वी० लेन, राजारामपुरी,  
कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोइ भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हृत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

### मनुसूची

खेती की जमीन जो गट न० 762, नेरली ता० कर्वीर,  
जिला कोल्हापुर मे स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 3594 जा अक्तूबर,  
1981 का दुर्यम निवधक वर्वीर के दफतर मे निखा  
हआ है।)

प्रार० न० अग्रवाल,  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 14-6-1982  
मोहर।

प्रस्तुप आई. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ पूना

पूना-411004 दिनांक 14 जून 1982

निःशेष स० आई० ए०- मी०/सी० ए०५/एस० आर०  
कल्याण/आक्टो० 8।। 723 82-83—यत् मुझे आर० के०  
अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास वरन का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म० एम० न० 14 हिस्सा न० 1 (हिस्सा)  
है तथा जो विनेज डोम्बीवली में स्थित है (आंग इससे उपावड़  
अनुभूची में श्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क  
कार्यालय कल्याण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में  
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1 श्री वेदप्रकाश एस० मेहता पंडित दिमदयाल मार्ग  
विष्णुनगर डोम्बिवली (प०) जि० ठाणे ।  
(अन्तरक)

2 श्री लक्ष्मण ग० दुबे और दूसरे, 83-डी, गुरु  
नानक सोसायटी कोपरी कालीनी, ठाणे (प०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रार्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन जो स० न० 19, हिस्सा न० 1 (भाग) विलेज  
डोम्बिवली ता० कल्याण, जि० ठाणे में स्थित है

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेज न० 1302 जो अक्टूबर 8  
को दुय्यम निबध्नक कल्याण के दफ्तर में लिखा हुआ है)

आर० के० अग्रवाल  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, पूना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 14-6-1982  
मोहर

प्र० श्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना-41004

पुना-411004, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/सी० ए० न० एस० आर० पनवेल/अक्तूबर 81/724/82-83—यत् मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् '34वां अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन अभ्यास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- होने वा अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० न० 377 म्युनिसिपल हाउस न० 577 है तथा जो उरण ता० पनवेल जिला रायगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबंधक पनवेल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिर अन्तरित हो गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् नामिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल हा० यद्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररू (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदै लिसा आय हा० वा० आयकर आय नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाहिर में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आमन्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 लि 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 लि 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रलट नहो लिया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-नियम, में, तक। प्राधिनियम को भाग 269-घ की उपषारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमनिकलाल परमानंद दाम सर्वथा उरण, ता० पनवेल जि० रायगढ़।

(अन्तरक)

2. मिसेजी मीरा पाठुरंग लिमये, उरण, ता० पनवेल, जि० रायगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके प्रबोचन नामांचि के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त नामांचि के अंजन न मन्दाव में कोई दो श्राक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधादम्नाशरी के रास लिखित में फिर जा जानेगे।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधि. नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सी० एस० न० 377 म्युनिसिपल हाउस न० 577, उरण ता० पनवेल जि० रायगढ़ में स्थित है।  
(जैसे की रजिस्ट्रीकूल विलेख न० 517 जो अक्तूबर 1981 को दुष्यम निबंधक पनवेल के दफ्तर में लिखा हुआ है)।

आर० के० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहगंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश स० प्राई० ए० स०/स०० प० 5/एम० आ००  
हवेली 11/अक्टूबर 81/725/82-ए०—यह मुझ प्रार० के०  
अग्रवालआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इस हृष्टान 'उक्त प्रधिनियम' महा पाया है), को धारा 269-व  
के अंतरामन रायितारों को उत्तिवाप दिया का लाभ है। कृ  
स्थावर सम्बन्ध जिसका उचित गारा वूला 25,000/- रुपये  
से अधिक है।और जिसकी स० एम० न० 41-ए-6-1बी और एम० न० 41बी-7-1सी है तथा जो बोपोडी पुणे-3 में स्थित हैं (आँग  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट म वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम सिवधक हवेली-  
म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबरपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अतिरिक्त को गई है यीर मुझे गढ़ विधास करने का कारण त  
कि गणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल पे, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का फैद्रह प्रतिशत प्रधिक है  
और अन्तररा (अन्तरकों) और प्रनारिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरण के निए चारा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य व उक्त अन्तरण निवित म वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया या है—(क) प्रत्यरण मे हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधि-  
नियम के ग्राहन कर इन अन्तरक के दायित्व म  
कमी करने या उभग बचा त सुविधा के लिए;  
और(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
व प्रगोजनार्थ न्तारता द्वारा प्राप्त नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान  
म सुविधा के लिए;कहा जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 व वार्ता उपवाग (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —1 श्री नामदेव पाण्डुरेंग बहारट, और दमरे 107  
बोपोडी, पुणे-3।

(अन्तरक)

2 श्री पी० नगद्वा चेन्नारमन मनवे कोआप० हार्डिंग  
सोमायादी लिमिटेड, महादव पांक, किरकी, पुणे-  
411003।

(अन्तरिती)

लो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क  
निए क ये शाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेपः—

(क) इस गूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख म 45  
दिन की अवधि या नतम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद मे  
मधान होती हो, न भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे  
मे किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्तरी के पान लिखित मे  
किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम ने अन्याय 20-के परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अन्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो एम० न० 41-ए-6-1बी और  
7-1सी०, जो बोपोडी पुणे-3 मे स्थित है।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5563 जो अक्टूबर  
1981 को दुष्यम निवंधक हवेली-II के दफतर मे लिखा हुआ  
है)।प्रार० के० अग्रवाल  
गक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 14-6-1982

मांहूर:

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज पुना-411004

पुना-411004, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश मा० आई० गा० मी०/मी० ए० 5/ए० आर०-  
वमई/अक्तूबर 81/726/82-83—यत मुझे, आरा० के०  
अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सा० ए० ना० 63 हिस्मा ना० 1 है तथा जो  
विलेज सातिवली ता० पा० वसई जि० ठाणे मे० स्थित है (आर  
इसमे० उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप गे० वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक वमई मे०, रजिस्ट्री-  
करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की रही है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत मे० अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे० वास्तविक रूप से कीर्थित नही० किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के  
दायित्व मे० कभी करने या उससे बचने मे० सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे०  
सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण  
मे०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 श्री विनायक गोविद चौधरी वम्बाई ता० पो०  
वसई जि० ठाणे।

(अन्तरक)

2 श्री वसत गणेश वर्तक आ० 5 तारखेड पो० ता०  
वसई जि० ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यालया शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध मे० कर्ता भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से०  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से० 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे० समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से०  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
मे० दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो ए० ना० 63, हिस्मा ना० 1 विनेज मार्तिवली  
ता० पो० वसई, जि० ठाणे मे० स्थित है।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेज ना० 1115 जो अक्तूबर  
1981 को दुय्यम निबंधक वमई के दफ्तर मे० लिखा हुआ है।)

आरा० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख 14-6-82  
मोहर :

त्रिपथ याई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 14 जून 1982

निरेश सं० आई० ए० मी०/मी० ए०५ ए० आर०  
वसई/अक्तूबर-81/727/82-83—यतः मुझे, आरा० के०

अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
इसमें इसों पदावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० ए० नं० 62 है तथा जो सातिवली ता०  
वसई जिं० ठाणे में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दृश्यम निवेदक वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व  
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्त-  
विक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(अ) प्रस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रान्तियों  
वो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या प्राप्तिया जाना चाहिए था, जिसने में भूषिता  
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, सूचना अधिनियम की धारा 269-ए की उपशाखा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्री विनायक गोविंद जौधरी वरमार्द, (काल्पन बद्रुक)

पो० ना० वसई जिं० ठाणे।

(अन्नरक)

2. श्री गणेश वर्णक और 5 तारखें—पो० ना०

वसई जिं० ठाणे।

(अन्नरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी आवाप :—

(क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्धनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में ममात्र होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
वास लिखित में किए आ सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो ए० नं० 62 विलेज सातिवली ता० वसई<sup>०</sup>  
जिं० ठाणे में स्थित है। )

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 1114 जो अक्तूबर  
1981 को दृश्यम निवेदक वसई के दफतर में लिखा हुआ है। )

आरा० के० अग्रवाल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख 14-6-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मई 1982

निर्देश म ० आई० प० सी०/गी० ए०-५/एम० आर०  
मावक/ अक्तूबर ८१/६९८/८२-८३—यतः मुझे, आर० के०  
अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी नं० एम० न० ९७/१×२ है तथा जो विलेख  
कुल्हे (नाने मावक) ना० मावक जि० पुणे में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निवधक मावक में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्तूबर 1981

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रनि-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हड्ड किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन दर दर्ने के अन्तरक क  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रतिधि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

1 गणमानी परिया डेव्हलमेंट कार्पोरेशन पार्टनर श्री  
गणराव घोडिवा बेडगे और 2 तकेगांव दामाई  
ना० मात्र के जि० पुणे।

(अन्तर्गत)

2 हैपी लैनी कार्पोरेशन पार्टनर्स

- (1) श्री नरेन्द्र मिहं जी मर्नसिहं जी बृजामभा
- (2) डा० शामराव कलमाडी।
- (3) मिसेम सुनीता योगेंद्र निवेदी
- (4) मवैलाल में
- (5) मिसेम बी० आर० पटेल मी/ओ पूना  
काथी हाऊस 1250 जे० एम० रोड  
पुणे-411004।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय हैरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
जी तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों भी से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहेस्साक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो एम० न० ९७/१×२ विलेख कुल्हे (नाने  
मावक) ना० मावक, जि० पुणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1737 अक्तूबर 1981  
को दृश्यम निवधक मावक के दफ्तर में लिखा हुआ है: )

ग्राम के० अग्रवाल  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निश्चयण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 31-५-१९८२  
मोहर-

प्रस्तुत आदृत टी.एन.एस.-----

1. श्री पट्टबिरामन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री गवर्नराज़।

(गवर्नराज़)

## आयकर विभाग

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रासा

मद्रासा, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं 9527—यत् मुझे, आरो पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 142 और 144 है, जो  
के० अविशेषक्षुरम दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 568/81) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

यह सूचना जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आयकर—

(क) इस सूचना के द्वायत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिये द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वाया अपाहस्ताकरी के पाय  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के धार्यात्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन्य वा अन्य जास्तियों  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिखने में  
सुविधा के लिए;

## मृदृश्य

भूमि और निर्माण—टी० एम० सं० 142 और (144,  
के अविशेषक्षुरम दिल्ली ।  
(डाकुमेंट सं० 518/81)।

आरो पी० पिल्लै  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन नं० 2, मद्रासा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

14—166 GI/82

तारीख: 14-6-1982

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइवेट टी० एस०

१. श्री गणपात्र अम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ज रोड 2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं 9527—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी० एस० 142 और 144 के अबिशेक-  
पुरम है, जो दिनी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूचि में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ट्रिची (डाक्यमेंट सं 566/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर

1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम को अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सहाया के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मूल्य  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के गमनन्य में कोहृ श्री आशोगे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारीख गे 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसची

भूमि और निर्माण—टी० एस० 142 और 144, के  
अबिशेकपुरम, ट्रिची।

(डाक्यमेंट सं 566/81)

आर० पी० पिल्लै  
मकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड 2, मद्रास

तारीख: 14-6-1982

रुप हर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

1. श्री विसालाकशी और अदरस।

(अन्तरक)

2. श्री मोटारस और सरविसस (पि०) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269प(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मंत्रालय

मंद्रालय, दिनांक 14 जून 1982

निर्धेंश सं० 11706—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प्र० वे अधीन सम्म प्राप्तिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि स्वास्थ्य सम्पत्ति, जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 126 है, जो उठुमलपेट (डाकुमेट सं० 2957/81) में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उठुमलपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अनुसन्धान की गई है और मुझे यह विषयात् करने का कारण है कि उपावड़का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का अन्तर है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) बातें से अनुसरण के लिए तय पारा गया प्रतिक्रिया निम्नानुसित उल्लेख से उचित अस्तरण लिया जैसे वासाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हूई किसी आय को बाबत उचित प्राप्तियम के अधीन कर देने वे अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सार्वस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

### मनूसूची

भूमि —टी० एस० 126, उठुमलपेट (डाकुमेट सं० 2957/81)

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, मंत्रालय

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को भारा 269प(1) की उपावड़ा (1) के अधीन, निम्नानुसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 14-6-1982  
मोहर:

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री राजलक्ष्मी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मलरमशं।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० 9527—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० टी० एस० सं० 142 और 144 के० अधीशेक-  
पुरम है, जो द्वितीय में स्थित है (आँग इससे उपावढ़ अनुसुचि  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय द्वितीय (डाकुमेंट सं० 569/81) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधन:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दन्त के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

भूमि और निर्माण --टी० एस० सं० 142 और 144,  
के० अधीशेकपुरम द्वितीय।  
(डाकुमेंट सं० 569/81)

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविवा  
के लिए;

आर० पी० पिल्लै  
म क्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अधिसिः---

नारीखः 14-6-1982  
गोहर :]

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री आर० तियागराजन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मलर भग्न।

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं 9527—यह मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० टी० एम० 142 और 114 है, जो के०  
अपिशेकपुरम टिक्की मे० स्थित हैं (और इसमे० उपाबद्ध  
मे० और पूर्ण स्पष्ट वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
टिक्की (डाकुमेट सं 567/81) मे० भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीब  
अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रूप से उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे० एम० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरक) और अतारिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित लद्दाशेग मे० उक्त अन्तरण सिद्धि मे० वास्तविक  
रूप मे० कीथित नही० किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर० किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-एर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे०  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यबाहियों करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोइ० भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मे० किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण.**—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० परिभासित हैं, वही अर्थ होगा.  
जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

**मन्त्रसूची**

भूमि और निर्माण—टी० एम० म० 142 और 144,  
के अपिशेकपुरम, टिक्की (डाकुमेट सं 567/81)।

प्रार० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास।

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण  
मे०, मै०, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 14-6-82

मोहर:

प्रख्यूम् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून 1982

सं० 57/अक्टूबर/81—यतः मुझे, एस० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन मध्यम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 147, तिरुवोरटीयूर है, जो हाई रोड, टोडीआर पेट, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में उपावद्ध और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय गोपापुरम मद्रास रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्टूबर 1981 को पूर्वोक्त वंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने मैंने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं लिखा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स एस० आर० वाई ओथ वरधाराजे सवरी  
(अन्तरक)

2 श्रीमती सरोजनी सीलन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

(मूमि और निर्माण-147, तिरुवोरटीयूर हाई रोड, मद्रास डाकुमेंट सं० 1640/81)

एस० लहिरी  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 15-6-82

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर विभाग (नियंत्रण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं 0 आर० ए० सी० 33-82-83—यत. मुद्रे,  
एम० जगन्नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 11) इस उम्मीद  
इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 घ के अन्तर्गत अधिकारी को छत्र विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं 1/128 है, जो सररनगर गांव आर० आर०  
जिला में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
पुरब में भारतीय रजिस्टरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वांकित सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके हृष्यमान प्रतिफल से ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
नायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नरूप व्यक्तिया, अर्थात् —

1. (1) श्री ए० सीरामलू पुत्र चद्रयया।
- (2) श्री अनन्या पुत्र नारायण।
- (3) श्री यादगिरी पुत्र कोल्यया।
- (4) श्री नरसिंहा पुत्र मन्त्र्या इन्हिम पट्टनम।
- (5) श्री ए० जग रेड्डी पुत्र राम रेड्डी, तुरखागुडा  
में रहते हैं।

(6) श्री श्री० दिल रेड्डी पुत्र नारायण रेड्डी अधिकारी  
गाव।

(7) श्री ग० गर्भगन पुत्र नरसिंह।

(8) श्री व० अनन्या पुत्र आउय्या इन्हिम पट्टनम।

(9) श्री ए० लक्ष्मीनरारायण पुत्र रामचन्द्रय्या,  
कर्नाटकगुडा।

(10) वी० किश्तय्या पुत्र वीरभद्रा, आगरपट्टि।

(11) श्री गेंदोट्टपा पुत्र मल्लापा जागल गाव।

(12) श्री प्रब्लुल हफीज, दबीर पुरा हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(1) हालकुडी शिवालिगांगा पुल गिर रामपाठ।

(2) श्री शानकुडे अणाक कुमार।

(3) श्री टोलकुडे प्रवीन कुमार पुत्र शिवालिगांगा।

(4) आंमे, कालापा पुत्र वीरभद्रापा।

(5) श्री आंसे, जगन्नाथ।

(6) श्री ओमें लिंगपा पुत्र कालमणा धर न०  
4-1-80 हनुमान टेकड़ी में रहते हैं।  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस गच्छना के गतिपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टोकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्रमिसेस नं 1/128 मर्वे न० 33 विस्तीर्ण 3500  
चतुर्बाही मर्लर नगर गाव आर० आर० जिला जैसे की रजिस्ट्री-  
क्यून विलेख न० 7672/९१ निम्नरूप अधिकारी हैदराबाद  
परम।

ए० जगन्नाथन

मक्षम प्रांधिकारी

मक्षम आग्रह आयकर आयकर (निरक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-6-1982

मोहर

प्रस्तुप नाइर.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमति के० यरलक्ष्मी घर नं० 7-1-621/257,  
एस० आर० नगर, हैदराबाद।

(अन्नारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्णय सं० आर० ए० मी० 34/82-83—यत्. मुम्, एम०  
जगन्नमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० 7-1-621/257 है, जो एम० आर० नगर  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खैरताबाद, अक्टूबर 81 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981  
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त भम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की व्यवस्था कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

जन्मसूची

घर नं० 7-1-621-257, मंजीवरेडी नगर, हैदराबाद  
में विस्तीर्ण 600 चतुर्गज जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
2066/82, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी खैरताबाद में है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

एम० जगन्नमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
संसाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की अपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

1. श्री मंगिरगे नरसम्पा पुन्र वीरसा, घर नं० 6-17-  
161, गुरुभावाडी निजामाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 35/82-83;—यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो कंटेश्वर, निजामाबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) हें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

क्यों यह सूचना आरी करके पर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता :

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की समिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधेष्टाक्षरी के पास  
तिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं। वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन 2 एकड़ सर्वे नं० 166 कंटेश्वर में गिरिराज  
कालेज के बाजू, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकृत संख्या नं०  
5006/81 सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निजामाबाद।

एम जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अध्यकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपेक्षा (1)  
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
15—166 GJ/82

तारीख: 8-6-1982

मोहर :

प्रसूप बाहर्. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 36/82-83—यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो कटेश्वर, निजामाबाद  
स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्लयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्या  
के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अंगीरा पेढा वीरेंद्र पिता शन्करना, मकान नं०  
6-17-162 गुर्जरवाडी, निजामाबाद।  
(अन्तरक)

2. दि० पंचायत राज टॉचर्स को-आपरेटिव हॉटसिंग  
सोमाइटी लिमिटेड, टॉ० जे० नं० 784, सेक्टरी :  
जी० वी० आनिवासरेटा०, गिनरि बिल्डिंग्स, मुम्बाई  
नगर, निजामाबाद-503002।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमान विस्तृत 1 एकड़ 12 1/2 गुंटास सर्वे नं० 141,  
कटेश्वर निजामाबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5004/81  
रजिस्ट्री कार्य सहायक अधिकारी, निजामाबाद।

तारीख: 8-6-82  
मोहर

एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. —————

1. श्रीनंती नायकवाणी लक्ष्मी भई पत्नी सायमा, अरसपल्ली  
गांव, निजामाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

2. दि पंचायत राज टॉवर्स कोओपरेटिव होर्सिंग सोसायटी  
लिमिटेड, टी० जे० नं० 784 सेक्टरी : जी०  
वी० श्रीनिवास रेहु 6-5-7, गिनार बिल्डिंग्स  
सुभास नगर, निजामाबाद-503002।

(अन्तरिक्त)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निरेश सं० आर० ए० सौ० 37/82-83—यतः मुझे एम०  
जेगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमान है, जो कटेप्पर, निजामाबाद स्थित  
है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1981को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्राप्तिपाल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उम्मल दृश्यमान प्रतिनिलिपि में एम दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बांतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिकृत  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;जमीन विस्तीर्ण 2 एकड़ सर्वे नं० 140/ए, परिचम  
कटेप्पर, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकृत संख्या नं० 5005/81  
सहायक रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी, निजामाबाद।एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख: 8-6-82  
मोदूर:अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसूचण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन लिखित अधिकारी, भर्ति ॥

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 38/82-83—यसः भुक्त  
एम० जेगनमोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तृत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसके सं० जर्मीन है, जो कटेश्वर, निजामाबाद में स्थित है (ओर इसके उत्तरांतर भूमि से ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बन्सुरण में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अंगर्गे पेढ़ा वीरेन्द्र पुष्प शंखना मकान नं० 7-17-

162. गर्बा बाड़ी निजामाबाद।

(अन्तरक)

2. दिपचायत राज टोकरी को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड टी० जे० नं० 784 सेकेटरी : जी० वी० श्रीनिवासन 6-5-7, गिरीर बिल्डिंग्स, सुभाष नगर निजामाबाद-503002।

(मन्तरित.)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित-वहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

अमीन विस्तीर्ण 1 ए सी एप्ल 13/4 गुदा सर्वे नं० 140/ए ए कटेश्वर, निजामाबाद में रजिस्ट्रीड्रूस संख्या नं० 5003/82 (5003/81) सहायक रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी निजामाबाद।

एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8 जून 1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं० श्वार० ए० सो० नं० 39/82-83—यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष  
में प्रधीन सकाम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
लगए से अधिक है

और जिसकी सं० 16-2-853 है, जो सईदाबाद, हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में श्री और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजामपुरा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तरंख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित भी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पछले प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अनारकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरग लिखित में  
वाह्यविश्व रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
वा किया जाना चाहिए था छिपाके में सुविधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ष के भनुपरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के  
प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कलीमनिनस्ता बेगम, पत्नी मोहम्मद शहीदुद्दीर  
हैदर, मालान नं० 94, मदरस पत्नी गाँव, राजेन्द्रनगर  
तालुका, शार० शार० जिला।

(अन्तरक)

2. श्री सयद गंजियूद्दीर पुत्र फ़कुरुद्दीन, मकान नं०  
17-3-117, याकुतपुरा के बाहर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोव्यस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों रूप, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो  
अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 16-2-853 सईदाबाद, हैदराबाद में जमीन  
विस्तरीण 640 चतुर्गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3771/81,  
रजिस्ट्रीकृत सहायक अधिकारी अजाम पुरा, हैदराबाद में।

एम० जेगनमोहन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

तारोख : 8-6-1982  
मोहर :

प्रस्तुत काहौँ डी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश सं. आर० य० सी० नं. 40/82-83—

यह: मुझे एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1-6-92/13 है, जो महबूबनगर में स्थित  
है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय महबूबनगर में भारतीय  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती के० लावन्या कुमारी पत्नी के० कृष्ण राव  
मकान नं. 1-6-92/13, बोयनपल्ली गेट महबूबनगर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री मदनलाल अग्रवाल पुत्र जगदीश पेशादि  
अग्रवाल, मकान नं. 2-1-9 रिचर रोड  
महबूबनगर (4-1-10/बी०/9/1)। तिलक  
रोड, हैदराबाद।

(2) श्री किशनलाल पिट्टी पुत्र घनशामदासजी  
पिट्टी, मकान नं. 15-7 325, बेगम  
बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जनसूची

मकान नं. 1-6-92/13, बोयनपल्ली रेल गेट रोड,  
महबूबनगर में जैसे कि जमीन घिस्तीण 444.4 चतुर्गज  
रजिस्ट्रीकृत संख्या० 3328/81, सहायक रजिस्ट्रो कार्य अधिकारी,  
महबूब नगर में।

एम० जेगनमोहन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 8-6-82

मोहू

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. आर० ग० मी० नं. 41/82-83—यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 15-1-406, 407 है, जो फीलखाना हैदराबाद-  
में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दलमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दलमान प्रतिफल से, ऐसे दलमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्रिती (अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमिलयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगजार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अवतार जेहां बेगम श्री टी० नागराजन  
5 एडिशनल जज सी० सी० सो० हैदराबाद द्वारा  
मकान नं० 15-1-406 फीलखाना, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री शेक हमन मोहियुद्दीन (मोहियुद्दीन खां)

मकान नं० 15-1-406, 407 फीलखाना हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या संसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताभारी  
के पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15-1-406, 407 फीलखाना, हैदराबाद  
विस्तीर्ण 638 अनुरुज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1163/81  
सहायक रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी, दूदबौली।

एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-6-1982  
मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. आरा० ए० सी० नं० 42/82-83—यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जिरा की जमीन है, जो लिम्लिगिरी गाव  
सिकिन्द्रा बाद में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरंग (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण ये लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० एस० कृपावरम पिता जी० एत० पुश्पोत्तम,  
मबाबने स्वाजी जमीन (वक्षिण आफिका) तुम्मा  
रामस्वामी द्वारा पिता टी० ए० नरसद्य, मकान नं०  
4-3-234 से 236, बांद खान स्ट्रीट पुराना  
बोहिंडु, सिकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. जै० भारत को आपरेटिंग हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
टी० ए० बी० न० 383 के० हनुमन्तराजु के द्वारा  
41 गांधी नगर (6-6-462/2), सिकिन्द्राबाद-  
500003।

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधारप्रयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सद्वधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहसाक्षरी वा  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जिरा की जमीन विस्तीर्ण 1 एकड 8 1/2 गुन्डा सर्वे  
न० (पुराना : 17) नई 18 तिलमलगिरि गांव सिकिन्द्राबाद  
में रजिस्ट्रीकृत संलग्न न० 2925/81 सहायक रजिस्ट्रीकार्य  
अधिकारी मारेडपल्ली, सिकिन्द्राबाद।

एम० जेगनमोहन  
संथम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आययुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 9-6-1982

मोहर :

प्रसूप आहू.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. आर० प० मी० नं. 43/82-83—यत  
मुझे, एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिस कि सं. जीरा की जमीन है, जो निम्नलिखित मिक्न्ड्रा-  
बाद में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण  
स्वप्न में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
कष्ट से कठित नहीं किया गया है;--

(क) अन्तरण से हूँ कि कोई आय की वादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्चिका  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिनने में  
मूर्चिका के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

16—166GI/82

1. श्री जी० वसन्त जयकुमार पिता जी० एस०  
पुरुषोराम, ममान नं. 39 वेस्टापुरग गांव,  
ग्रामपाल, मिक्न्ड्राबाद टी० तुम्ही म्वामी  
पिता टी० बग्गवा द्वारा मकान नं. 4-9-234 मे  
236 चावडान स्ट्रीट, पुरना बोर्डिंग, मिक्न्ड्रा-  
बाद।

(अन्तरक)

2. जै भारत कोआपरेटिंग हार्डसिग मोसायटी लिमिटेड,  
टी० ए० बी० नं. 383, प्रेसिडेंट श्री हनुमंतराजु  
द्वारा 41 बी० गांधी नगर (6-6-462/2),  
मिक्न्ड्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जीरा की जमीन विस्तीर्ण 1 एकड 5 गडा सर्वे नं.  
पुरना 17 नया नं. 18 निम्नलिखित गांव, मिक्न्ड्राबाद  
में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2928/81 महायक रजिस्ट्री-  
कार्य अधिकारी मारेडपल्ली द्वारा।

एम० जेगनमोहन  
मक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 9-6-82

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश मा० आरा० ए० सी० ना० 44/82-83—यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० जीग की जमीन है, जो तिस्मलगिरि गांव  
सिकिन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दर्शमान प्रतिफल से, एसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(वन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़े किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या विस्तीर्ण धन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में  
भविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पी० वरलक्ष्मी पती श्री हनुमन्तराव।  
(2) श्रीमती जमूना पती एम० भागराज।  
(3) कुमारी पी० प्रेमा पिता हनुमन्तराव।  
(4) श्रीमती उषा पती मंलवरगांज जी० एम०  
श्री एस० एन० कुमार पिता के० आदम द्वारा,  
6-6-46272, गांधी नगर, मिकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. जै० भारत को आपगेटिव हार्डसिग सोमायटी लिमिटेड  
टी० ए० बी० न० 383 प्रेसिडेंट के० हनुमन्तराजु  
द्वारा 41 बी० गांधी नगर, (6-6-462/2),  
सिकिन्द्राबाद-500003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांश्च भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जीग जमीन विस्तीर्ण 1 एकड़ 7 गुंटा सर्वे न० पुराना  
न० 17 भाग और नया न० 18 निस्मलगिरि गांव, मिकिन्द्राबाद  
में रजिस्ट्रीकृत सब्जा न० 2930/81 सहायक रजिस्ट्री-  
कार्यालय अधिकारी मारेडपल्ली, मिकिन्द्राबाद।

एम० जेगनमोहन  
मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तार द्व 9-6-1982

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश म० आर० ए० सी० न० 45/82-83—यत्. मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी म० जीर्ण की जमीन है, जो तिरुमलगिरि गांव मिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(अ) अन्तरण से दूई किमा आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् —

1 श्रीमती साराह डी० सैमन पती डॉक्टर जे० थी० सैमन मकान न० 8-3-89/92 ठन्नर स्ट्रीट, सिकिन्दराबाद तुम्मा स्वामी पिता नरसंग्घा द्वारा मकान न० 4-3-234 से 236 चाद खान स्ट्रीट पुराना बोर्डिंगूड्स, सिकिन्दराबाद।

(अन्तरक)

2 जै० भारत कोशिपरेटिव हाऊसिंग सोमायटी 41-बी० गांधी नगर मिकन्दराबाद-500003।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्षिय द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के राम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीर्ण की जमीन विस्तीर्ण 1 एकड़ 5 गुन्टा सर्वे न० पुरानी न० 17 भाग और नया न० 18 तिरुमलगिरि गांव सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीक्युल विलेख न० 2851/81 रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी मारेडपल्ली मिकन्दराबाद।

एम० जेगनमोहन  
सक्रम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-6-1982

गोहर:

प्रह्लाद प्राइंटी० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

सं० ग्राह० घ०० सी० न० 46/82-83.—यत्. मुझे, एम०  
जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक

और जिसकी सं० जीरा की जमीन है, जो तिलमलगिरी गाँव भिकिन्द्रा बाद में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1961।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पासे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने ही किसी आय को वापत उक्त अधिनियम के प्रभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० आर० मनोहर, पती, ए० एम० मनोहर, मकान नं० 8-3-82 इय्याल्लो स्ट्रीट, सिकिन्दर बाद, तुम्ही स्वामी पिता, नरसद्या वारा, मकान नं० 4-3-234 में 236 चांद खान स्ट्रीट पुराना बोईगुडा, सिकिन्दराबाद-500003।

(अन्तरक)

2. जै भारत कोआपरेटिव हौसिंग मोसाही लिमिटेड टी० ए० बी० न० 383, प्रेसिडेंस: हतुमन्तराजु द्वारा, 41 गांधी नगर (6-6-462/2) सिकिन्दराबाद-500003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरा की जमीन विस्तीर्ण 1 एकर 5 गुंटा भवें न० पुरानी न० 17 आर० नई न० 18 तिलमलगिरी गांव, सिकिन्दराबाद रजिस्ट्रीकूत संख्या न० 2843/81 रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी मारेडपल्ली, सिकिन्दराबाद।

एम० जेगनमोहन,  
मकान प्राधिकारी (निरीक्षण)  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-6-1982

मोहन:

स्पष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, ग़ा़ब्बाख आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ५ जून, 1982

मं० आर० ये० मा० न० ४/८२-८३:—यत मुझे  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीर सन्तान, जिनका उचित बाजार मूल्य  
25 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० ४-१-४४७ में ९५३ है, जो मुन्द्र एस्टेट,  
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्णस्थित से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यां गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अंकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में की करने या उससे बषने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अर्थात् अर्थात् :—

1. (1) श्री तेज बहादुर दुबे, पिता : पंडित सुन्दरलाल दुबे

(2) श्री हार्ष दुबे, पिता : शिव स्वरूप दुबे

19-२-४२२. फैले दर्वाजा : हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल गफार हाजी शुकुर, पिता : हाजी शुकुर  
22-७-५१६, पुराना हवेली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ज्ञातेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

पहली मंजिल मुनिस्पल नं० ४-१-९४७, सुन्दर एस्टेट  
मेंट्रो एस्टेट के ऊपर महात्मा गांधी रोड हैदराबाद में विस्तीर्ण  
2583 चतुर्गज रजिस्ट्रीकूट संख्या नं०, 5890/81, रजिस्ट्री  
कार्यालय अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : ९-६-८२

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

व्यापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून, 1982

सं० आर० ये० सी० न० 48/82-83:-यतः मुझे, एम०  
जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-831/3 है, जो भेदभावनम्  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अकन्तूबर, 1981

का पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भारतीय विश्वास  
करने का कारण है कि ग्राहपूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हूँ दिक्षी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः :--

1. (1) श्री बालकृष्ण राव पिता: गंगाधर राव,  
शान्ति नगर, (2) श्रीमती के० रामानुजम्मा,  
पति गंगाधर राव, विशाखापत्तनम (3) श्री सैमूनारायन  
राव पिता: गंगाधर राव, शान्ति नगर, हैदराबाद  
(4) के० केशवराव, सिकिन्दराबाद (5) के० वेंकटेश्वर  
राव, विश्वोरिया क्रिमेट इगमोर, मद्रास (6) के०  
रामचन्द्रराव, अशोक बिहार, बन्जारा हिल्स,  
हैदराबाद, (7) श्रीमती एम० मनोरमा,  
पति: एम० रघुनाथराव, हैदराबाद, (8) श्रीमती  
एम० कमलकुमारि, पति: अलग्सगरिराव,  
हैदराबाद (9) श्रीमति के० ललिता पति:  
किशन मूर्ति, मनतनगर, हैदराबाद, (10) श्रीमती  
बी० मत्यवती, पति: बी० वेंकटेश्वर राव, विशाखा-  
पत्तनम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीमती अन्जुम, पति: असिफ पाशा, पता  
12-2-831, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन, के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

बन्सूची

न० 25/एम-4 एम० ए० जे० ट्रैन, और 12-2-831  
विस्तीर्ण 749.05 चतुर्थ भेदभावनम, हैदराबाद में,  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5959/81, रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी  
हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-6-82

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून, 1982

सं० आर० य० सी० न० 49/82-83—यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन समाप्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 1-2-365/4 है, जो दोमलगडा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपांचल अनुसूची में ग्रीन पूर्ण मूल्य  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन प्रकृत्युक्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नतिवित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निखित में बास्तविक  
रूप में कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उसका  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए और/या

मुक्तसूची

(ख) एमी किमी आय या किमी घन या अन्य ग्रास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय अन्तरक प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना गाहिंग या छिपाने से  
मुक्त नहीं है,

मल्टी एम० न० 1-2-365/4, दोमलगडा, हैदराबाद  
विस्तीर्ण 660 चतुर्ंज रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6033/81,  
रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अस्ति:—

तारीख: 9-6-82  
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. पन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 9 जून, 1982

सं. आर० य० सं० नं० 50/82-83:—यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जीरा की जमीन है, जो तोकटा गांव  
मिकिन्दशबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में आई;  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,  
मारेडफल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अस्तुवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारीतयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः :—

1. श्री डॉ अशोक रेडी, पिता: व० पुल्ला रेडी, पना  
1-12-195 नामवन्द, मिकिन्दशबाद।

(अन्तरक)

2. डिं मंजुवया नगर दो अपरेटिव हॉमिंग सोसाइटी  
चिमिटेड रजिस्ट्रीटेड व०० म० ५५ आर० आर०  
प्रिला, ए० पि० प्रेमिङेट: प०० जयप्रकाश रेडी,  
पिता: अनन्तरेडी, न० १-१०-१७०, बोहनपल्ली,  
मिकिन्दशबाद।

(अन्तर्गती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या नन्मन्नी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममुसूची

जीरा की जमीन विस्तीर्ण 14 गुंआ सर्वों नं० 132 तोकटा  
गांव, मिकिन्दशबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2959/81,  
रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी, मारेडफल्ली, मिकिन्दशबाद।

०८० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
महाप्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

तारीखः ९-६-८२

मोहरः

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती चन्द्राकृति बाई, पति: शिवनारायण पता :  
5 वेरमे लेन, मिकिन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्त रेंज, हैदराबाद।

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1982

सं० आर० य० म० न० 51/82-83:-यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० जीरा की जर्मान है, जो तोकटा गांव  
मिकिन्दराबाद में स्थित है (ओर हमें उपावद्ध अनुभूति में  
ओर पूर्ण स्पष्ट भवित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मारेड पल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1981।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्वयित की गई है और भूके यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;2. यदि संजीवन्या नगा ना प्राप्तित्र ही विलिंग  
मोमाइट्ट, रजिस्ट्रे नं० 55 आर० आर० जिला आन्ध्र  
प्रदेश प्रेसिडेंसी पौ० जयप्रकाश नेही, पिना : ग्रन्त  
रेस्ट, 1-10-170, बोइलरलेन, मिकिन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यालयीय करना है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के भंडार में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुभूति

जीरा की जर्मान विर्तीर्ण 2437 जतुर्गंज सर्व० सं०  
157/1, तोकटा गांव, मिकिन्दराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख  
में, 2006/81, रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी, मारेड पल्ली,  
मिकिन्दराबाद, में।एम० जेगनमोहन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्त रेंज, हैदराबादनारोख : 9-6-82  
मोद्दूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन .रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

मं. आरा० य० सी० न० 52/82-83 ---यत. मुझे  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो मुशीराबाद हैदराबाद मैं स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मैं भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अनुबंध, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
मैं कमी करने या उससे बचने मैं सुविधा के लिए;  
और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर्यन्त  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उम्मीद (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री एम० एस० भाग्यनगर बिल्डर्स, बी० शामस्वामी  
द्वारा 1-1-79 आरा० टी० सी० क्रास रोड, हैदराबाद  
(20) 8-2-402, रोड न० 5, अन्नाराहिल्स,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर सी० अशोक, पिता : श्री राम नरसिंहम्,  
श्री के० लक्ष्मी नरसिंहम् द्वारा, मकान न० 8/3  
आरा० टी० बरकतपुरा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मैं कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मैं हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मैं किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मैं परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मैं दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट ब्लाक न० 2 मैं पहला मंजिल 1-1-79 मुशीराबाद  
आरा० टी० सी० क्रास रोड, हैदराबाद मैं वित्तीण 1170  
चर्टफीट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5887/81 रजिस्ट्रीकृत  
कार्यालय अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 15-6-82  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

मेरा आरा ये० सी० नं० 53/80-83:-—प्रतः मुझे  
जेगनमोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो मुश्तीश्वाद हैदराबाद में स्थित  
है (और इसमें उपावड्ड अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अनुदान, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के लियमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वथाप्तोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यगान प्रतिफल भी, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरनक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अनुदान लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अनुदान से हैरू किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आंसूस्तयों  
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रदा, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व की अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

.. श्री एम० एम० भाग्यनगर बिल्डर्स, वी० रामस्वामी,  
द्वारा 1-1-79, आर० टै० सी० कास रोड, हैदराबाद  
20 8-2-402, रोड नं० 5, अन्जाराहिल्स, हैदर बाद।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० डब्ल्यू० तिलक, पिता : वामन  
नारायणन दिलक,  
(2) श्री एस० शार्वा तिलक, पिता : वामन तिलक  
सुपरिन्टेंडिंग इंजीनियर, वि सिगरेन कालोरीस का०  
लिमिटेड, गोदावरि खनि, पोष्ट, कर्मनगर, आन्ध्र  
प्रदेश-505209।

(अन्तरिता)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, वे अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
नहीं प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग्यनगर बिल्डर्स में प्लाट नं० 1-1-79, मुश्तीश्वाद, आर०  
टै० सी० कास रोड, विसीर्ण 1179 चर्टफीट रजिस्ट्रीशन  
विलेख नं०, 6079/81 रजिस्ट्रीशन कार्यालय अधिकारी  
हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 15-6-82  
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जून, 1982

सं० आर० य० स० न० 54/82-83--यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ज्ञाट है, जो मुशायराबाद, हैदराबाद में स्थित  
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उगांे दृश्यमान प्रतिफल भा० एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृष्टि अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बाच एस० अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचित  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ए) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अृतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षण-

1. श्री एम० एस० भाग्यनगर, बिल्डर्स, श्री दी० राम  
स्वामी द्वारा, 1-1-79 आर० टी० सी० क्रास रोड,  
हैदराबाद 20 (8-2-402, रोड नं० 5, बन्जाराहिल्स,  
हैदराबाद)।

(अन्तरक)

2. श्री वेप कामेश्वर राव, पिता मामासिव राव,  
मकान नं० 1-1-750/1/11 डी०, गांधी नगर,  
हैदराबाद-500038।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ हांगा जो उग अध्याय मा० दिया गया है।

मनुसूची

भाग्यनगर बिल्डर्स मे० ज्ञाट नं० 1-1-79 मुशीराबाद  
आर० टी० सी० क्रास रोड, हैदराबाद मे० जैसे कि विस्तीर्ण  
180 चतुर्फीट रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 6078/81 रजिस्ट्रीकूट  
कार्यालय अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 15-6-82

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

सं० आर० य० भी० न० 55/82-83:—यतः मुझे  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है जो मुशीराबाद हैदराबाद में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अक्तूबर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्धरण से उच्चत अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कीदृश नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं सिएगा और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा नहीं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपावग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एम० भार्यनगर बिल्डर्स, श्री बी० राम  
स्वामी द्वारा 1-1-79, आर० टी० सी० आस रोडस, हैदराबाद  
(8-2-402, रोड नं० 5, बन्जाराहिल्स, हैदराबाद)।  
(अन्तरक)

2. डॉक्टर के० वी० सुरेन्द्र रेडी, पिता॒ के वी० रंगा  
रेडी, हिमायतनगर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अंध-  
नियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भार्यनगर बिल्डर्स में प्लाट नं० 1-1-79 मुशीराबाद,  
आर० टी० सी० आस रोडस, हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण  
1027 चतुर्फीट रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 6024/82 रजिस्ट्री-  
कूत कार्यालय अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन  
मक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 15-6-82

गोहर :

प्रूल्प आर्हे. टी. एम. एस. . . . .  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जून, 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 56/82-83:—यतः मुझे/  
 एम० जेगनमोहन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दफ्तर 225 है, जो चन्दलोक, सिकिन्दराबाद  
 में स्थित है (और इससे उपावड़ श्रमुसूची में और पूर्णस्पष्ट से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
 16) के अधीन अन्तर्भुक्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से एंसे दरमान प्रतिफल का  
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) को बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० स्वहित कन्ट्रॉक्शन, 15-1-1,  
 ओस्मन मन्ज, हैदराबाद-12 (सरोजिनीदेवी रोड,  
 सिकिन्दराबाद)।

(अन्तरक)

2. श्री आर० नरेन्द्र, पिता आर० रामानुजद्या, आखटरस्ट,  
 मकान मं० 6-1-279/3, वाकर टान, पट्टमाराव,  
 नगर, सिकिन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

दफ्तर में 225 विस्तीर्ण 1068.31 चतुर्फीट, दूसरा  
 मंजिल चन्दलोक बिल्डिंग कांपोल्ड, 111 सरोजिनी देवी रोड,  
 सिकिन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगनमोहन  
 सक्षम अधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 18-6-82  
 मोहर:

## प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

सं० आर० ये मी० न० 18/82-83—यत् मुझे, एम०  
जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० खुली जमीन है, जो अध्यन्पत्र पेट विजियनगर  
में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर०  
ओ० विजियनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1981।

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शाखित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० मन्दामपड़ु, (2) के० रामनाथड़ु  
(3) के० वेन्कटायड़ु (4) एल० पायुनायड़ु  
(5) शेष गन्धामपड़ु (6) के० श्रावणगारि किंचण  
(7) क० गगमा०, (8) १० पायुनायड़ु (9) के०  
मवयासपड़ु।  
ग्रन्थालयपेटा गांव विजियनगरम, आनंद प्रदेश।

(मन्त्रालय)

2. श्री ए० पी० एम० आर० टी० मी० युक शाप  
मन्दर को-आपरेटिव होज विलिंग सोसाइटी लिमिटेड  
एन० पी० आर० २९९ विजियनगरम, आनंद प्रदेश।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर गम्भीर के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तित्वों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोन्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्गत

जमीन अध्यन्पत्र पेट गांव में जो विजियनगरम में 4 किलो मीटर  
दूर से रजिस्ट्रीकूल कार्यालय अधिकारी एम० आर० ओ०  
विजियनगरम जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख संख्या नं:

- (1) नं० 4209/81 विस्तीर्ण 2904 चतुर्गज
- (2) नं० 4211/81 विस्तीर्ण 2347 "
- (3) नं० 4213/81 विस्तीर्ण 2347 "
- (4) नं० 4214/81 विस्तीर्ण 1597 "
- (5) नं० 4216/81 विस्तीर्ण 1452 "
- (6) नं० 4289/81 विस्तीर्ण 3848 "
- (7) नं० 4290/81 विस्तीर्ण 3848 "
- (8) नं० 4291/81 विस्तीर्ण 3848 "
- (9) नं० 4292/81 विस्तीर्ण 3848 "

एम० जेगनमोहन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 15-6-82

मौहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1981

सं० आर० ए० मी० नं० 19/82-83.—यनः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 33-1-33 है, जो आलिपुरम विश्वापटनम में  
स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ए०  
विश्वापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्षयबद्र, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी  
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में काथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, को अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

असः अ॒, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डॉक्टर पुष्पाल चिन्हाद्विराव पिता : नीलाद्विराव, मकान  
नं० 33-1-33, आलिपुरम, विश्वापटनम नाबालिक  
बेटा पुष्पाल नीला सन्दीप कृष्ण, पुष्पाल चिन्हाद्विराव  
(अन्तरक)

2. गारपाटी होल्लस प्राइवेट लिमिटेड, मेनेजिंग डायरेक्टर  
श्री शारद द्वारा विजयवाड।

(प्रत्यक्षित)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

मकान नं० 33-1-33, केल्वीय जैल रोड के दक्षिण तरफ  
टी० एम० नं० 1125 ब्लाक नं० 33 आलिपुरम बांड़,  
विश्वापटनम रजिस्ट्रीकूत संख्या नं० 8724/81 रजिस्ट्री-  
कार्यालय अधिकारी एम० आर० ए० वैजाग।

एम० जेगनमोहन,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-6-82

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
निरीक्षीय महायक आयकर आयुक्त कार्यालय  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

मं. आर० य० मी० नं. 20/82-83 यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. 3/241 (6-1-4/2) है, जो टी० नगर, राजह-  
मन्दिर में स्थित है, (आगे हस्तमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम०  
आर० ओ० राजहमन्दिर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतर्रत की गई है और मैं यह विश्वास  
करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के साथौर, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

18—166GT/82

1. श्रीमती शान्ति दी० जावा, पति: विजन दास पिंख-  
दास जावा  
नरेन्द्र कुमार दी० जावा, पिता  
राजेन्द्र कुमार दी० जावा पिता  
ज्योति दी० जावा  
पता: 13-18, प्रकाश नगर, राजहमन्दिर, आनंद  
प्रदेश।  
(अन्तरक)

2. श्री अर्जित भिंह कपूर चरन पाल कौर, मकान नं.  
20-23-5, गमा ठानीसरोड, राजहमन्दिर।  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कांहू भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधोय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गय है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं. 3/241 (6-1-4/2) रंगचारी रोड, टी  
नगर, राजहमन्दिर में विस्तीर्ण 296/1/9 अनुर्ग  
जमीन फ्लॉर 2665 चतुर्फट

पहली फ्लॉर 2665 चतुर्फट रजिस्ट्रीकूल विलेख नं.  
8707, रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी, एस० आर० ओ०  
राजहमन्दिर।

एम० जेगनमोहन,  
नक्षम अधिकारी  
(गहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-6-82

मोहर:

प्रमुख बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निर्गीतीय महायक आयकर का आयकर कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 15 जून 1982

सं. आर० य० सी० न० 21/82-83:—यतः मूल्य जेगन-  
मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी० एम० न० 1176 है, जो दावा मार्डन  
अलिपुरम, वैजाम में स्थित है (ओर इसमें उपावद अनुसूची  
में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पं. आर० ओ० वैजाम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमाग्वर  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विद्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बहरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित रही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित  
की जिमी, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिहै भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपान में  
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपलग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० भूषणामूर्ति, राजु और शन्म पिता जी० ए०  
ए० न० गजु

(2) श्री जी० साम्बमती राजु और मन्म पिता:

(3) श्री जी० गमभद्र राजु और मा पिता: जी०  
अप्पनरमस्मृगजु

(4) जी० के० मूर्ति गजु पिता: जी० ए० ए०  
राजु।

5. जी० नरभिम्मूर्ति राजु अपर मन्म पिता: जी०  
ए० ए० न० गजु।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० आशा देवी पति: पी० भूषणनराव  
राज कमल थिएटर, विशाखापटनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मुली जमीन अलिपुरम वाई वैजाम में प्लाट नं. टी०  
ए० न० 1176 और 1452पि दावा गाडेन्म बिन्नी०  
516 चुमीठर्म न० 221 और 222 प्लाट न०: रजिस्ट्री-  
कूट विलेख न० 11380, 11381, 11382, 11383/81  
रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी पं. आर० ओ० वैजाम।

पं. जेगनमोहन,  
मन्म प्राधिकारी

(स्थायक आयकर आयकर निरीक्षण  
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

तारीख: 15-6-82

मोहर:

प्रसूचना आई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षीय महायक आयकर आयुक्त कार्यालय

अर्जन रेज़ हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून, 1982

मा० आर० ये० सी० नं० २२/८२-४३—यत् मुझे  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान भौतिक, जिसमें उच्चत बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी न० ३४२-२वी है, जो गुड़ाला विजयवाडा में स्थित  
है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०  
विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितान्त्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दन के मन्त्रक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अब अब, उक्त 3 अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अर्थात्— अर्थात् ---

1. श्रीमती जी० सरस्वतमा, पति सुब्बाराव।  
जी० मीनाराम स्वामी, पिता सुब्बाराव  
जी० वेंकटेश्वर राव माता। सरस्वतमा, जी० वेंकट  
रमनमा पिता सुब्बाराव, गुणदल। विजयवाडा।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती निष्ठमलसेही भम्पूर्ण चन्द्रात्री, पति : श्रीरा-  
मूलु हुर्गा अग्रहारम, विजयवाडा, कृष्ण जिला।  
(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रदाता  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उग अध्याय में दिया  
गया है।

### गन्तव्य

जमीन विस्तीर्ण 1600 1/2 चतुर्ंज न० आर० एम०  
न० ३४२-२ वी नेशनल है वे के पास गुड़ाला रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख न०. 8811 अक्तूबर 81 में रजिस्ट्री कार्यालय ग्राहिकारी  
एम० आर० ओ० विजयवाडा।

एम० जेगनमोहन  
सक्रम अधिकारी  
(महायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण  
अर्जन रेज़, हैदराबाद।

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निर्गीक्षीय महाथक आयकर आयुक्त कार्यालय

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 15 जून 1982

सं० आर० य० सी० न० 23/82-83—यत मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी म० खुली जमीन है, तथा जो एन० टी० एम० 82  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,  
विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन प्रक्रिया, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ग दूर्दिनिया आय की वाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दते के घन्तरक के दायित्व में कमी  
करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रोर/या

(म) एसी किसी प्राप या फिली धा या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपदाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1 श्री कोसा रामचन्द्र राव श्री कोना श्री गनग दीरभद्र  
राव पटमट लक्क, विजयवाड़ा (14) आनंद प्रदेश।  
(अन्तरक)

2 श्री मैर्डसि अपारेहु विना गन्यनारायण रेहु  
गाम, नम्बी पेट, विजयवाड़ा (10)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याद्वयों करका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 438 चतुर्गज एन० टी० एस०  
न० 82 सुनिमिपल बांड न० 28 ब्लाक न० 4 विजयवाड़ा  
टॉन में रजिस्ट्रीकृत विशेष में, 8829 रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी  
एस० आर० ओ० विजयवाड़ा।

एस० जेगनमोहन,  
मध्यम अधिकारी  
(महायक आयकर आयुक्त) निर्गीक्षण  
अर्जन रेज, हैदरगाबाद।

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 15 जून 1982

मा० आर० य० मी० ना० 21/82-83 —यत मुझे, एम०  
जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर मर्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मा० 11-18-31 है, जो मोगलराजपुरम,  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौंग  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एम० आर० य० मो० विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 81  
को प्रारंभिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
प्रदूष प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नालिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित मा०  
वास्तविक रूप से अन्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या ऐसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिसे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

क्षेत्र जप, एक अधिनियम की धारा 269 व के जनरल्य  
में, भै. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१ श्रीमती. मंत्री बेंगम्मा, पति मालकान्द्या, वा०  
भद्रापुरम, कर्नार्गिरि, तालुक, ओगोल जिला।  
(अन्तरक)

२ श्रीमती माल्वाराडि रमनम्मा पति कोडिप्पा नाइडु  
चिन्नलपलिम मधिर तालुक, ग्रान्ध प्रदेश।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मर्पति के अर्जन  
निए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त मर्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर मर्पति में हिन्दद्वय  
छिमी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहरणाकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पार्गित दिया  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसन्धान

मा० 11-18-31 मकान और जमीन विस्तीर्ण 1679  
मोगलराका पुरम, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत विलेखन नं०,  
10218, 10090 अक्तूबर 8। में रजिस्ट्रीकृत कार्यालय  
अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगनमाहन,  
मक्षम अधिकारी,  
राहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदरगाबाद।

नामोद्धेश्य 15 6-82  
मोहर,

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हेदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 15 जून 1982

मा० आर० ये मी० नं० 25/82-83:—यतः मुझे,  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० 30-22-92 है, जो वार्ड नं० 23 मीताराम पुरम, विजयवाडा में स्थित है (और इसमें उपायद्र अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट में वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, एम० आर० ओ० विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्षयकरण

1981

को पर्वतिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्मालित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालित व्यक्तियों, यथाहौं :—

1. श्री तन्जर्ल पूर्णचन्द्र शास्त्री, ए० 1, प्रोफेसर कालानी, एम० बी० आर० इंजीनियरिंग कालेज, मुग्गत-395007 (अन्तरक)

2. श्रीमती जी० अनुसूया आकुल श्रीनिवासगाव, गिर-माजीपेट-वरनगल, आनंद प्रदेश। (अन्तरिती)

3. एम० एम० प्रभात टिभर दिपो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पन्न है)

4. श्री आकुल श्रीनिवासगाव, प्रभात टिभर के डारा मीताराम पुरम विजयवाडा 520003। (वह व्यक्ति जिसके वारं में अधिवाहस्ताक्षरण जानना है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्मताक्षरणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 30-22-92 अमेनमेट नं० 2303 वार्ड नं० 23 आर० एम० नं० 159/2 मीतारामपुरम, विजयवाडा में विम्नीण 238 चतुर्गज जैसे कि रजस्ट्रीकूल विलेख नं० 10708 रजस्ट्रीकूल कार्यालय अधिकारी एम० आर० ओ० विजयवाडा।

एम० जेगनमोहन,  
मध्यम अधिकारी,  
राहायक आयकर आयुक्त। (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हेदराबाद

तारीख : 15-6-82

गोदूर :

प्रकाश जारी होने पर्यंत।

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक १५ जून १९८२

मा० आर० य० मी० ना० २६/८२-८३—यत् मृद्गे,  
एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके छ्तीस उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा २६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रा० ना० अ० रु० है।

और जिसकी मा० ९/३३९ है, जो ५ लेन, गजेन्द्रनगर, गुडिवाड़ा में स्थित है (श्री और इसमें उपावक्ता अन्तमूर्ती में और पूर्णस्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ओ० गुडिवाड़ा में भाग्नीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन अनुबवर १९८१

का पर्यान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारा अधिकतम में कमी दररों गा उससे बचन में याचिका के लिए; और/या

(घ) एग्री किसी अधिक दो किसी धन या अन्य आमितयों का, जिन्हें भाग्नीय आपूर्ति कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) द्वारा उक्त अधिनियम, या पन्नकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपाधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१ (१) प्रकाश नितानी २१। (२) गुडलूप वामगमगा १२ निलक, (३) अटलरि रवृताथग एमर ग्रीन कन्वेंट श्रीनगर कालोनी, गुडिवाड़ा कृष्ण ज़िल्ला।

(अन्तरक)

२ श्री आकुरानि चन्द्रशेखर राव, पिता पेंडिगनुव, ९/३३९/५, लेन गजेन्द्रनगर गुडिवाड़ा, कृष्ण ज़िल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि था तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर मूलता की तारीख में ३० दिन की अवधि, जो भी अन्तरीक्ष बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रदर्शक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के गम लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रदर्शक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान ना० ९/३३९/५ लेन गजेन्द्रनगर, गुडिवाड़ा में विरतीर्ण

७२० स्क्वेर फीट विनेश्व ना० ४७४५  
३६० स्क्वेर फीट विनेश्व ना० १७४६  
३६० स्क्वेर फीट विनेश्व ना० ४७४७।  
रजिस्ट्रीकरण कार्यालय प्रविकारी एम० आर० ओ० गुडिवाड़ा।

एम० जेगनमोहन  
मकान अधिकारी,  
महारक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़ हैदरगाबाद।

तारीख १५-६-८२

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक जून 1982

निर्देश मं० ग्राहर० य०सी० 27/82-83—यत्,

मझे, जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी यं० फाटनी है, तथा जो मारकापुरम प्रकाशम  
जिला में स्थित है (आँग इमें उपावड़ अनुसूची में और पृष्ठ  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मारकापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, अक्तूबर, 1981

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के  
दायित्व में कमी करने या उसमें दबने में भविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, जिपाने में भविधा के निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1 (1) श्री यश्कलि कृष्णटांगा पिता नश्मद्या।  
(2) यश्कलि बलरन्नम  
मारकापुरम, प्रकाशम जिला

(अन्तर्गत)

2 श्री तटवती थेंकट कृष्णद्या,  
प्रोपराइटर . मुरली कृष्ण म्लेट ब्रवर्स,  
मारकापुरम, प्रकाशम जिला

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जागी करके प्रयोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग और जमीन मारकापुरम में रजिस्ट्रीकृत  
विलेख न० 1751/81, 1744/81, 1745/81 और  
1752/81 रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अधिकारी मारकापुरम में।

ग्राम जेगनमोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आदि टो.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व(1) के अधीन सूचना**

भारतीय संघ

वार्षिक आयकर भागुना (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, क्रिन्दिका 15 जून 1982

निदेश गंगा आरा० ए० गी० न० 28/82-83—यम्. मुझे  
एम० जेगनमोहन,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है, तथा जो 6 अल्लिपुरम, टी०  
एस० ए० राजू कालोनी, वेजाम में स्थित है (और इससे उपावढ  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी  
के कार्यालय, एस० आर० श्रो० वेजाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ऐसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में आसन्निक रूप से कार्यित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण से हटा० किसी आय को बाहर उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-166 GI/82

1. श्री श्री वेलनकि सत्तिराजू पितः वि० विच्छीराजू,  
सेक्रेटरी एस० आर० एस० टी० लिमिटेड, विशाखापटनम  
(अन्तरक)

२. श्रीमती नारला श्रीनगरा गंति एन० गववय्या,  
एम० आई० जा० १-वी०/१८ मुवलवानि पालम  
विशाखापटनम- 17

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पर्याप्त समाप्ति के प्रत्यंत के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 600 चतुर्भुज अलिपुरम वार्ड, ब्लाक नं०  
21, टी० एस० नं० 324 प्लाट नं० 7 टी० एम० ए० राजू  
कालोनी, विशाखापटनम रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 11241 रजिस्ट्री-  
कून कार्यालय प्रधिकारी विशाखापटनम।

एम० जेगनमोहन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-6-1982

माहर :

१५६

## प्रध्य बाह० टी. पू. पृ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
संवि० २८७ (११ के अधीन गृह्णा०)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1982

निदेश सं० आरा० ए० मी० नं० 29/82-83—यन्. मुझे  
एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान है, तथा जो टंगूटूर गांव  
गुन्टूर जिला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
एस० आरा० ओ० ओंगोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ कि कोई आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर्ता अधिनियम, 1957 (1017 वा 27) के  
पश्चात्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रताट नहीं किया गया  
या गविया जाना चाहिए ३१, तिथां में सदिधा  
के द्वारा,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ततः :—

- कोल्ला तिस्पति रायुहु श्रीर चागल्टी कोनस्या टुवाक्तु  
कम्पनी निमिट्ट,  
पी. पौ० नाबग नं० ३७, नुवाक्तु जालानी, गुट्टू-  
५२२००१, एम० ई० श्री चान्ट कानगथा० फ०।  
परम्परा

(अन्तरक)

- इंडियन नुवाक्तु ट्रेडर्स,  
टुनुटूर, प्रकाशम जिला, ओंगोल तालुका,  
आन्ध्र प्रदेश— ५२३२७४,  
एम० ई० श्री बेलग कोट्या पिता : हनुमद्या  
(ग्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** ... इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान के माथ टुनुटूर गांव, गुन्टूर जिले में  
सर्वे नं० 1306 जैसे कि विस्तीर्ण ३.९६ एकर्स जैसे कि रजिस्ट्रीक्यून  
विलेख नं० ३९३४/८१ रजिस्ट्रीक्यून अधिकारी ओंगोल में है।

एम० जेगनमोहन  
गक्षम प्राधिकारी  
महायन आयकर आयक्त (निर्धारण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1982  
मोहर :

प्रबल बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जून 1982

निवेदण सं. आर० ए० सी० नं० 30/82-83—यतः, मुझे,  
एम० जेगन मोहम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान और घोड़ है, तथा जो एलूर को-आप-  
रेटिव हौसिंग बिल्डिंग सोसाइटी एलूर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० एलूर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिशत से एंसे दस्यमान प्रतिशत का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अल्टरेण (अल्टरेण) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(द) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित लाइनों पर्याप्त

1 श्रीमती कोन्डा सीताराममा पति : सत्यनारायण राजु,  
गुन्हुकोलनु गांव, एसूर तालुक

(अन्तरक)

2. मधुलता इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड,  
273, 274 सरकारी द्वाखाना रोड,  
एलूर—5340032  
एम० डी० श्री एम० रघुनाथराव, पिता, भुजंगराव द्वारा  
आनन्द प्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

महासूची

मकान वांड नं० 29 डोर नं० 24-सी-3-12/1 प्लाट  
नं० 9-ए एलूर को-आपरेटिव हौस बिल्डिंग सोसाइटी जैसे  
कि विस्तीर्ण 1659 चतुर्भुज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
6129/81 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी एलूर।

एम० जेगन मोहम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-6-82

माहूर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जून 1982

निमें नं० अमृतसर/82-83/88—यह मुझे, आनंद मिहि,  
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

ओ० जिसको मं० एक प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कलोनी,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अंतरिक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विख्यान में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

(1) श्रीमती विद्यावतो पत्नी बैज नाथ, वार्मा 59  
सुभाष नगर, कटड़ा थोर मिह, अमृतसर।  
(अन्तरक)

(2) श्री कुलभूषण जैन पुत्र गंगा राम जैन 19 ए  
मर्जीठा रोड, गोपाल नगर, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त  
अधिनियम द अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट स० 29 मिन खमरा न० 1332/3  
(309 व० ८०) जो न्यू गार्डन कलोनी, अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड न० 13917/1910-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

प्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8-6-1982

मोहर :

प्रकल्प बाई, टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जून, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/89—यत्. नुझे, आननद मिह,  
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

आर० जिसकी मं० एक प्लाई है नथा जो न्यू गारडन कालोनी,  
अमृतसर में स्थित है (आर० इससे उपावड़ अनुसूची में आर०  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दूँ किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या इससे बचने में सहायता की जिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थाओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए।

अतः यद्य, उक्ता अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हास् :—

(1) श्रीमती विद्या वती पत्नी बैज नाथ वासी 59  
सुभाष नगर, कटड़ा शेर मिह, अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या जैन गल्लों कुलभूषण जैन वासी  
मजीठा रोड गोपाल नगर नं० 19 ए, अमृतसर।  
(अन्तरिता)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 म कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
मम्पत्ति है)

(4) आर० कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
लम्नाथरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधीक्षित बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का ज्ञाट नं० 29 गिरा खसरा नं० 1332/3  
(309 वा ग०) जो न्यू गारडन कालोनी, अमृतसर में है  
प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह, आई० आर० एस०

मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख . 8-6-1982  
मोहर.

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जून 1982

निदेश मं० अमृतसर/82-83/90—यतः मुझे, आनन्द  
सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो अमृतसर केंट अमृत-  
सर में स्थित है (और इसमें उपांवड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुलदीप चंद पुत्र दन प्रणाद वासी कोठी  
नं० 17, अमृतसर केंट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदु सचदेवा पसी अशोक सचदेवा वासी  
चौक लछमनसर, अमृतसर।

(अन्तरित)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसरी

एक कोठी (जो अमृतसर केंट अमृतसर में है जैसा सेल  
डील नं० 14507/31-10-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृत-  
सर में दर्ज है)।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जून 1982

निवेदण मं० अमृतसर/82-83/91—यतः मुझे, आनन्द  
सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इचाम  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एक कोठी है तथा जो अमृतसर के ट्रैट  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन नारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि-  
ती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर्ग पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कुलदेव चंद पुत्र दत्त प्रसाद महिं  
हरदिपाल माहव वासी कोठी नं० 17 अमृतसर  
केंद्र।

(यन्तरक)

(2) श्रीमति वनाना गच्छेवा पत्ना विनोद कुमार  
गच्छेवा वासी चौक नष्टमनमग, अमृतसर।

(यन्तरिती)

(3) जैमा उपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(1) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हिनवड है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
वड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक कोठी नं० 17 जो अमृतसर के अमृतसर में है  
जैमा मेल डीड नं० 14531/31-10-81 रजिस्ट्रेक्टर  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 3 चन्दपुरी अमृतसर।

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप लाई ३० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

209-व (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 14 जून 1982

निकेण सं० 430/81-82/अर्जन डी०---यत् मुझे, मंजु  
माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके धारा० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थ वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट आफ लैन्ड सं० 4 जिसका नाम है  
"तोलाय पेकीनो" है तथा जो सेट इनेज तलेगांव (ता)  
तिसवाडी, इलास, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, इलास, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणक (प्रमत्तरको) और  
अन्तरिती (प्रनारितियों) के बीच ऐसे अन्तर जो निम्न तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वाच्मिता दी हीन नहीं दिया गया है :--

(क) अन्तरण से यह किसी आय की वाचत उक्त  
अधिनियम के प्रधोन कर इने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
पौर/पा।

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किस जाता चाहिए था, डिपाने  
में मुश्यिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गंगार रासकबीन्हो पुत्रोला उकासीम, बारडेज,  
गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री मिगुल उमियश क्लेमेन्टीनो फरनान्डीज अलि-  
याम, मैकेल फरनान्डीम करनजालेम, तिमवदाय  
तालुका, गोवा।

(शनिर्गती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में  
मम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में इतिहास  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोद्दस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 400/81-82 तारीख 19-10-81)  
प्लाट आफ लैन्ड सं० 4, जिसका नाम है "तोलाय  
पेकीनो" तथा जो सेट इनेज तलेगांव तालुका तिसवाडी,  
इलहास, गोवा में स्थित है।

मंजु माधवन  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूरु।

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

मध्यप बाइ० टो० एन० एस०-----

(1) श्री शामलद्वारा लाल आर हसरा

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स पेन प्रापटोज

(अन्तरिती)

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 जून 1982

निदेश मं० टी० आर०-224/81-82/एस० प्र० 631/  
आई० ए० मी०/अर्जन रेज-1/कलकत्ता—यतः मूल्य, के० सिन्हा  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के अधीन सशम प्रधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वातावर मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 86ए और 86 बी है तथा जो आचार्य  
जगदीश चन्द्र बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूचि में आप पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्टड़-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्टर वरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
10-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम होने के कारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रामपति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण भे दुई किसी आप का बाबस, उक्त अधिनियम के ग्रन्थीन का दर्शन के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को। जन्मे भारतीय आद्यकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-ए अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

20—166GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अंति  
वाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में ऐ किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकें।

आज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो प्र०, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रा होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

86 ए और 86 बी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड,  
कलकत्ता जमीन पर मकान 23.625 कट्ठा और 1 का०  
3 छ० 35 वर्ग फुट।

के० सिन्हा,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, 54 रफीअहमद किल्वर्ड रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 16-6-1982

मीहूर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शंकरलाल दे

(प्रमोटर)

वाक्तव्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेज., भूलक्षणा

भूलक्षणा, दिनांक 11 जुलाई 1982

निवेश सं० टी० आर०-२१३/८१-८२/प्र० प्र० ६२४/

आई० ए० सी०/अर्जन रेज-१/कलकत्ता—यत् मुझे, के० मिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ए. में अधिक हैप्रीर जिनकी सं० 12/1 ए है तथा जो परवाईम लेन,  
भूलक्षणा में स्थित है (प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 पा  
16) के प्रधीन, तारीख 21-10-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखल में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में मिश्ना  
के लिए; वैर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दो  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, हिपार्दे में सूची  
के लिए;

अनुसूची

12/1 ए०, फरडाईम लेन कलकत्ता में अवस्थित 3  
कट्ठा, 8 छटांक जमीन पर दो तल्ला मकान जो डीड नं०  
8778 अनुसार 21-10-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ  
एसुरेन्स का बफतर में रजिस्ट्री हुआ।।के० मिन्हा  
सदम प्राधिकारी  
गहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता।।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमति  
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित यात्त्योर अधीक्षतः:—तारीख 11-6-1982  
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी डी० एस० एस०---  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1982

निदेश म० डी० आर० 163/81-82/एस० प्रल०

म० 626/प्राइंटी प० सी०/अर्जन रेंज-1/कलकत्ता—यतः मुझे,  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें  
इसको प्राप्ति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 28 वीं है तथा जो बेनियापुकुर लैन,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
रूप० रूप० रूप० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-10-1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने काम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है पौरूष सुझे यह विश्वास  
करने का फ़ालण है कि यथापूर्वोक्त सम्पाद्त का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और भूत्तरक (अन्तरकों) और  
भूत्तरिती (भूत्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
नियमित में वास्तविक रूप में उठाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई तका आय का बाबत उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा  
क लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थमयों  
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रति  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के  
बीतौ प्रतिमसिखित व्यक्तियों अवति :—

(1) श्री पन्थानन गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री जगनाथ गन्धी

(अन्तरिती)

(3) श्री मुमारप भाटिया एन्ड अद्वै

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

का यह सूचना बारा नक्का पूर्वान्तर सम्पाद्त के अर्जन का  
'लै. कार्यपालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रविष्ट बाइंड में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत  
व्यक्तियों पर किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य वर्ती द्वारा, अधीहस्तात्तरी वा  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—मैंने यहां बढ़ा जो तो, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, ११ वर्ष वापास जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

28-वीं, बेनियापुकुर लैन कलकत्ता में अवस्थित 3  
नंट्ठा 7 छाताक 22 वर्ग फिट जमान पर अविभक्त मकान  
का आधा हिस्सा जो डीड नं. 1195 अनसार 1-10-81  
नारीख में रजिस्ट्रार आफ एन्युरेसेज का दफ्तर में रजिस्ट्री  
हुआ।

के० सिन्हा

मध्यम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, 54, रफीग्रहमद किल्वाई रोड,

कलकत्ता।

तारीख . 11-6-1982

मोहर :

प्रेसपत्र आर्ड.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पत्नवानन दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1982

निदेश सं० टी० आर०-162/81-82/एस० एल० 625/  
ग्राइ० ए० सी० एक्य० अर्जन रेंज-1/कलकत्ता—यतः मूल्य  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28-बी है तथा जो बेनियापु कुर लेन,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और,  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 1-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसिन में  
आस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यह: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की जप्तभाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ..

(2) श्रीमती सुनीता गुप्ता

(मंत्रिरत्नी)

(3) श्री सुभाव भाटिया एण्ड एडेस

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्मति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांदू भी आक्षमः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अन्सूची

28 बी बेनियापुकुर लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 3  
कट्ठा 7 छटांक 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान  
आधा हिस्सा जो डीड नं० 1194 अनुसार रजिस्ट्रीकृत  
आफ एसुरेसेज का दफ्तर में 1-10-1981 तारीख में  
रजिस्ट्री हुआ।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीखः 11-6-1982

मोहरः

प्रूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री अतीष चन्द्र सिन्हा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे. पा. ग्रग्वाला और अदरस

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

निदेश मं० टी० ग्रा०-221/81-82/एम० एल० 632/  
आई० ए० मी०/अर्जन रेज-1/कलकत्ता—यतः मृदा, कौ०  
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी मं० 227/2 है तथा जो आचार्य जगदीश  
चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (आंग इसमें उपायद  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अविनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरिक्त  
(अन्तरितियों) के रूप ऐसे अन्तरण के लिए तथा नया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित न वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, दियाते में संविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाचियों करता

उथन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आधेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

227/2 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता  
जमीन पर मकान 32 कट्ठा, 15 छटांक कम और ज्यादा।  
(1/3 शेयर)।

कौ० सिन्हा,  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 19-6-1982

गोहार :

प्र० ३१० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा-

## 269-घ (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकाण)

अर्जन रज-II, वम्बई

वम्बई, दिनांक 16 जून 1982

निवेद नं ३० आर०-२/३२३७-२/अक्तूबर-४१— अन्  
मुझे, सुधाकर वर्माआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पात्रात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), को  
धारा 269-घ के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में आधिक हैऔर जिसकी नं ३० टी० एस० नं 773, 773/१ म  
773/७ तक है तथा जो गारेगाव में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6/10/1981

विनाश नं ३० एस० २७१०/८०

का पर्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गण्ड है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अत-  
रिती (अतिरितीयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुड़े किसी आय को वाधत, उक्त अधिनियम  
के प्रधोन कर दें के अन्तरक के व्यायाम में कमी  
होने या उससे बचने में सहित के लिए। और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय का,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
लिपान में सुविद्धा के लिए।अतः खबर, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यावरणों, अधिति --

- (1) १ कु० मिताकी प्राणजीवनदाम गोराडिया  
२ कु० लिता दबी प्राणजी नमदाम गोराडिया  
३ श्रीमती मिरादेवी शोठ

(अन्तरक)

- (2) १ श्री राजेशकुमार व्ही० पटेल  
२ श्री भारतकुमार व्ही० पटेल  
३ श्री विजयकुमार जे० पटेल  
४ श्री भूपेन्द्रकुमार डी० पटेल

(अन्तरिती)

## (3) भाडाती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

## (4) श्रीमती विजयलक्ष्मी गोराडिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।का मृत्यु जारी करके प्रदाना सम्पत्ति के अन्तर्गत के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सबध में काई भी भागेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस० २७१०/८० वम्बई  
और जो उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 6-10-1981 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।सुधाकर वर्मा,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, वम्बई।

तारीख 16-6-1982

मोहर.

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पटना  
पटना, दिनांक 18 जून 1982

निवेदण सं. III-556/अर्जन/82-83—गत मुद्दे, हृदय  
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इच्छित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. नं. 5282 (पुण्यना) 28-वी  
(नया) खाता मं. 230 (अश) थाता मं. 18, खेमग मं.  
595, 592 है तथा जो मौजा रुकुनपुर थाना दानापुर  
जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी और  
कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 1-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाला गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निषिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हट्ट विनी आरपी  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक  
दायित्व में कमी करने या उसमें दर्जन में सूचित  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा. प्रक-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 दा. 11) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, फिरना मा. स्विभा  
क निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उत्पत्ति (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री जुगल किशोर मिह बल्द स्व० भूपनारायण  
सिंह उर्फ रामचरण मिह गिवारो गहना द्विजेन्द्र  
गाना गईनीश्वर जिला पटना।  
(अन्तरक)

(2) श्री खर्णीद ग्रानम बल्द हाती मिशन दा.  
पाटीर तथा वाघन मैसर गहना द्वार्देश रमनी  
11/1 हार्पो न्हीट, थाता नरकुल ढागा,  
गानकत्ता-9:  
(अन्तरक)

के यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नत्सबधी व्यक्तियों पर  
मचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रार्थी जाद में गम्भीर होती है, वा भीतर पर्वात  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास  
लिखित में किए जा सकोगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

इपि भूमि का अकबा 28 ५ डीमसल जो मौजा रुकुन-  
पुर, थाना दानापुर जिला पटना तथा पूर्ण रूप में विविध  
मं. 7256, दिनांक 1-10-81 में वर्णित है, तथा पजीकृत  
जिला अवार निवासिक पटना द्वारा सम्पत्र देखा है।

हृदय नारायण,  
नक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयसल, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पटना

तारीख 19-6-1982  
मोहर

प्रस्तुत बाई. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निवेश सं. III 555/अर्जन/82-83—अतः मुझे, हृदय  
नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा था है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. में अधिक है  
और जिसकी मं. तौजी मं. 5282 (पुगता) 28-मी  
(तथा), खाना मं. 230 (अंग) थाना मं. 18, खेमग  
मं. 592, 593, 594 है तथा जो मौजा सुन्दरपुर, थाना  
दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नारीख 1-10-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
गिरी (अन्तगिरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हाई कोर्टी बाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कानून करने वा उक्त उक्त सूचने में सूचिभा के सिए;  
बाहर/वा

(ख) ऐसी किसी बाय का किसी भूमि का अन्य अधिकारी  
को, बिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिभा के [उक्त]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी द्वारा—

(1) श्री बैजनाथ सिंह बल्द स्थ० जंगर सिंह निवासी  
महल्ला खजपुरा, थाना गर्दनीबाग, जिला पटना।  
(अन्तरक)

(2) श्री मुर्मीद ग्रामग बल्द हाजी सिंगजुल हक  
पाठेनर तथा वामने मैमर्म पटना हाईड कम्पनी  
11/1 द्वार्पा स्ट्रीट थाना नारकुन डांगा, कलकत्ता-9  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपुः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ द्वा-  
रा किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास  
लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

कृपि भूमि का एकत्रा 28.5 डीमल जो मौजा सुन्दर-  
पुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप में  
वसिका सं. 7757 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा  
पंजीकृत जिला अवर निवन्धक पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण  
नक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी भायकर आयकर आयकर  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

नारीख : 18-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना।

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं. III-557/अर्जन/82-83—अतः मुझे हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. तौजी सं. 5282 (पुराना) 28-सी (नमा), खाता सं. अंश 230 प्लाट सं. 590 (अंश), धाना सं. 18 है तथा जो मौजा रुकुनपुर, धाना द. नापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1981

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्योंकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरीतियों) के भीष ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) कत्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जरुः:—  
21—166 GI/82

(1) श्री अभय कुमार सिंह वल्द श्री राम नाथ सिंह निवासी ग्राम खजेपुरा, धाना गर्दनियांग, जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री खुर्शीद आलम वल्द हाजी मिराजुल हक पाठीनर तथा वास्ते मेसर्स पटना हाइड कम्पनी

11/1 हार्षी स्ट्रीट, धाना नारकुल डोंगा, कलकत्ता-9।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोदः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्थानोंकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि का रकवा 27.5 डीसमल जो मौजा रुकुनपुरा धाना-दीनापुर, जिला-पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका सं. 7755 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा पंजीकृत जिला अवार निबंधक, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृश्य नारायण  
सक्षम पदाधिकारी  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

तारीख : 18-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाचन)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० III-554/अर्जन/82-83—अन्तः मुझे हृदय

नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० तीजी सं० 5282 (पुण्यता) 28-मीण (नवा) खाता सं० 154 (अंश) प्लाट सं० 579 (अंश), थाना सं० 18 है तथा जो मीजा रुकुनपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरड़ों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए छोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-मत्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों; प्रर्यात् :—

(1) श्री जुगेश्वर प्रसाद सिंह वल्द स्थ० मोती सिंह निवासी ग्राम खजेपुरा, थाना गर्दनीबाग जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री खुर्शीद आलम वल्द हाजी मिगाजुल हक पार्ननर नथा बास्ते मैसर्म पटना हाईड कम्पनी 11/1 हाईड मैट्रीट थाना नाम्कुल डारा, कल-कत्ता-9।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वलोकण :— इसमें प्रयुक्त मर्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नमस्तृची

कुषि भूमि का रकवा 20 डासमल जो मीजा रुकुनपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप में वसिका सं० 7758 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा पंजीकृत जिला अवर निवासी पटना डारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण  
मक्षम पदाधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निर्वाचन)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना  
तारीख : 18-6-1982  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस.-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. III-553/प्रर्जन/82-83—अतः मुझे हृदय नारायण निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. तौज़ि: सं. 5282 (पुराना) 28-सं. (नया) खाता सं. 154 (अंश), प्लाट सं. 579 (अंश), थाना मं. 18 है तथा, जो मौजा रुकुनपुरा, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान तारीख 1-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रति दृश्यमान फरम के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उम्मेश्य से उक्त अन्तरण लिखित नैवान्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से दूरे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री रामजीत सिंह बल्द स्व. मोसी सिंह निवासी ग्राम लजपुरा, थाना गर्वनीबाग, जिला पटना। (अन्तरक)

(2) श्री खुर्दीद हालम बल्द हाजी सिराजुल हक पार्टनर तथा वास्ते मैसर्स पटना हाईड कम्पनी 11/1 हाईड स्ट्रीट, थाना नारकुल डांगा, कलकत्ता-9।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संविति में हितबद्ध किसी ग्रन्थि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सफलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

कृषि भूमि का रक्का 27 डीसम्बर जो मौजा रुकुनपुर थाना दानापुर जिला पटना तथा पूर्णरूप से वसिका सं. 7759 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा पंजिकृत जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा भम्पन्ह हुआ है।

हृदय नारायण,  
सक्षम पदाधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 18-6-1982

प्रस्तुप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 18 जून 1982

निवेश सं. III-559/अर्जन/82-83—अतः मुझे हृदय  
नारायण

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लाट सं. 225 टाइप-ए (ए) बार्ड  
सं. 34 है तथा, जो श्रीकृष्णपुरी, जिला पटना में स्थित  
है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 1-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य व्यासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाले प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए जो कियाने में  
सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के  
वन्नुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रथमतः:—

(1) श्रीमती शीला रानी बनर्जी जीजे श्री एस० एन०  
बनर्जी, मोहल्ला मीनपुर, थाना जकलनपुर, जिला  
पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा सिंहा जीजे श्री अरविंद कुमार  
सिंहा, निवासी बोर्डिंग कैनाल रोड, पटना, जिला  
पटना।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आलोचना,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में मैं  
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी  
अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टटोकरण:**—इसमें प्रयुक्त पाबदों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचालित हैं; वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का कुल रकमा 798.33 वर्गगज जो  
5 कट्ठा 2 धरा के करीब होता है कुछ बनावट महित  
महल्ला श्री कृष्णपुरी पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से  
वसिका संख्या-7701 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा  
निवासी जिला अवर निवासीक पदाधिकारी, पटना द्वारा  
सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण,  
सक्षम पदाधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,  
पटना

तारीख : 18-6-1982  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 21 जून, 1982

निदेश सं० III/560/अर्जन/82-83—अतः मुझे हृदय  
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

सं० होल्डीग सं० 739, सकिल सं० 246 वार्ड सं० 34 (पुराना), 4 (नया) खाता सं०-130 तौजी सं०-5225, प्लाट सं० 1054 (अंग) है तथा, जो बुद्धा कालोनी, दुजरा, जिला पटना में स्थित है (और छससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 16-10-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वाप्रीकरणों, वर्धात् :—

(1) श्री दुर्गेश चन्द्र राय वल्द प्रविनाश चन्द्र राय ए/1 आग्रडीयल एसोसिएशन इस्टेट, भी० आई० पी रोड, कलकत्ता-54, वर्तमान, बुद्धा कालोनी पटना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नागमती देवी जोजे स्व० कैलाश प्रसाद सिंह, ग्राम औबटा, थाना हाथीदाह, जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में काई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 1 में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 कट्ठा 10 धुर कुछ बनावट महित भौंजा बुद्धा में कालोनी, पटना में स्थित है तथा पूर्ण स्पष्ट से वसिका सं० 7864 दिनांक 16-10-81 में वर्णित है एवं पंजीकृत जिला अवर निवंधक पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

तारीख : 21-6-1982।

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० 111-552/अर्जन/82-83—अतः मुझे हृदय  
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० नीजी सं० 5282 (पुराना), 28-सी  
(नया), खाता सं० 231 (अंग) प्लाट सं० 589 (अंग),  
थाना सं० 18 है तथा, जो मौजा रुकुनपुरा थाना दानापुर,  
जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रनुसूची में  
में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
नय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 1-10-81

को न्यूनेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरका) और  
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जवा भा या किया जाना जाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

(1) श्री विजय नाथ सिंह वल्द राम गणित सिंह  
निवासी ग्राम खंजपुरा थाना गढ़नीवाग, जिला  
पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री खुशीद आलम वल्द हाजी सिराजुल हक  
पाटनर तथा वास्ते मेसर्स पटना हाईड कंपनी  
111 हर्षा स्ट्रीट थाना नारकूल डागा कलकत्ता-9।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हृदय भी जानेवाले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अपार्हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुषि भूमि का रकबा 30 डीसमल जो मौजा रुकुनपुर  
थाना दानापुर जिला पटना तथा पूर्णस्पृष्ट से वसिका सं०  
7760 दिनांक 1-10-81 में वर्णित है तथा पंजीकृत जिला  
अवर निबन्धक पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 18-6-82

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून, 1982

निर्देश सं. आई. ए. मी./अर्जन/ 2681—यन. मुझे  
देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल भूमि है, तथा जो मुरैना में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5  
अक्टूबर 1981

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण नियमित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी बाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
मौत/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती कुदारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में से, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्दि:—

1. विश्वभरनाथा, टीकमचंद, सीताराम आत्मेज ग्यामसाल,  
सतोषकुमार पुल पदमचंद द्वारा मृ. आर० हरिशंचंद  
अग्रवाल व हरिशंचंद अग्रवाल दस्तकमुत्र राधेलाल  
पाठनसं फर्म छोतरमल गमदयाल मुरैना स्टेंड  
गेड, शहर आगरा उ० प्र०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीलावेदी गर्ग पत्नी श्री रमेशचंद गर्ग नि०  
धर्मशाला ओलो नगर मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति कुदारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

बनसूची

ब्लॉक नं. 6 वार्ड क्रमांक जिला मुरैना स्थित भवनधूमि।

देवप्रिय पत्त  
सकाम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख . 11-6-1982  
मोहर:

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 28th June 1982

No. F. 6/82-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered the reversion of Shri R. D. Sharma, Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge to the post of Officiating Stenographer, in the Registry of the Supreme Court of India, with effect from the afternoon of June 28, 1982.

S. VARADARAJAN  
Assistant Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 24th June 1982

No. A. 132014/1/81-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. Ramakrishnan, to the post of Junior Research Officer on deputation basis initially for a period of three years w.e.f. 21-6-1982 to 20-6-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The term of deputation will be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F. 1(11)-E. III (B)/75 dated 7-11-1975.

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn.)  
for Secretary  
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 7th June 1982

## CORRIGENDUM

No. A. 12024/2/80-Admn. I.—In the Union Public Service Commission's Notification of even No. dated 10th May, 1982 relating to the promotion of S|Shri B. S. Jain and R. P. Kukrethi, CSS Grade I Officers as Deputy Secretaries in the office of Union Public Service Commission, the word "Permanent" may be added before the words "Grade I Officers of Central Secretariat Service".

The 16th June 1982

No. A. 12024/2/80-S.Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even No. dated 9-9-81 and 4-12-81 and 10-5-82, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri A. M. Mondal an officer of I.E.S.-1969 and presently working as Under Secretary to officiate as Deputy Secretary on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of one month w.e.f. 4-6-1982, under the powers vested in him vide Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

The 17th June 1982

No. 32013/1/80-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Shimray a permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 17th May, 1982 or until further orders whichever is earlier.

The 30th June 1982

No. A. 38013/9/81-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri S. N. Pandit, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1982 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests. (A) dated the 24th November 1973.

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd July 1982

No. 1-9/82-CFSL(AD-V).—The President is pleased to appoint Dr. Shri Ram Singh, Senior Scientific Officer (Physics), Central Forensic Science Laboratory, New Delhi as Assistant Director (Physics) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 29th April, 1982 until further orders.

The 6th July 1982

No. A-22013/1/82-AD-V.—The Director/CBI and Inspector-General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint S/Shri S. Ramamoorthy and Uma Kant Sharma, Crime Assistants as Office Superintendents, CBI on promotion on ad-hoc basis in the CBI for a further period from 19-6-1982 to 17-7-1982.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 28th June 1982

No. O.II-767/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. S. C. Mahapatra (GDO, Grade-II, Dy. S.P./Coy Comdr) as GDO, Grade-I (Asstt. Commandant) in the C.R.P. Force, with effect from 15th June, 1982 (F.N.) till further orders.

No. O.II-1435/79-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the C.R.P. Force Lt. Col. K. Goswami, relinquished charge of the post of Deputy Director (Works) in the forenoon of the 3rd May, 1982.

No. O.II-1759/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17th June, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 30th June 1982

No. O.II-1757/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. G. Venkata Ramana as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10th June, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI  
Assistant Director (Estt.)

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th June 1982

No. E-16013(2)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri A. B. Vohra, IPS (WB : 72) assumed the charge of the post of Commandant/CISF Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta w.e.f. the afternoon of 21st May 1982 vice Shri Ashok Darbari, IPS (MP : 68) who on repatriation to State Cadre relinquished the charge of the said post from the same date.

The 21st June 1982

No. E-38013(4)/5/78-Pers.—President is pleased to appoint Shri G. P. Ghosh, on promotion on ad-hoc basis, as Asstt. Commandant, CISF Unit BCCL Jharia, w.e.f. the forenoon of 21st May 1982.

No. E-38013(4)/5/82-Pers.—President is pleased to appoint Shri J. P. Verma, on promotion on ad-hoc basis, as Asstt. Commandant, CISF Unit NPPCL Tuli Nagaland w.e.f. the afternoon of 19th May, 1982.

No. E-38013(4)/5/82-Pers.—President is pleased to appoint Shri D. V. Vibhuti, on promotion on ad-hoc basis, as Asstt. Commandant CISF Unit, BCCL Jharia, w.e.f. the forenoon of the 26th May, 1982.

SURENDRA NATH  
Director General/CISF

**OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD  
CONTROL APPELLATE TRIBUNAL**

New Delhi, the 6th July 1982

F. No. 7-CEGAT/81.—Shri D. S. Sindhu lately working as Technical Officer in the Ministry of Finance (Dept. of Revenue), New Delhi, assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi, in the scale of Rs. 650—1200 plus special pay of Rs. 75/- per month in the forenoon of 1st July, 1982.

R. N. SEHGAL  
Registrar

**MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS**

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st July 1982

F. No. BNP[C]5/82.—In continuation to this office Notification of even number dt. 1-4-82, the ad-hoc appointment of Shri R. K. Ghoshal, as Technical Officer (Printing and Plate-making) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 1-7-82 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

J. C. GULATI  
Dy. General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
RAJASTHAN**

Jaipur, the 2nd July 1982

No. Admn. II/Gaz. Notfn./307.—The Accountant General is pleased to promote Shri Ram Prasad Sharma, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer w.e.f. 31-5-82 (FN) until further orders.

M. S. SHEKHAWAT  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE  
ACCOUNTS**

New Delhi-110066, the 26th June 1982

No. AN[I]1776[1]I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service in a substantive capacity with effect from the dates shown against them :—

Sl. No.	Name of officer	Date from which appoint- ted
1.	Shri S. K. Sundaram	. . . . . 01-08-79
2.	Shri K. Aravamudan	. . . . . 01-09-79
3.	Shri K. Padmanabhan	. . . . . 01-10-80
4.	Shri S. Swaminathan	. . . . . 24-02-81
5.	Shri R. Patnaik	. . . . . 24-02-81
6.	Shri P. C. Thomas	. . . . . 24-02-81

R. K. MATHUR  
Add. Controller Gen. of Def. Accts  
(Adm.)

**MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 28th June 1982

No. 30/A/G.—On expiry of extension of service of 3 months w.e.f. 1-2-82, Shri D. P. Chakravarti, Offg. ADGOF Grade I (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager) retired from service w.e.f. 30th April, 1982/AN.

V. K. MEHTA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF LABOUR  
DIRECTORATE GENERAL FACTORY  
ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES**

Bombay-400 022, the 29th June 1982

No. 15/22/79-Estt.—Consequent on his voluntary retirement Shri N. Ravindranathan, Productivity Officer (Statistics) in Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute Bombay, relinquished charge of his post with effect from 18th June, 1982 (forenoon).

A. K. CHAKRABARTY  
Director General

**MINISTRY OF COMMERCE  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)  
OFFICE OF TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 2nd July 1982

No. 18(1) 82, CLB. II/7.—In exercise of the powers conferred on me by clause 12 of Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16(2) 66-CLB. II/C dated 6th December, 1967.

In the table appended to the said Notification against serial number 7, the existing entries under columns (1), (2) and (3) shall be substituted by the following entries namely :—

S. No.	1	2	3
"7	(i) Commissioner Food & Supplies. (ii) Deputy Commissioner, Food & Supplies. (iii) Assistant Commissioner, Food & Supplies. (iv) Food & Supply Officer. (v) Civil Supplies Officer. (vi) Chief Inspector, Food & Supplies. (vii) Inspectors, Food & Supplies	Delhi	"

SURESH KUMAR  
Additional Textile Commissioner

**MINISTRY OF INDUSTRY**

**DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 29th June 1982

No. 12(156)/61-Admn. (G) Vol. V.—The President is pleased to appoint Shri I. B. Sarkar, Assistant Director (Gr. I) (L/F) CFTC, Agra, under Small Industries Service Institute, Agra as Dy. Director (L/F) on ad-hoc basis at the same station with effect from the forenoon of 10-5-1982 until further orders.

No. A. 19018(563)/81-A(G).—The President is pleased to appoint Shri K. M. Bhattacharya Ty JSAI in the Defence

Materials and Stores Research and Development Establishment, Kanpur as Assistant Director (Gr. I) (I/F) at SISI, Gauhati with effect from the forenoon of 12-5-82 until further orders.

The 6th July 1982

No. A. 19018(182)78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Prem Prakash, Deputy Director (Export Promotion) & Small Industries Service Institute, New Delhi as Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) at the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 30-6-82 until further orders.

C. C. ROY  
Deputy Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 26th June 1982

No. E. 11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 2, add "NITROBLAST" for carrying out field trials at the specified locations upto 31-12-82 after the "GUNCOTTON".

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 3rd July 1982

No. A-17011/204/81-A6.—The President is pleased to appoint Shri Rupendra Nath Das, a candidate selected by UPSC to officiate in the Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Group 'A') with effect from 31-05-1982 (FN) and until further orders.

2. Shri R. N. Das assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur-7 from the forenoon of 31st May, 1982.

The 6th July 1982

No. A-6/247(502)/64.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Tanuja, a candidate selected by UPSC to officiate in the Metallurgical-Chemical Branch, (Group 'A') of Grade III of the Indian Inspection Service w.e.f. 1-6-1982 (FN) and until further orders.

2. Shri Tanuja assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met/Chem) in the Office of Director of Inspection Jamshedpur w.e.f. the forenoon of 1-6-1982 (FN).

S. I. KAPOOR  
Deputy Director (Admn.)

#### ISPAT AUR KYAN MANTRAYALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th June 1982

No. 13/74/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Shift Boss (Group 'B', scale of pay—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-) in the Geological Survey of India, with effect from the dates shown against each:

Sl. No.	Name of Officer	Date of confirmation
1.	Shri S.K. Biswas	1-1-76
2.	" K.C.P. Singh	1-1-76
3.	Shri S.R. Varadaraj	1-1-76
4.	Shri A. Govinda Rao	1-1-76
5.	Shri M. Bhaskara Rao	1-1-76

J. SWAMI NATH  
Director General  
Geological Survey of India

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th June 1982

No. 10/20/81-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Jaswant Singh, as Asstt. Engineer at Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity w.e.f. 8-4-82 (FN) until further orders.

No. 10/21/82-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. L. Patni as Asstt. Engineer at All India Radio, Gauhati in a temporary capacity w.e.f. 22-5-82 (FN), until further orders.

The 1st July 1982

No. 4(55)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. C. S. Kumudam as Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Rad'o, Madras in a temporary capacity with effect the 26th April, 1982 (FN) and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200.

The 5th July 1982

No. 4(51)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Yashpal Pasha Vallabh Ramawat as a Programme Executive at All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the 6th May, 1982 (FN) and until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200.

No. 10/16/81-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. B. Navak as Asstt. Engineer at the office of Regional Engineer (West), A.I.R., Bombay in a temporary capacity w.e.f. 12-5-82 (FN), until further orders.

No. A-19012/9-81-SII (SIII).—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. N. A. Murthy as Asstt. Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar in a temporary capacity w.e.f. 22-7-81 (FN), until further orders.

No. A-19012/9/81-SII (SIII).—Consequent upon acceptance of his resignation by the Director General, A.I.R., Shri B. N. A. Murthy, Asstt. Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar has been relieved of his duties in A.I.R. w.e.f. 24-7-81 (AN).

No. 7(23)/59-SI.—On attaining the age of superannuation Shri N. K. Achari, Programme Executive, All India Radio, Trivandrum retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1982.

C. L. BHASIN  
Dy. Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 2nd July 1982

No. A-32013/1/81-SV.—The D.G., All India Radio is pleased to appoint the following officers in the Grade of Inspector of Accounts on regular basis in DG : AIR, New Delhi, with effect from the dates shown against each :—

- (i) Shri G. S. Sabharwal, Shri S. P. Singh and Shri R. D. Sharma, *ad hoc* Inspector of Accounts, with effect from the forenoon of May 29, 1982; and
- (ii) Shri Jose De J. Gomes De Melo, Sr. A.O., AIR, Madras, with effect from the forenoon of June 17, 1982.

S. V. SFSHADRI  
Dy. Director of Administration  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

#### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 28th June 1982

No. A. 20011/2/77-Est. I.—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri Iftakhar Ahmad, Officiating Assistant Newsreel Officer in the Films Division at Patna to

officiate as Cameraman in a purely temporary capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880—EB-40-960 with effect from the forenoon of 21st April, 1982 until further orders.

H. G. BHANDARKAR  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

**MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF FOOD)  
NATIONAL SUGAR INSTITUTE**

Kanpur, the 23rd June 1982

No. A19012/54/82-Estt./4746.—Shri M. M. D. Agarwal is promoted to officiate as Accounts-cum-Stores Officer at the National Sugar Institute, Kanpur w.e.f. the forenoon of 1-6-1982 till further order.

N. R. KILARIWAL  
Director

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-85, the 21st June 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Jayantilal Vannmalidas Panchal, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 10-5-1982 (FN) to 11-6-1982 (AN).

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Balkusinha Mahadeo Nark, SOC to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from May 3, 1982 (FN) to June 11, 1982 (AN).

B. C. PAL  
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT**

Bombay-400 094, the 25th June 1982

**ORDER**

No. 10/263/72-Adm.—WHEREAS SHRI M. H. A. LATIF, Tradesman 'B' in the Workcharged Establishment of D.E.M. has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 9-5-1978.

AND WHEREAS the following memoranda sent by Registered A/D to Shri Latif to the last known addresses at Bombay have been returned undelivered by the postal authorities with remarks "the party is not available" "left address not known":

- (1) Memorandum dated 6th June 1978 directing Shri Latif to resume duty forthwith.
- (2) Memorandum dated 15th July 1978 directing again Shri Latif to resume duty immediately.
- (3) Memorandum dated 4th December 1978 again directing Shri Latif to report for duty immediately.
- (4) Memorandum dated April 2, 1979 proposing to take action against Shri Latif and giving him an opportunity to make representation, if any, within 10 days of the receipt of the said memorandum.
- (5) Letter dated 9th August, 1979 directing Shri Latif to attend the enquiry on 24-8-79.
- (6) Letters dated 3rd October, 1979 and 26th October, 1979 asking Shri Latif to attend the enquiry on 22-10-79 and 6-11-79.

AND WHEREAS the said Shri Latif has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of this whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Latif has been guilty of remaining absent voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed of his present whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry.

AND now therefore the undersigned hereby dismisses the said Shri Latif from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN  
Director

**COPY TO :**

Shri M. H. A. Latif, Chawl No. 118,  
944-A M. H. B. Colony Marve Road,  
Malad (East), Bombay-400 096.  
Shri M. H. A. Latif, Godhalwali Chawl,  
Room No. 34, X Lane, M. Azad Road,  
Bombay-400 011.

Bombay-400 094, the 29th June 1982

**ORDER**

No. 10327/73-Adm.—WHEREAS SHRI D. C. BONIK, Helper 'B' in the Workcharged Establishment of D.E.M. has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 15-2-1981.

AND WHEREAS the memorandum dated November 21, 1981 proposing to take action against Shri Bonik and giving him an opportunity to make representation, if any, within 10 days of the receipt of the said memorandum sent by registered A/D to the last known addressee at Bombay and Assam has been returned undelivered by the postal authorities with remarks "not known".

AND WHEREAS the said Shri Bonik has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Bonik has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed of his present whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry.

AND NOW THEREFORE the undersigned hereby removes the said Shri Bonik from service with immediate effect.

I. N. SAXENA  
Administrative Officer

**COPY TO :**

Shri D. C. Bonik, R. C. I. Colony,  
Type-III/2/24, Chembur,  
Bombay-400 074  
Shri D. C. Bonik, N. S. Road,  
Agartala (Post), Tripura Dist.  
322, Assam.

**DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400 001, the 28th June 1982

No. Ref. DPS/2/1(5)/82-Adm/13868.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sadananda, a permanent Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the Stores Unit (DPS), Kakrapar Atomic Power Project, Kakrapar in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of May 29, 1982 upto August 31, 1982 (AN).

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

**NUCLEAR FUEL COMPLEX**

**(ADMINISTRATION-II)**

Hyderabad-500 762, the 12th May 1982

**MEMORANDUM**

Ref. NTC/PA.II/FBTR/3653/754.—In terms of para 1(a) of the offer of appointment No. PAR/0702/6736 dated October 22, 1980, the services of Shri K. Venkateswara Rao, SA'A, FBTR, EC No. 3653 shall stand terminated w.e.f. 12-5-1982 AN. The period from 23-02-1982 to 12-5-1982 AN may be treated as 'DIES-NON'.

He is required to surrender Security Identity Card, Bus Pass, Family Identity Card and any other Government materials issued to him.

T. S. KRISHNAN  
Deputy Chief Executive (QC)

Shri K. Venkateswara Rao  
Scientific Assistant 'A',  
EWS House No. 20,  
Fatenagar,  
Hyderabad-500 018.

## MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 26th June 1982

No. MAPP/3(1360)/82-Recd.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Accounts Officer, Shri V. Natarajan, an officiating Assistant Accountant in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad is appointed as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 23, 1982.

T. RAMANUJAM  
Administrative Officer  
for Project Director

## ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 3rd July 1982

No. AMD-2|3442|81-Adm.—The resignation tendered by Shri Anupam Bakshi from the post of Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from May 13, 1982 (Afternoon).

T. D. GHADGE  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 25th June 1982

No. 05052|82|Feb|3192.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kantheti Narayana Rao, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

R. C. KOTIANKAR  
Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695 022, the 18th, June 1982

No. VSSC/EST/A/82—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer SB in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the date shown against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Division	Date of Appointment
1.	Shri S. Vasudevan Potty . . .	EFF	23-4-82
2.	Shri Kambham Santeppa . . .	ELS	20-4-82

K. P. R. MENON  
Admn. Officer-II (EST)  
for Director VSSC

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th July, 1982

No. A 32014/5/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the unmentioned professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect

from the dates mentioned against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date of assumption of charge as assistant Meteorologist
1.	Shri B.C. Dutta . . .	22-1-82
2.	Shri Ram Mohan Singh . . .	7-6-82
3.	Shri R.C. Mehra . . .	7-6-82
4.	Shri R.N. Chakraborty . . .	22-1-82
5.	Shri C.L. Takoo . . .	11-3-82
6.	Shri R.C. Dutta . . .	8-4-82 (A.N.)
7.	Shri J.K. Wahi . . .	5-4-82 (A.N.)
8.	Shri R.C. Saxena . . .	5-4-82 (A.N.)
9.	Shri Kanwar Sain Jain . . .	29-5-82
10.	Shri M.P. Bhardwaj . . .	8-4-82 (A.N.)
11.	Shri Subimal Sen . . .	22-1-82
12.	Shri P.K. Datta Roy . . .	10-5-82
13.	Shri N.C. Mukhopadhyay . . .	29-3-82
14.	Shri K.N. Mazumdar . . .	22-1-82
15.	Shri Prem Kishan (Foreman) . . .	7-6-82
16.	Shri P.N. Sikder . . .	29-1-82
17.	Shri S.N. Sarkar . . .	22-1-82
18.	Shri Narsi Ram . . .	31-5-82
19.	Shri S.N. Das . . .	22-1-82

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th June 1982

No. A.35018|6|79-EI—Consequent upon completion of his deputation period from 24-5-81 to 9-6-82 Shri P. L. Vishwanathan, Assistant Director of Civil Aviation Security, Madras has been relieved of his duties with effect from 9-6-1982 (forenoon) for his posting as Superintendent of Police (Security) CID, Madras-600004.

S. GUPTA  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 30th June 1982

No. A.32013|1|82-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. G. Goswami, Senior Aircraft Inspector to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta, on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 4-6-1982 (F.N.) or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG  
Asstt. Director of Administration

## FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 29th June 1982

No. 16|388|82-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri R. K. Punhani, R.A.I. to the post of Research Officer in Timber Engineering Branch with effect from 9th June, 1982 (F.N.), until further orders.

RAJAT KUMAR  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bangalore-560001, the 8th April 1982

## CENTRAL EXCISE

No. 1|82.—In exercise of the powers conferred under Rule 233 of Central Excise Rules 1944, the Collector of Central Excise, Karnataka Central Excise Collectorate, Bangalore hereby issues the following supplementary instructions for compliance by the manufacturers of excisable goods within the jurisdiction of the Karnataka Central Excise Collectorate.

Every manufacturer of excisable goods who is required to take out a licence under Rule 174 read with Rule 174-A of Central Excise Rules 1944 shall submit a ground plan in triplicate specifying the place of production, manufacture and storage or any other premises appurtenant thereto as required under the Rules. The ground plans must be submitted in the manner as indicated hereunder for approval by the licensing authority;

- (i) Ground plan should be duly certified by a Registered Architect or drawn by a Registered Surveyor or a Registered Civil Engineer.
- (ii) Such ground plans must clearly show the location of all doors, windows including sky-lights, ventilators and trap doors.
- (iii) Ground plans should be drawn to a suitable scale depending on the area preferably 1 C. M. = 200 C. Ms.
- (iv) The provisions of Rule 44 and 46 should be scrupulously followed.
- (v) Whenever there is any alteration or movement of factory equipment, the manufacturer should furnish the details thereof as required under Rule 45 of the Central Excise Rules 1944.

All manufacturers are also directed that if the existing approved ground plans are not in accordance with the above requirement, proper ground plans should be submitted immediately and approval thereto got forthwith.

R. N. SHUKLA  
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT  
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 29th June 1982

No. 11|82.—On his retirement on superannuation Shri N. C. Chakrabarty relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the East Regional Unit Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Calcutta on 31-3-82 (Afternoon).

S. B. SARKAR  
Director of Inspection

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 3rd July 1982

No. A.42016|1|80-Adm.IV|E.I.—Chairman, CWC extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. P. Mittal, to the post of Extra Assistant Director (Hydronet) in the scale of pay of Rs. 650-30 740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period upto 30-11-82 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA  
Under Secretary

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
(DEPARTMENT OF SUPPLY)  
NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE,

Calcutta-27, the 25th June 1982

No. G-65|S.O.—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Sri J. K. Bhattacharyya, Scientific Assistant (Electronics)

National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Electronics) in the office of the National Test House, Alipore, Calcutta on *ad-hoc* basis with effect from 16-6-82 (F|N) until further order.

(Sd) ILLEGIBLE  
Joint Director  
For Director General  
N.T.H., Calcutta-27.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE OF COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARDOFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
*In the matter of the Companies Act-1956, and of Lakhani Consultancy Private Ltd.,*

Ahmedabad, the 29th June 1982

No. 2167|560|C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of section 560 of the Companies Act-1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lakhani Consultancy Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Trade Chemical and Adhesive Company Private Limited*

Patna, the 3rd July 1982

No. (842)-4|560-78|79|2356.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Trade Chemical and Adhesive Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI  
Registrar of Companies, Bihar

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Quality Dairy Industries P. Ltd.,*

Madras-600006, the 5th July 1982

No. DN|3375|560|82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Quality Dairy Industries P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. K. RAMAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
(CENTRAL)

Kanpur, the 27th April 1982

C. No. 80/Jurisdiction/CIT(C)/KNP/1321—4. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income tax (Kanpur Central), Kanpur hereby amend the notification dated 27th June, 1978 regarding jurisdiction of the inspecting Assistant Commissioner of Income tax within my charge, to the effect, that entries against S. No. 3 of the schedule to the above notification shall be read as under :—

S. No.	IAC. Range	No./Name of Sub-charge included in the Range.
3.	Varanasi. . . .	1. Central Circle-I & II, Varanasi.
Central. . . .		2. Central Circle, Gorakhpur. 3. Central Circle, Allahabad.
5.		This order is effective from 1st June, 1982.

C. No. 80|Jursdiction|CIT(C)|KNP.—1. A new charge to be known as "Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Varanasi (Central)", is created at Varanasi.

2. The charge known as "Office of the Inspecting Assistant Commissioner, Allahabad Central" at Allahabad is abolished.

3. The above orders shall take effect from 1st June, 1982.

C. No. 80|78|Jutisdiction|CIT(C)|KNP.—6. Two sub-charges to be known as I. T. Officers, Central Circle-I & II

respectively are hereby created in I.T. Office, Central Circle, Varanasi.

7. The I.T. Offices of Central Circle-I & II, Allahabad are hereby merged into office to be known as I.T. Central Circle, Allahabad.

8. The above order shall supersede all earlier orders in this respect and shall take effect from 1st June, 1982.

S. DWIVEDI  
Commissioner of Income-tax  
(Central), Kanpur

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2681—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Morena on 5-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1 Vishambha Nath (2) Lakshchandra (3) Sitaram  
S/o Shyamal Santosh Kumar S/o Padamchandra  
through Harishchandra Agrawal & Haushchand  
Agrawal S/o Radhe Lal P/o M/s Chethamal Ramdayal  
Morena, Strand Road, Agra.  
(Transferor)
- (2) Shekadevi Garg W/o  
Shri Rameshchandra Garg, Morena.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot at Block No. 6 Ward No. 14, Morena (Part)

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-82  
Seal :

## FORM IINS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2682.—Whereas I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on 5-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Vishambhai Nath (2) Tekamchandra (3) Sitaram S/o Shayamlal Santoshkumar S/o Padamchandra through Harishchandra Agarwal & Harishchandra Agrawal s/o Radhelal P/o M/s Chetharmal Ramdayal, Morena, Strand Road, Agra.  
(Transferor)

(2) Ramarani W/o Shri Omprakash Garg, Morena,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot at Block No. 6 Ward No. 14 Morena (Part).

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Ganesh Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated : 11-6-1982

Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th June 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ]2683.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Morena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on 5-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Vishambharnath (2) Tekamchandra (3) Sitaram  
S/o Shyamal Santoshkumar S/o Padamchandra  
through Harishchandra Agarwal & Harishchandra  
Agrawal S/o Radhelal P/o M/s Chetharmal Ram-  
daval Morena, Strand Road, Agra  
(Transferor)

(2) Sudhansu Garg W/o  
Mohandal Garg R/o Dharamsala  
Oli Nagar, Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot at Block No. 6 Ward No. 14 Morena (Part).

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—166 GI/82

Dated : 11-6-1982

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 11th June 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ[2684].—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot situated at Morena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Morena on 4-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Vishambharnath (2) Tekamchandia (3) Sitaram S/o Sityambar Santoshkumar S/o Padamchandra through Harischandra Agarwal & Harishchand Agrawal s/o Radhelal P/o M/s Chetharmal Ramdayal, Morena, Strand Road, Agra.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shashibala Gaig W/o Rajeshkumar Gaig R/o Dharmasa, Oli Nagar, Morena.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Plot at Block No. 6 Ward No. 14 Morena (Part).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri J. D. Singh  
R/o 84, Narmada Road,  
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Hargjeetsingh Oberoi,  
R/o 1421, Narmada Road, Jabalpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th June 1982

Ref. No. IAC(BPL)ACQ/2685.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 443, Sheet No. 283 situated at Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 443, Sheet No. 283, situated at Gorakhpur, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Kapporsingh S/o late Shri Hiralal Pawar  
Director of Ashirvad Market, Ganjipura, Jabalpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Biharilal S/o Shri Babulal  
R/o Tularam Chowk, Jabalpur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.  
Bhopal, the 14th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2686.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 23A & 23B situated at Ashirvad Market, Ganjipura, Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 23-A & 23-B situated at Ashirvad Market, Ganjipura, Jabalpur.

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated ; 14-6-1982.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM JTNS—

(1) Shri J. D. Singh,  
R/o 84 Narmada Road, Jabalpur

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 14th June 1982

Ref. No. IAC-BPL/ACQ/2687—Whereas I D P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 443, Sheet No. 283 situated at Gorakhpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5/10/1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 443, Sheet No. 283, Gorakhpur, Jabalpur.

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kapoor Singh S/o late Hiralal Pawar  
Director of Ashirvad-Market, Ganjipura, Jabalpur,  
(Transferor)
- (2) Shri Gulab Patel  
S/o Phoolchand Patel,  
R/o Cherital, Jabalpur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2688.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 36 situated at Ashirvad Market, Ganjipura, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Shop No. 36, situated at Ashirvad Market, Ganjipura, Jabalpur.

D. P. PANTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-6-1982

Seal :

**FORM ITNS.**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 14th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2689.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 443, Sheet No. 283 situated at Gorakhpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely :—

(1) Shri J. D. Singh,  
R/o 84, Narmada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri J. Mittal,  
R/o 89, Narmada Road, Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 443, Sheet No. 283 situated at Gorakhpur, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated : 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th June 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ]2690—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 84 situated at Jawaharmarg, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Dhayavanti W/o Shri Sadhuram through power of attorney Manoharlal S/o Sadhuramji R/o 36, Palsikar Colony, Indore (M.P.).  
(Transferor)

(2) Shri Bhinder Kumar S/o Shri Laxmandas through Laxmandas S/o Ochham R/o 18 Palsikar Colony, Indore (M.P.).  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Part of House No. 84 situated at Jawaharmarg, Indore.

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated : 9-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt Sharda Devi W/o Shri Santoshkumar through power of attorney Shri Manoharlal S/o Sadhuramji F/o 36 Palsikar Colony, Indore (M.P.)  
(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Laxmandas through Guardian Laxmandas S/o Ochiramji R/o 18, Palsikar Colony, Indore (M.P.)  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2691.—Whereas I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

House No. 84 situated at Jawaharmarg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of House No 84 situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—166 GI/82

Dated : 9-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th June 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ/2692.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 39 situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Indore on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kusumbai W/o Shri Raingopalji, Santosh and Manakumar S/o Ramgopal, Purshottam S/o Ramgopal, Ratanlal S/o Laxminarain, Ghanshyam S/o Laxminarain, R/o Jawahar Marg, Indore, Tarmani, Pushpa

(Transferor)

(2) 1. Shri Mothilal S/o Krishnalalji Sharma  
2. Kanchanbai W/o Mothilalji Sharma  
R/o 39, Jawahar Marg, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 39 situated at Jawaharmarg, Indore

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, BHOPAL

Dated : 9-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shakuntala Verma w/o Shri Sureshkumar Verma, R/o Radha Niwas, Dharampeth, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s. Age of Enlightenment Publications, through Shri Anoop Kumar Verma s/o Shri S. B. Verma, 2. Shri Rajiv Arora w/o Shri Balbir Kumar Arora, R/o Vyohar Bag, Jabalpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2693.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50, 50/1 to 50/12 situated at Gorakhpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 17-10-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House Nos. 50, 50/1 to 50/12, Plot No. 158 at Gorakhpur, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref No. IAC/BPL/ACQ/2651.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 375/11 & 378 situated at Jalpadevi Ward, Mudwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri Lallu alias Shri Sureshkumar  
S/o Shri Rangopal Kachi,  
R/o Jalpadevi Ward, Mudwara.

(Transferor)

(2) Smt. Nevandhai W/o Shri Badhumal Sindhi  
C/o Dayal Stores, Gurunanak Ward,  
Mudwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Plot bearing Kh. No. 375/11 & 378 situated in Jalpa Devi Ward, Mudwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No IAC/BPL/ACQ/2652.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Kh No 375 11 & 378 situated at Jalpadevi, Ward, Mudwara  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 5-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Lallu alias Shri Sureshkumar  
S/o Shri Ramgopal Kachi,  
R/o Jalpadevi Ward, Mudwara  
(Transferor)
- (2) Shri Hotchand S/o Shri Janimal Sindhi Sakin  
R/o Gurunanak Ward, Mudwara Teh. Distt.  
Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot bearing Kh No 375/11 378 situated in Jalpadevi Ward, Mudwara

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated / 6/1982  
Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC BPL/ACQ/2653.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 121 situated at Budhwari Bazar, Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on 22-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Sitaram Agarwal,  
2. Shri Ramshanker Agarwal,  
3. Shri Sureshkumar Agarwal S/o Shri Bhagwandas Agarwal, R/o Chhota Bazar, Chhindwara.  
(Transferor)
- (2) Shri Devendrakumar S/o Shri Ramlaji Jain, R/o Gulabara, in front of Sub-Registrar Office, Chhindwara.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 121 situated in Budhwari Bazar, in front of Patni Cinema Talkies, Ward No. 22, Chhindwara. The plot area is 1138 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 7-6-1982  
Seal:

## FORM ITNS

- (1) Smt. Vimla Devi W/o Shri Dashrathlal Khandelwal  
R/o Link Road Bilaspur  
(Transferee)
- (2) Dr. Ravindra Kumar Bajaj  
S/o Shri Daulatram Bajaj  
C/o Bajaj Brothers, Main Road (old) Juna Bilaspur,  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref No. IAC/BPL/ACQ/2654.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Kh. No. 659/3 646 6, 178 Sheet No. 9 situated at Joona Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 23-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 659/3, 646 6 sheet No. 9, Plot No. 178 situated on Link Road, with measuring 9407 Sft. at Joona Bilaspur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Bhajanlal S/o Rammanorthalal  
F. o New Shanti Nagar, Raipur (M.P.).  
(Transferor)  
(2) Smt. Urmila Subhaniya W/o Shri Gudharilal  
R/o Gudiyari, Raipur (M.P.).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2655.—Whereas I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 438/52 situated at New Shanti Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 7-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing No. 438/52 situated at New Shanti Nagar, Raipur and house.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. L. Nagai, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

- (1) Shri Bhajanlal S/o Ramunanthalal  
R/o New Shanti Nagar, Raipur (M.P.).  
(Transferor)  
(2) Smt. Vijaya Namdev W/o Narayan Namdev  
R/o Shankar Nagar, Raipur (M.P.).  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal the 7th June 1982

Ref No. IAC BPI ACQ 2656.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 438/52 situated at New Shanti Nagar, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 7-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the 'apparent consideration' therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

House and land 438/52 (Part) situated at New Shanti Nagar, Raipur

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangaji Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said, to the following persons, namely  
25—166 GIJ82

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS-

(1) Shri Bhajantil S/o Shri Rammanoththal  
K/o New Shanti Nagar, Raipur (M.P.).  
(Transferor)

(2) Shri Sajankumar S/o Shri Hari Ram  
K/o Gudiyati, Raipur (M.P.).  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/BPI/ACQ/2657—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 438/52 situated at New Shanti Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 7-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 538/52 situated at New Shanti Nagar Raipur and House.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Flr of Gangotri Building  
T T Nagar Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC(BPI)ACQ/2658.—Whereas I, D.P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 72/2 situated at Vill. Lakoli, Rajanandgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajanandgaon on 3-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Babulal Manek and Dhansibhai Manek  
S/o Smt. Popatlal Manek,  
R/o Rajanandgaon.  
(Transferor)
- (2) M/s Agarwal Trading Company Ram Deen Marg  
Rajanandgaon through Partner Shyamsundar,  
S/o Muthilal Agrawal, Rajanandgaon (M.P.).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Kh. No. 72/2 situated at Vill. Lakoli Rajanandgaon with House, Godown and Well.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 7-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. LAC/BPL/ACQ/2659.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Mandi Ward No. 3, Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on 22-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dataram and Rajaram Gupta  
S/o Dharshanlal and Dharshala  
S/o Ramprasad,  
R/o Dharmashala Oli Nagar Morena (M.P.).  
(Transferor)

(2) Smt. Mangiliya Devi Jain W/o Shri Babulal Jain  
R/o Gram Baretha Hal Padav Thana, Morena.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House and Shop situated at Mohalla Rui Ki Mandi Ward No. 3 Nagar Morena.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 7-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref No. IAC BPL/ACQ/2660.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 199 3 situated at Shankar Bazar Ward, Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Morena on 19-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dharshala S/o Ramprasad, Datharam & Rajaram Gupta, S/o Darshanlal, R/o Dharamshala, Oili Nagar, Morena.  
(Transferor)

(2) Shri Prasant Kumar S/o Harihchand Jain, Guardian Smt. Mangali Devi W/o Shri Babulal Jain, R/o Vill. Beratha At present Padav, Purani Kothwali, Morena  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House-Shop Municipal No. 1993 situated at Shankar Bazar, Ward, Sl. No. 3, Morena.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2661.—Whereas I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/433 situated at Shinde ki Chhawni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hridaya Narain S/o Shri Ramnarayanji Kaul R/o Ram Bagh Colony, Shinde Ki Chhawni, Lashkar, Gwalior (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Dhiraj Singh S/o Shri Sohan Singh R/o Gujri Mahal Lane, Back side of High Court Lashkar, Gwalior (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and House bearing Municipal No. 24/433 situated at Ram Bagh Colony; Shinde Ki Chhawni, Lashkar, Gwalior.

**D. P. PANTA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sudal S o Shri Baldeoji Dagji  
R/o 14/4 Kedhabin Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Girishvamdas c/o Laxmidas  
R/o 12 Triveni Colony, Indore

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P

Bhopal, the 18th May 1982

Ref. No IAC BPL ACQ/2662.—Whereas I, D. P. PANTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 72 situated at Triveni Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House at Triveni Colony, Indore on plot No 72

D. P. PANTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. I. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated 18.5.1982

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 10th May 1982

Ref. No. IAC|ACQ|BPL|2663 — heWreas I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 211, situated at Palsikar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Smt. Shanti Devi (2) Subhaschandra (3) Murli-dhar (4) Manohar (5) Suresh Kumar (6) Arjun (7) Dinesh (8) Ashadevi (9) Vijay Laxmi (10) Kum. Sadhana (11) Usha Devi, R/o Choti Gwaltoli, Indore

(Transferor)  
(2) Shri Ashok Kumar S/o Ramdas Gureja,  
(2) Shri Kanhaiyalal S/o Ramdas Gureja,  
R/o 161, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. 211 Palsikar Colony, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T T Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely .

Dated : 10-5-1982

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mumtaz Mohamad  
S/o Shri Hafiz Murad Mohd  
R/o Jahangirabad, Bhopal

(Transferor)

(2) Shri Subhashchandra Agrawal  
S/o Shri Phoolchand Agarwal  
R/o Chawk, Bhopal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2664—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 888 situated at Pulbogdha, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 26-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot bearing No. 888 situated at Pulbogdha, Bhopal

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—166 GI|82

Dated : 8-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P

Bhopal the 8th June 1982

Ref No IAC|BPI|ACQ|2665—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House situated at Bal Vihar Road Ghora Nakkas, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 17-10-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Khemchand S/o Tarachand through Smt Bhagwati Bai W/o Tarachand Ghora Nakkas Bhopal (Transferor)
- (2) Jiaram Charitable Trust—through Trustee & President Shri Sadorimil R/o Sindhi Colony Bhopal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House situated at Bal Vihar Road Ghora Nakkas, Bhopal

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range  
4th Floor Ganpati Building  
T T Nagar, Bhopal

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated 8.6.1982  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2666.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House — situated at Regiment Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-10-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sardar Jawahar Singh S/o Sardar Kishan Singh  
R/o Regiment Road, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Smt. Gurumel Kaur W/o Sardar Ranjit Singh  
R/o Chhanawala Gate, Ward No. 6  
Ahmadgarh Mandi Distt. Sangrur Punjab  
at Present Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House situated at Regiment Road Shahanaabadi, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Intzar Hussain S/o Shri Mumtaz Hussain through : Shri Mumtaz Hussain S/o Shri Javvar Hussain R/o Mazahar Manzil Ali Ganj, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Shahrukh Javed Chisti w/o Shri Javed Masud Chisti through : Shri Shamshuddin Timber Merchant Mandi Road, Pul Patara, Bhopal. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC<sup>1</sup> BPI /ACQ/2667.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House—situated at Barkhedi Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House situated at Barkheri, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T T Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-6-1982  
Sect : \_\_\_\_\_

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narayan Prasad S/o late Shri Shivprasad Shirvastava R/o Shikuti Gurubux ki Tallaiya, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Shankuntala Devi W/o Muralil Talreja, R/o 109 D-Sector, Jamalpur, Bhopal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2668.—Whereas I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No.—House situated at Gurubux Tallaiya, Bhopal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on October 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House situated at Gurubux Ki Tallaiya, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—156G1/82

Dated : 8-6-1982  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC /BPL/ACQ/2669.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
House—situated at Gurubux Ki Tallaiya, Bhopal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on 26-10-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Narayan Prasad Shrivastava S/o late  
Shri Shivprasad Shrivastava  
R/o Shivkuti, Gurubux ki Tallaiya, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Smt. Padma Talreja W/o Shri Vasudev Talreja,  
R/o Jamalpura, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the India Income-tax Act, 1922  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House situated at Gurubux Ki Tallaiya, Ghopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range  
T. T. Nagar, Bhopal  
4th Floor, Gangotri Building

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 8-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Naryan Prasad Shrivastava S/o late  
Shri Shivdas Shrivastava  
R/o Gurubux Ki Tallaiya, Bhopal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Dropadidevi W/o Shri Dashrathkumar  
R/o Jamalpura, Bhopal

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref No IAC RPI / ACC Q/2670—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No.

House—situated at Gurubux Ki Tallaiya, Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 26-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House situated at Gurubux Ki Tallaiya, Bhopal

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 8-6-1982  
Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Hargovind S/o Parsa Kamariya  
R/o Thatipur, Murar, Distt. Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Sadhuram S/o Shri Rishiram Prathan  
R/o Tipara, Murar, Gwalior.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2671.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/1 situated at Thatipur, Murar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 1st October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

House No. 12/1 situated at Vill. Thatipur, Murar Distt., Gwalior.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 7-6-1982  
Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Basant Rao S/o Trimbak Rao  
R/o Chhatri Bazar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Kamla Singh S/o Shri Bhavani Singhji  
R/Sinde Ki Chhawni, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC BPI / ACQ/2672.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 6 situated at Shinde Ki Chhawni, Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 3rd October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property situated at Nogaji Road, Shinde Ki Chhawni Lashkar, Gwalior, Ward No. 6.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Gopilal Jain S/o Shrilal Jain  
R/o Mandi, Guna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gattulal S/o Chhuttal Lal  
R/o Nau Sarak, Guna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2673.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House—Ward No. 18 situated at Puktha Bhavan, 3rd floor, Guna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guna on 14-10-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

House — situated at Ward No. 18, Guna.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

NOW therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 8-6-1982  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGI, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2674.—Whereas I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Puktha Bhavan, Guna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guna on 14-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gopilal Jain  
S/o Shrilal Jain,  
R/o Mandi, Guna.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar S/o Shri Gattulal Jain,  
R/o Nai Sarak, Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

House situated at Ward No. 8, Guna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 7-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gopilal Jain S/o Sharilal Jain, Mandi Guna.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhankumar S/o Shri Gattuall Jain  
R/o Nai Sarak Guna  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2675.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. House Ward No. 18 situated at Mandi Piagan, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guna on 14th October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of House situated at Ward No. 18, Guna.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 8-6-1982  
Seal

## FORM ITNS

(1) Dr. Vimal Kumar  
S/o Shri Motihilal  
R/o Bina Pargana (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Kundanlalji Bharti  
S/o Shri Ranjulalji  
R/o Chanderi, Pargana, Mungavali.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2676.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 24, Ward No. 9 situated at Kasba Chanderi Pargana, Mungavali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mungavali on 3rd October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House bearing No. 24 situated at Chanderi Pargana, Mungavali.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 8-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th June 1982.

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2677.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at Radha Vallabh Ward, Gadarwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadarwara on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Manoharlal, S/o Hiralal, R/o Jabalpur.  
2. Arunkumar, S/o Harishanker, R/o Jabalpur.  
3. Anilkumar, S/o Jankiprasad Bania, R/o Gadarwara.  
4. Babulal, S/o Chaturbhuj Bania, R/o Gadarwara. (Transferor)
- (2) 1. Hemandas, S/o Parasram Sindhi, Cloth Merchant  
2. Mohandas, S/o Jhamandas, Cloth Merchant, R/o Radha Vallabh Ward, Gadarwara, Jubalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of house and land No. 119 situated in Radha Vallabh Ward, Gadarwara.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-6-1982  
Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 18th May 1982

Ref No IAC BPI ACQ 2678 —whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at Gadarwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadarwara on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (1) 1. Manoharlal, S/o Hiralal, R/o Jabalpur.  
2. Arunkumar, S/o Harishanker, R/o Jabalpur.  
3. Anilkumar, S/o Jankiprasad Baria,  
R/o Gadarwara  
4. Bibbul S/o Chaturbhuj Baria, R/o Gadarwara  
(Transferor)

- (2) Shri Hemandas S/o Parasram Sindh  
Cloth Merchant  
Shri Mohandas, S/o Hemandas, Cloth Merchant  
R/o Radha Vallabh Ward Gadarwara Jabalpur  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of the house No. 119 at Radha Ballobh Ward Gadarwara and land including all the immovable properties described in the Form No. 37G verified by the transferee, the document for transfer of which was registered in October, 1981 in the Office of the Registering Officer at Gadarwara under Registration Number 2861

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
1st Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1982  
Seal .

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC]BPL|ACQ|2679.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Shinde Ki Chhawni, Lashkar, Gwalior Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gwalior on October, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Abant Rao S/o Trikamkraoji  
R/o Chhatri Bazar, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)
- (2) Ved Prakash Sharma S/o Ramprasadji  
Tansen Road, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property situated at Nogaia Road, Shinde Ki Chhawni, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 8-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Gopaldas s/o Shri Kishandas,  
R/o 51-A, Idgah Hills, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Makhija s/o Shri N. D. Makhija,  
R/o 26, Shimla Road, Bhopal.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th June 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ/2680.—Whereas, I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—166 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4 situated at Idgah Hills, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-6-1982  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th May 1982

Ref. No. IAC[BPI]ACQ[2606].—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 607/1 situated at Jaiprakash Ward, Mudwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rammnarain S/o Shri Bishnath Through Smt. Prembai W/o late Bisnath Badhui R/o Jaiprakash Ward, Mudwara. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sunderdas s/o Shubnath Kachi R/o Jaiprakash Ward, Mudwara. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land bearing Kh. No. 607/1 is situated in Jaiprakash Ward, Teh. Mudwara, Distt. Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 28-5-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ramnath s/o Shri Bishnath  
Through Smt. Prembai W/o late Bishnath  
R/o Jaiprakash Ward, Mudwara  
(Transferor)
- (2) Shri Sarmanal s/o Ram Sunder Kachhi,  
R/o Jaiprakash Ward, Mudwara  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th May 1982

Ref No IAC/BPI ACQ/2605 —Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Kh. No. 607/1 situated at Jaiprakash Ward, Mudwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on 12/10/1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land bearing Kh. No. 607/1 measuring 0.583 hectare is situated in Jaiprakash Ward, Mudwara Teh. Madwara, Distt. Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 28-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Rammnarain S/o Shri Bishnath Through Smt. Prembai Wd/o late Bishnath Badhai R/o Jaiprakash Ward, Mudwara. (Transferor)
- (2) Shri Hemnath S/o Ramsunder Kachi. R/o Jaiprakash Ward, Mudwara. Teh. Distt. Jabalpur. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th May 1982

Ref. No. IAC[BPL]ACQ/2607.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 607/1 situated at Jaiprakash Ward, Mudwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Katni on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 607/1 is situated in Jaiprakash Ward, Teh. Madwara, Distt. Jabalpur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref No A P No 3174—Whereas, I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 1 per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Phagwara on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Manjeet Singh S/o Sh. Kirpal Singh R/o Subhash Nagar, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Singh S/o Sh. Amar Singh and Sh. Amar Singh S/o Sher Singh R/o Rani Pur Tch. Phagwara.  
(Transferee)

- \*(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- \*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 1687 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1982

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR  
Jalandhar, the 8th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3175.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

(1) Shri Uttam Jit Singh S/o Sh. Kirpal Singh R/o Subhash Nagar, Phagwara.  
(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh, Avtar Singh SS/o Sh. Amar Singh R/o Rani Pur Teh. Phagwara.  
(Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1629 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : '8-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shrimati Sureshta Ghai W/o Sh. R. S. Ghai R/o  
Kothi No. 276, Sector 37-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Pritam Kaur D/o Sh. Jawala Singh R/o H. No.  
6/64, Near Head Post Office, Zira.  
(Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3176.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3769 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Zira.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3177.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sirki Bz, Ferozepur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Kumar Malhotra S/o Sh. Babu Lal Malhotra R/o Bazar Ram Sukh Dass, Ferozepur. (Transferor)

(2) M/s. Guru Nanak Ice Factory, Ferozepur through Sh. Kharaiti Lal R/o Sirki Bazar, Ferozepur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4904 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-6-1982

## FORM ITNS—

- (1) Shri Krishan Kumar Malhotra Slo Sh. Babu Lal  
Malhotra R/o Baza Ram Sukh Dass, Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) M/s Guru Nanak Ice Factory, Ferozepur through  
Smt. Kesro Devi Wd/o Sh. Chuni Lal R/o Moh  
Dullianwala, Ferozepur City  
(Transferee)

"(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said income-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or revision of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 4905 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jalandhar

Date : 8-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
29—166 GI/82

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAI ANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref No A.P. No 3179—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

No As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harmeet Singh S/o Sh. Labh Singh R/o Gali No 1115 Mandi Abohar  
(Transferee)

(2) Shri Indeep Krishan Saluja S/o Sh. Perva Lal R/o Vill. Kandhwala, Amalkot, Teh. Fazika  
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2645 of Nov., 1981 of the Registering Authority, Abohar,

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-6-1982

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3180.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jai Gopal S/o Sh. Sada Nand Singh and Mukhtiar Khas Smt. Shakuntala Devi, Kailash Vati, Sisters, R/o Shop Cum Flat No. 3, Sector 20-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh Ahluwalia, S/o Dr. Gurcharan Singh & Smt. Harbhajan Kaur W/o Sh. Kuldip Singh R/o H. No. 111/50 and New No. 12/89, Ward No. 12, Zira.

(Transferee)

"(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3722 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Zira.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-6-1982  
Seal :

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th June 1982

Ref. No. A.P. 3181.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Harnam Singh S/o Sh. Boor Singh Phagwara  
G. A. of Sh. Sehdev Singh S/o Sh. Rajeshwar  
Singh R/o 187 Civil Line, Jalandhar.  
(Transferor)

(2) Smt. Kanta Aggarwal W/o Shri R. L. Aggarwal,  
Advocate, 270-Central Town, Jalandhar.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)  
(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No 1840 of Oct., 1981 of the Registering Authority,  
Phagwara.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sohan Lal, Ved Parkash SS/o Sh. Diwan Chand R/o Piemgarh, Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Pritpal Singh, Kuldip Singh and Devinder Singh SS/o Sh. Ram Singh R/o Bajwara Khurd Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3128 of Oct., 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3183.—Whereas, T. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Brij Lal S/o Wasakha Ram & Smt. Sureet Goel D/o Sh. Amar Nath Goel and Sudershan Kumar S/o Soni Ram C/o M/s Sudershan Karyana Store, Court Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar & Akhil Kumar S/o Sh. Madan Lal and Mrs. Sadhna W/o Sh. Rajan Soni, Street No. 10, Bibi Wala Road, Bhatinda

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property : 630 Sq. Yards in Kh. No. 2450 situated at Bhatinda as mentioned in Registered Deed No. 4542 of Oct., 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3184.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shrimati Ram Dulari W/o Sh. Harbans Lal Sharma Koti No. 501-R, Model Town, Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Malminder Kaur D/o Sh. Rajinder Singh R/o 52, Radio Colony, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property: Koti No. 501-R, Model Town, Jalandhar (portion) as mentioned in registered sale deed No. 4427 of Oct. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3185.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedules annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Ram Dulari W/o Sh. Harbans Lal Sharma, Kothi No. 501-R, Model Town, Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sukhvir Singh S/o Sh. Surinder Pal Singh R/o 52, Radio Colony, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property : Kothi No. 501-R, Model Town, Jalandhar (portion) as mentioned in registration sale deed No. 4806 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3186.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Madan Lal S/o Sh. Malang Ram, R/o Ali Mohalla, Brandrath Road, Jalandhar.  
(Transferor)

(2) Shrimati Kaushalya Devi wife of Sh. Lajpat Rai, W. C. 121, Kucha Zail Garh, Jalandhar.  
(Transferee)

(3) As So No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDEULE

Property House No. W-D-312 (Potion) situated at Ali Mohalla, Brandrath Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4486 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—166 GI|82

Date : 10-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Lal So asauW Ram r/o Ali Mohalla,  
Brandrath Road, Jalandhar.  
(Transferor)

(2) Shrimati Kaushalya Devi wife of Sh. Lajpat Rai,  
W. C. 121, Kucha Zail Garh, Jalandhar.  
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3187.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wth the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property House No. W-D-312 (Portion) situated at Ali Mohalla, Brandrath Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4904 of Nov., 81 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3188.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Roop Lal S/o Sh. Wasau Ram, r/o Ali Mohalla, Brandrath Road, Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Kaushalya Devi wife of Sh. Lajpat Rai, W. C. 121, Kucha Zail Garh, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property House No. W-D-312 (Portion) situated at Ali Mohalla, Brandrath Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 5009 of Nov., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

**J. L. GIRDHAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3189.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jany., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Fatch Chand Slo Sh. Wasau Ram. Ali Mohalla, Brandyath Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Srimati Kaushalya Devi wife of Sh. Lajpat Rai, W. C. 121, Kucha Zail Garh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property House No. W.D. 312 (Portion) situated at Ali Mohalla, Brandyath Road, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6139 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P No. 3190.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Wadala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Lalji Davinder Singh S/o Sh. Gurdas Singh R/o Vill. Khurla Kingra (Garden Colony), Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurpartap Singh S/o Sh. Kuldip Singh R/o Vill. Wadala Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property land measuring 11 Kls. in Kh. No. 697[1, 694]1 situated at V. Wadala teh. Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4608 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3191.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Wadala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Lalji Devinder Singh S/o Sh. Gurdas Singh R/o Vill. Khurla Kingra (Garden Colony), Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurpartap Singh S/o Sh. Kuldip Singh R/o Vill. Wadala Teh. Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As So No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 11 KJs. in Kh. No. 693/1 694/1, 700/2 situated at V. Wadala Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4666 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

**J. L. GIRDHAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3192.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Wadala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Lalji Devinder Singh S/o Sh. Gurdas Singh R/o Vill. Khurla Kingra (Garden Colony), Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurpartap Singh S/o Sh. Kuldip Singh R/o Vill. Wadala Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As So No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land measuring 11 Kls. in Kh. No. 706[1, 699 situated at Village Wadala teh. Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4756 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3193.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Wadala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Lt. Col. Lalit Devinder Singh S/o Sh. Gurdas Singh R/o Vill. Khurla Kingra (Garden Colony), Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Gurpartap Singh S/o Sh. Kuldip Singh R/o Vill. Wadala Teh. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As So No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHFDULE

Property land measuring 10 Kls. & 11 Mls. in Kh. No. 699 min. 698, 7001 situated in Village Wadala tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4766 of Oct., 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1982

Ref. No. A. P. No. 3194.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Dec., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—166 GI/82

- (1) Shri Harinderji Singh S/o Sh. Pritam Singh R/o V. Bajewala, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) Shri Inder Singh S/o Sh. Hira Singh, Jaswinder Singh S/o Sh. Inder Singh, Smt. Jai Kaur W/o Sh. Inder Singh, & Smt. Jasbir Kaur D/o Sh. Inder Singh, r/o V. Karaiwala, Teh. Phul Distt. Bhatinda  
(Transferee)
- (3) A. So No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property House No W-3/H-101 situated at Water Work Road, Mansa as mentioned in the registration serial No. 4171 of December, 81 of the Registering Authority Mansa.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 10-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 11th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3195.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Harash Pal Singh  
S/o Shri Surinder Singh  
R/o Moh. Satnam Pura, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Rani d/o Shri Mulakh Raj  
R/o Kapurthala.  
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1762 of October 1981 of the Registering Authority Phagwara.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1982

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref No AP No 3196—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Narinder Pal Singh  
S/o Shri Gian Singh and  
Gian Singh s/o Bhagat Singh,  
G. M. Valves, Add Bastian  
Bazar Bansal Wala,  
Jalandhar  
(Transferor)
- (2) M/s. General Hardware Pvt. Ltd.  
Bazar Kesarian,  
Jalandhar  
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property factory building Kh. Nos 9955, 9956, 9960 9961 and 9962, Lama Pind, Jalandhar, as mentioned in the registration sale deed No. 4816 of 10/81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref.No. A.P. No. 3197.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Jaswant Singh son and Smt. Harjot Kaur Wd/o Shri Lekh Singh Through G.A. Shri Kartar Singh, New Rly. Road Jalandhar. (Transferor)
- (2) S/Shri Narinder Pat Singh and Sukhvinder Singh S/o Shri Tarlok Singh, 263, Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property shop situated at New Railway Road, Jalandhar mentioned in the registration sale deed No. 4418 of October 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 14-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3199—Whereas, I,  
I. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
bearing No. As per Schedule situated at  
Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jalandhar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (1) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Balmohan Singh  
G.A. of Sh. Gurpax Singh R/o 516, Model Town,  
Jalandhar (Transferor)
- (2) Sh. Gurmeet Singh Batra S/o Sh. Harpreet Singh,  
516 L Model Town, Jalandhar (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days** from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property Kothi No. 449 R Model Town, Jalandhar (portion)  
as mentioned in the registration sale deed No. 4545 of  
Oct. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 14-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref No A P No 3198—Whereas, I,  
**J. L. GIRDHAR,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing  
 No. As per Schedule situated at  
 Jalandhar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Jalandhar on Oct, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Gurdev Singh So Sh Prem Singh 516, Model Town Jalandhar (Transferor)
- (2) Sh Baljit H Singh W/o Sh Harpreet Singh 516 1, Model Town, Jalandhar (Transferee)
- (3) As S No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property Kothi No 449-R (Portion) Model Town Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4487 of Oct 81 of the Registrating Authority Jalandhar.

**J. L. GIRDHAR,**  
**Competent Authority,**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,**  
**Acquisition Range, Jalandhar.**

Date : 14-6-1982  
 Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Sh Tirath Ram &/o  
Sh Durga Dass &/o Nakodar. (Transferor)
- (2) Sh Rachpal Singh Bhagwant Singh  
&/o Sh Ajit Singh &/o Nakodar (Transferee)
- (3) A.S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
Person whom the undersigned knows to be interested in the property

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANCE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No 3200.—Whereas, I,  
**J. L. GIRDHAR,**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no.

No. As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2074 of Oct 1981 of the Registering Authority, Nakodar

**J. L. GIRDHAR,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Rance, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A. P. No 3201.—In Writs, I.  
J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

a per Schedule situated at Kotkupura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Asa Singh S/o Sunder Singh,  
near Durga Mandir and New Bus Stand,  
Kot-Kapura, Distt. Faridkot.  
(Transferor)
- (2) Sh. Harnamdev Singh S/o Mukhtiar  
Singh K/o Jattu Road, Kotkupura,  
Distt. Faridkot  
(Transferee)
- (3) An S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Property land measuring 32 Kls. & 1 Ml. situated at Kot-Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 3091 of Oct. 81 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Maya Devi W/o Sh. Nanak Chand, Mahashwari Street, Shastri Market, Kot Kapura, Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Sh. Hardeep Singh So Sh. Malkiat Singh R/o Faridkot Road, New Focal Point, Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3202.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on Dec 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

## THE SCHEDULE

Property land measuring 32 Kls. situated at Kot Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 3632 of Dec. 81 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

32—166 G.I./82

Date : 14-6-1982

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th June 1982

Rsl. No. A.P. No 3203.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. As per Schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on Dec 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt Maya Devi W/o Sh. Nanuk Chand through Sh. Sat Narain, Mahshwari Street, Kodd Kapura, Distt. Shastri Market, Faridkot (Transferor)
- (2) Sh. Malkiat Singh S/o Sunder Singh R/o Faridkot Road, New Focal Point, Kot-Kapura Distt. Faridkot (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 32 KIs situated at Kot-Kapura as mentioned in the registering sale deed No 3766 of Dec 81 of the Registering Authority, Faridkot

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Sh. Raj Kumar S/o Sh. Ram Chand  
R/o Saddar Bazar, Bhatinda. (Transferee)  
 (2) Sh. Gamdoor Singh S/o Jalaun  
Singh R/o Bhatinda. (Transferee)  
 (3) As S. No. 2 above.  
 (Person in occupation of the property)  
 (4) Any other person interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**
**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**
**OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE TULLUNDUR**

Tullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3204 J Whereas, I,  
 J. L. GIRDHAR,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs.  
 25,000/- and bearing No.  
 As per Schedule situated at  
 Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908), in the office of the Registering Officer at  
 Bhatinda on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**

The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer,  
 and/or

(b) facilitating or concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 1B-19B situated at Bhatinda as  
 mentioned in the registering sale deed No 4604 of Oct. 1981  
 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, TULLUNDUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 14-6 1982

Seal .

**FORM ITNS —****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3205.—Whereas, I,  
**J. L. GIRDHAR**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per Schedule situated at Bhatinda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Oct. 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ved Parkash S/o Sh. Chanan Ram, Saddar Bazar, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Sh. Gamdoor Singh, Bikar Singh S/o Jalour Singh R/o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XIX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 3 B. 15 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 4524 of 10/81 of the Registering Authority, Bhatinda.

**J. L. GIRDHAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Date : 14-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, TULLUNDUR

Jalandhar, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3206.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sohan Lal &/o Balouri Ram, attorney of Smt. Sneh Lata etc.  
&o Saddar Bazar, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Sh. Gamdoori Singh &/o Jalou Singh  
&o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property land measuring 1B. 17 $\frac{1}{2}$ B. situated at Bhatinda as mentioned in the registration deed No. 4796 of Oct. 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, TULLUNDUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14.6.1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Kartar Singh S/o Sh. Puran Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Parmjit Singh S/o Chanan

Singh R/o Ramsaran & Iqbal Singh S/o Chand Singh R/o Bangi Ruldu and Harinder Singh S/o Gurbachan Singh R/o Bangi Raghuwala and Natha Singh S/o Jamiat Singh R/o Mandi Sangatwala, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3207—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinabove referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at  
Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Office at Bhatinda on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe, that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Property land measuring 3 B.O.B situated at V. Bhatinda  
as mentioned in the registration sale deed No. 4913 of Oct.  
1981 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:

Date : 11-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1982

Ref. No. A.P. No 3208.—Whereas I,

J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Jagroop Singh S/o Sampuran Singh R/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) Sh. Chand Singh and Naib Singh S/o Chand Singh r/o V. Ramsaran Distt. Bhatinda (Transferee)
- (3) As S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 3B.O. B situated at Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 4914 of Oct. 81 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Date : 14-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th June 1982

Ref. No. A.P. No. 3209.—Whereas, I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at  
KotKapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Faridkot on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mehar Singh S/o Pirthi Singh through Sh Babu Singh S/o Pirthi Singh R/o Hira Singh Nagar, KotKapura Dist. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shiv Shanker Dass S/o Lekhi Ram R/o Ghasita Mal Street, Kot Kapura and Smt. Shanti Devi w/o Sawan Ram C/o Guru Nanak Tent House, KotKapura and Harish Kumar S/o Tarsem Nath R/o Piem Basti, Sangrur and Romesh Kumar S/o Bant Ram C/o Mangat Ram Aggarwal, Telephone Exchange, Kot Kapura. (Transferee)
- (3) As S No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. & 16 Mls. situated at KotKapura as mentioned in the registration sale deed No. 2960 of Oct. 81 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Date : 14-6-1982  
Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

(1) Smt. Raj Kumari w/o Puran Bal and Harish Bal S/o Puran Bal, 1/o W.D. 325, Brandrath Road, Jullundur.  
(Transferor)

(2) Sh. Hari Singh Parmar S/o Sh. Teja Singh Parmar r/o Sadar Phagwara Road, Jalandhar Cantt.  
(Transferor)

(3) As S. No 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th June 1982

Rsf. No. A.P. No. 3210.—Whereas I,  
J. L. GIRDHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of property No. W.D. 325, Brandrath Road,  
Jullundur as mentioned in the registration sale deed No  
4564 of Oct. 81 of the Registering Authority, Jullundur

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, JULLUNDUR

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

23-166 GI/82

Date : 15-6-1982

Seal

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1982

Ref No. A.P. No 3211.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (1) Shri Jagmohan Singh & Sarbjit Singh Sons and Smt. Jaswant Kaur W/o Ganga Singh W.G. 326, Adda Bastian, Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Neelam Malhotra w/o Shri Amarjeet R/o W.F. 127, Ali Mohalla, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property Plot No. 9 situated at Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 4717 of Oct. 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range Jalandhar

Date : 15-6-1982  
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : -

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PUNE-1.

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Thane/Oct. 81/719/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 13, Hissa No. 4, situated at Mouje Kousa, Tal & Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Thane on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendra Kaluram Sharma & Others 5, Subhashchandra Bose Road, Thane.  
(Transferor)  
(2) Shri Mohmad Hussein Hazi Suleman and others 5, 34, Nakhuda Street, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 13 Hissa No. 4 situated at Mouje Kousa, Tal & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 990 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 14-6-1982.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PUNE-1.

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. 1AC/CAS/SR.Thane/Oct. 81/720/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 13, Hissa No. 4, situated at Mouje Kousa, Tal & Dist. Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Thane on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mahendra Kaluram Sharma & Others 5,  
Station Road,  
Thane.  
(Transferor)

(2) Shri Ibrahim Haji Suleman and Others 5,  
34, Nakhuda Street,  
Bombay-400003.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 13 Hissa No. 4 situated at Mouje Kousa, Tal & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 991 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 14-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Hussenbhai Ali Bhai Khoja,  
Tembhi Naka Dhobi Ali,  
THANE.

(Transferor)

(2) Shri Gangji Kuvarji Sutara,  
Room No. J2, Savant Sadan,  
Ambedkar Road, Mulund (W),  
Bombay-400 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULL

Property bearing No. 112A/1 situated at Dombivali, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1636 in the office of the Sub Registrar, Kalyan in the month of Oct. 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982.  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE-I.

Pune-I, the 14th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Karvir/Oct. 81/722/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 762 situated at Village Nerli, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Babu Ibrahim Jamadar,  
At Tamgaon, Tal. Karvir,  
Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Sudashiv Dadasaheb Patil,  
Radha, Shivaji Housing Society,  
13th Lane, Rajarampuri,  
Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

**THE SCHEDULE**

Property bearing Gat No. 762 situated at Village Nerli, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3594 in the office of the Sub Registrar, Karvir in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 14-6-1982.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

Om-Vaswana S. Mehta,  
Pandit Din Dayal Marg,  
Vishnu Nagar,  
DOMBIVLI (WEST)  
Dist. Thane.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
PUNE-1**

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR.Kalyan/Oct 81/723/82-83.—  
 Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S. No. 19, Hissa No. 1 (Part) situated at Village Dombivli Tal Kalyan, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Kalyan on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 19, Hissa No. 1 (Part) situated at Village Dombivli, Taluka Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1302 in the office of the Sub Registrar, Kalyan in the month of Oct. 1981)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-6-1982.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
PUNE-1.**

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. IAC|CAS|SR.Panvel|Oct. 81|724|82-83.—Whereas  
 I. R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 C. S. No. 377, Municipal H. No. 577 situated at Urban, Tal. Panvel, Dist. Raigad  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 SR Panvel on Oct. 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Ramniklal Parmananddas Sarvade,  
 URAN,  
 Tal. Panvel, Dist. Raigad.

(Transferor)

(2) Sou. Meera Pandurang Limaye,  
 URAN, Tal. Panvel,  
 Dist. Raigad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing C.S. No. 377, Municipal House No. 577 situated at Uran, Tal. Panvel, Dist. Raigad.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 517 in the office of the Sub Registrar, Panvel in the month of October, 1981).

**R. K. AGGARWAL,**  
**Competent Authority**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Date : 14-6-1982.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Namdeo Pandurang Bahirat & Others,  
107, Bopodi,  
Pune-3.

(Transferor)

(2) Shri P. Narohna,  
Chairman, Sunway Co-op. Housing Society Ltd.  
Mahadeo Park, Kirkee,  
PUNE-400 003.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,  
PUNE-1.**

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Haveli-II|Oct. 81|725|82-83.—  
Whereas, I. R. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
S. No. 41-A-6-18 & S. No. 418-7-1C situated at Bopodi,  
Pune-3,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SR. Haveli-II on Oct. 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 41-A-6-18 & S. No. 418-7-1C,  
situated at Bopodi, Pune-3.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 5563 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II  
in the month of October, 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**R. K. AGGARWAL,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE-I

Pune-I, the 14th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Vasai/Oct. 81/726/82-83.—  
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 63, Hissa No. 1, situated at Village Sativali, Tal. & Post Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sr. Vasai on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Vinayak Govind Choudhari,  
At Vasalai, Post & Taluka Vasai,  
Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Ganesh Vartak & Others 5,  
At Tarkhed, Post & Taluka Vasai,  
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 63 Hissa No. 1 situated at Village Sativali, Tal. & Post Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1115 in the office of the Sub Registrar, Vasai in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinayak Govind Chaudhari,  
At Vasalai (Kaular Budruk), Post & Tal. Vasai,  
Dist. Thane.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE-1.

(2) Shri Arun Ganesh Vartak & Others 5,  
At Tarkhed, Post & Tal. Vasai,  
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Pune-1, the 14th June 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR-Vasai|Oct. 81|727|82-83.—

I, R. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 62, situated at Sativali, Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Vasai on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 62 of Village Sativali, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1114 in the office of the Sub Registrar, Vasai in the month of October, 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, PUNE-1**  
 Pune-1, the 31st May 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Maval/Oct.81/698/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 971+2 situated at Village Kune (Nane Maval) Tal. Maval, Dist. Pune  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Maval on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rajmachi Area Development Corporation through its Partner Shri Krishnarao Dhondiba Bhagde & Others Two.  
 At Talegaon Dabhade,  
 Tal. Maval,  
 Dist. Pune.

(Transferee)

(2) Happy Valley Corporation through its partners  
 1. Narcondrasinhji Mansinhji Chudasama,  
 2. Dr. Shamrao Kalmadi,  
 3. Mrs. Sunita Yogendra Trivedi,  
 4. Savailal Seth,  
 5. Mr. B. R. Patel,  
 Co. Poona Coxec House,  
 1250, J. M. Road,  
 Pune-411004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 971+2 situated at Village Kune (Nane Maval) Tal. Maval, Dist. Pune.

Property as described in the sale deed registered under document No. 1737 in the office of the Sub Registrar, Maval in the month of Oct., 1981.

R. K. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona

Date 31-5-1982  
 Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Visalakshi Maheswari Sathyaraj,  
U.S.S. Sridhar,  
96, Big Bazaar St., Uduvalpet.

(Transferor)

(2) Motors & Services (P) Ltd., 150,  
Avinashi Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6  
Madras-6, the 14th June 1982

Ref. No. F/11706.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS situated at 126, Uduvalpet Doc. 2957/81  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uduvalpet on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land at TS 126, Uduvalpet, (Doc. 2957/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-6-82  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Pappathi Ammal (Alias) Nallammal  
3, Royal Road Cantonment, Trichy.

(Transferor)

NOTIC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Malaammannan,  
Bajanai Kooda St., Palakkara,  
Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1982

Ref. No. F.9527.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 142 situated at 144, K. Abishekapuram  
(Doc. 566|81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Trichy on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at TS 142 and 144, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. 566|81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date, 14-6-82  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri R. Thiagarajan,  
3, Royal Road, Cantonment, Trichy.  
(Transferor)

(2) Shri Malai Mannai,  
Bajanai Kooda St.,  
Palakkaran,  
Trichy.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE 2  
123, MOUNT ROAD MADRAS 6

Madras-6 the 15th June 1982

Ref. No. I. 9527. Whereas I,

R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 142 & situated at 144 K. Abishekapuram Trichy (Doc. 567[81])

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building at TS 142 and 144 K. Abishekapuram, Trichy (Doc. 567[81])

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6  
Madras-6 the 11th June 1982

Ref. No. I.93C7, Wherein,

R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. TS 142 and 144, situated at K. Abishekapuram Trichy (Doc 568|81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pattabiraman,  
3, Royal Road,  
Cantonment,  
Trichy.

(Transferor)

(2) Malarmannan, Bajanai Kooda St.,  
Palakkad, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 142 and 144, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. 568|81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2 Madras-6

Date : 14-6-1982  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Rajalakshmi,  
3, Royal Road,  
Cantonment,  
Trichy

(Transferor)

(2) Malarmannan, Bajanai Kooda St.,  
Palakkalai, Trichy.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1982

Ref. No. F 9527 —Whereas, I  
R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under  
Section 268-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Door No. TS 142& 144, situated at Abhishekapatram,  
Trichy (Doc. 569|81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
Trichy on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 142 and 144, KK. Abishekapatram,  
Trichy (Doc. 569|81).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—166 GI '82

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 14-6-1982  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. S. R. Y. Varadharajeswari,  
‘Pranam’, Circuit House Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING 11nd FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 15th June 1982

Ref. No. 57/October/81.—Whereas I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘said’ Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 147, Thuvottiyur situated at High Road, (Document No. 1640/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Royapuram, Madras on 3-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. T. Sarojiniseelan,  
W/o Mr. N. K. Thanaseelan  
No. 4, Rajarathnam Street, Kilpauk,  
Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Land and Building at Door No. 147, Thiruvottiyur High Road, Tondiarpet, Madras—Document No. 1640/81 )

S. LAHIRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No. RAC 33|82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1|128 situated at Saroor nagal Village, R. R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on October 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri A. Steeramulu S/o Chandraiah, 2. A. Anjaiah S/o Narayana, 3. Sri K. Yadagiri S/o Kondiah 4. Sri S. Narasimha S/o Sattiah all residents of Ibrahimpatnam 5. S. Jangareddy S/o Ram Reddy Turkaguda 6. Sri B. Dhan Reddy S/o Narayan Reddy Adibatta Village, Ibrahimpatnam R. R. Dt. 7. A. Sudershan S/o Narsimha 8. K. Jangaiah S/o Kondiah Ibrahimpatnam R. R. Dt. 9. L. Lakshminarayana S/o Ramchandriah Kainaramguda 10. V. Kistiah S/o Veeriah Agapally 11. P. Rachotappa S/o Mallappa Japal village, Ibrahimpatnam 12. Abdul Hafeez S/o Ahmed Ali Dabeerpura, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Holcunde Shivalingappa S/o H. Siddaramappa 2. Sri Holcunde Ashok Kumar 3. Sri Holcunde Praveenkumar S/o H. Sivalingappa 4. Sri Ause Kalappa S/o Ause Veerabhadrapa 5. Sri Ause Ingannath 6. Sri Ause Lingappa S/o A. Kalappa all residing at H. No. 4-1-180 Hanuman Tekdi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 1|128 area 3,500 sq. yards S. No. 33 at Saroor nagal village R. R. Dt. along with fixtures, fittings telephone etc. registered with Sub-Registrar Hyderabad east vide Doc. No. 7672|81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No. RAC No. 34/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-621/257 situated at S.R. Nagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on October 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. K. Varalakshmi,  
H. No. 7-1-621/257,  
S. R. Nagar, Hyderabad.

(Translator)

(2) Smt. Meharunisa Begum,  
H. No. DI—ESI Hospital Quarter,  
S. R. Nagar, Hyderabad

(Translator)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 7-1-621/257 at Sanjeeva Reddy Nagar Hyderabad area 600 sq. yards registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 2066/81.

M. JEGAN, MOHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-82.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri Angirge Narsiah S/o. Late Veeranna H. No. 6-17-161 Gurbabodi, Nizamabad.  
(Transferor)
- (2) The Panchayat Raj Teachers Co-operative Housing Society Ltd., T. I. No. 784, Rep. by G. V. Srinivas Reddy, Secretary, 6-5-7, Girnar Buildings, Subash Nagar, Nizamabad-503002.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No. RAC 35/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Kanteshwar, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on October 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 2 Acres in Survey No. 166 at Kanteshwar (besides Girraj College) Nizamabad, registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 5006/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-6-82.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No. RAC 36/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kanteswar, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on October 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Amgurde Pedda Veerender S/o. Late Shaukaramma, H. No. 6-17-162, Gurbabadi, Nizamabad.  
(Transferor)
- (2) The Panchayat Raj Teachers Co-operative Housing Society, Ltd., T. J. No. 784, Rep. by Sri G. V. Srinivas Reddy, Secretary, 6-5-7, Girnar Buildings, Subash Nagar, Nizamabad-503002.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 1Acre 12 1/2 guntas in Sy. No. 141 at Kanteswar (besides Girraj College) Nizamabad registered with Sub-Registrar, Nizamabad vide Doc. No. 5004/81.

M. JEGAN MOHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-6-82.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Nayakwadi Laxmi Bai, W/o. Savanna,  
Arasapalli Village, Nizamabad Dist & Taluk.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGI,  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No. RAC 37]82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Kanteswar, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on October 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) The Panchayat Raj Teachers Co-operative Housing Society, Ltd., T. J. No. 784, Rep. by Sri G. V. Srinivas Reddy, Secretary, 6-5-7, Girnar Buildings, Subash Nagar, Nizamabad-503002.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 2 Acres in Survey No. 140/A West at Kanteswar (Besides Girraj College) Nizamabad registered with Sub-Registrar, Nizamabad vide Doc. No. 500581.

M. JEGAN MOHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-6-82.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Sri Angirge Pedda Venkateswaran  
H No 6-17-162, Gurubabdi, Nizamabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Panchayat Raj Teachers Co-operative Housing  
Society, Ltd., T. J. No. 784, Rep. by Sri G. V.  
Sunivas Reddy, Secretary, 6-5-7, Girnai Buildings,  
Subash Nagar, Nizamabad-503002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC 38/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. land situated at Kanteswar, Nizamabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nizamabad on October 81  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 1 Acre and 1 3/4 guntas in Survey No. 140/AA at Kanteswar (Besides Girija College) Nizamabad registered with Sub-Registrar, Nizamabad vide Doc. No. 5003/82.

M. JEGAN MOHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-82.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th June 1982

Ref. No RAC 39|82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 16-2-853 situated at Sayeedabad, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on October 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kaleemunnisa Begum W/o. Mohd. Ahiuddin Hyder, H. No. 94, Madanapally Village, Rajendranagar, Taluk R.R.Dt  
(Transferor)

(2) Sri Syed Gheziuddin S/o. Syed Fakruddin R/o. 17-3-117, Outside Yakutpura, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 16-2-853, Sayeedabad, Hyderabad area 640 sq. yards registered with Sub-Registrar Azampura, Hyderabad vide Doc. No. 3771|81.

M. JEGAN. MOHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITN6

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC No. 40/82-83.—Whereas, I,  
**M. JEGAN MOHAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B  
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason  
 to believe that the immovable property, having a fair market  
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 1-6-92/13 situated at Mahaboob Nagar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Mahaboobnagar on October, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of:—

1. Shrimati K. Lavanya Kumari W/o K. Krishna Rao,  
 H. No. 1-6-92/13, Boyapally gate, Mahaboobnagar.  
 (Transferor)

2. (1) Sri Madanlal Agarwal S/o Late Sri Jagadish  
 Perbad Agarwal, H. No. 2-1-9, Richur Road,  
 Mahaboobnagar (4-1-10[B]9[I]) Tilak Road,  
 Hyderabad, (2) Sri Kishenlal Pitti S/o Ghan-  
 shyam dasji Pitty, H. No. 15-7-325, Begumbazar,  
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act,  
 in respect of any income arising from the transfer,  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or which  
 ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1-6-92/13 at Boyapally Railway gate Road  
 Mahaboobnagar area 444.4 sq. yards registered with Sub-  
 Registrar Mahaboobnagar vide Doc. No. 3328/81.

M. JEGAN MOHAN.  
 Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
 namely :—

Date : 9-6-1982  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

1. Smt. Akhtar Jahan Begum (Through Sri T. Nagarajan V. Addl Judge C.C.C., Hyderabad), H. No. 15-1-406, Feelkhana, Hyderabad.  
(Transferor)
2. Sri Shaik Hasan Mohiuddin alias Mohiuddin Khan, H. No. 15-1-406 & 407, Feelkhana, Hyderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 41/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

15-1-406 & 407 situated at Feelkhana, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dood bowl on October, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days** from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

H. No. 15-1-406 & 407, Feelkhana, Hyderabad area 638  
sq. yards registered with Sub-Registrar, Doodbowli, vide  
Doc. No. 1163/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 9-6-1982  
Seal :

**FORM NO. I.T.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 42/82-83.—Whereas, I,  
**M. JEGAN MOHAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Agri. land situated at Tirumalgir village, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Maredpally on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

1. Sri G. S. Krupavaram S/o late G. S. Purushotham  
Mababane Swazi land (South Africa) GPA T.  
Thumma Swamy S/o T. Narsaiah, H. No. 43-234  
to 236, Chand Khan Street, Old Boiguda, Secunder-  
bad

(Transferor)

2. Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd., TAB  
No. 383 By Sri K. Hanumanth Raju, President 41 B  
Gandhi nagar (6-6-462/2) Secunderabad-500003.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land admeasuring 1 Ac 8 1/2 guntas in Sy.  
No. old 17 and New 18 at Tirumalgir village, Secunder-  
abad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc.  
No. 2925/81.

**M. JEGAN MOHAN**  
**Competent Authority,**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P )

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref No RAC 43|82-83 —Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Agil land situated at Tirumalgiry, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

1 Sri G Vasant Jayakumar Slo G S. Purushotham, H No 39, Venkatapuram village, Alwar, Secunderabad, QPA, Sri T Thumma Swamy Slo T. Narasiah, H No 43-234 to 236, Chand Khan Street, Old Bhoiguda, Secunderabad

(Transferor)

2 Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd, TAB No. 383 By Sri K Hanumanth Raju, President 41 B Gandhinagar (6-6-462|2) Secunderabad-500003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 1 Ac 5 guntas in Sy. No old 17 new 18 at Tirumulgiry village, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc No 2928|81

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, HYDERABAD (A P )

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9 6 1982  
Seal

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 44|82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Tirumalgir village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Maredpally on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Varalaxmi W/o P. Hanumanth Rao  
 (2) Smt. Jamuna W/o M. Nagaraju,  
 (3) Miss P. Prema D/o K. Hanumanth Rao,  
 (4) Smt. Usha W/o Selvaraj G. E. GPA Sri K. S. N. Kumar S/o K. Adams, 6-6-462/2, Gandhinagar, Secunderabad.

(Transferor)

2. Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd., TAB No. 383 By Sri K. Hanumanth Raju, President 41 B Gandhinagar (6-6-462/2) Secunderabad-500003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land admeasuring 1 Ac 7 guntas in Sy. No. old 17 and new 18 at Tirumalgir village, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc. No. 2930|81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 45/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agrl. land situated at Tirumalgiriy, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Mardepally on October, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

1. Mrs. Sarah D. Simon W/o Dr. J. B. Simon, H. No.  
8-3-89/82, Turner St., Secunderabad, GPA Thumma  
Swamy So T Narsaiah, H. No. 4-3-234 to 236  
Chand Khan Street, Old Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferor)

2. Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd., TAB  
No. 383 By Sri K. Hanumanth Raju, President 41 B  
Gandhinagar (6-6-462/2) Secunderabad-500003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 1 Ac 5 guntas in Survey No. old 17  
and new 18 at Tirumalgiriy village Secunderabad registered  
with Sub-Registrar, Mardepally vide Doc. No. 2851/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, HYDERABAD (A)

Date : 9-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref No. RAC 46/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agl. land situated at Tirumalgiriy village, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Maredpally in October, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

1. Mrs. A. R. Manohar W/o Lt. Col. A. M. Manohar,  
H. No 8-3-82, Iyvallo Street, Secunderabad, GPA  
Thumma Swamy Sto T. Narasaiah, H. No. 4-3-234  
to 236, Chand Khan Street, Old Bhoiguda, Secunder-  
abad.

(Transferor)

2. Jai Bharat Co-operative Housing Society Ltd., TAB  
No. 383 By Sri K. Hanumanth Raju, President 41 B  
Gandhinagar (6-6-462/2), Secunderabad-500003.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 Ac 5 guntas sy. No. old  
17 and new 18 at Thirmulgherry village, Secunderabad  
registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc. No.  
2843/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

1. (1) Sri Tej Bahadur Dubey S/o Pandit Sunderlal Dubey, (2) Sri Harsh Dubey S/o Shiv Swarup Dubey, 19-2-422 outside Tathch Darwaza, Hyderabad.

(Transferors)

2. Sri Abdul Gaffar Haji Shukoor S/o Haji Shukur, 22-7-516, Purana Haveli, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC No. 47/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-947 to 953 situated at Sunder Estate, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

First Floor roof M. No. 4-1-947 to 953, Sunder Estate, above Metro Estate (Ground floor) at Mahatma Gandhi Road, Abid Road, Hyderabad area 2583 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 5890/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
37—166 G1/82

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 48/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-831/3 situated at Mehdipatnam, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Balakrishna Rao S/o Gangadhar Rao Shanthinagar, Hyderabad, (2) Smt. K. Ramanujamma W/o Gangadhar Rao, Visakhapatnam, (3) Sri K. Satyanarayana Rao S/o Gangadhar Rao, Shanthinagar, Hyderabad, (4) Sri K. Kesav Rao, Secunderabad, (5) Sri K. Venkateswar Rao, Victoria Crescent Egmore, Madras, (6) Sri K. Ramachandra Rao, Ashok Vihar, Banjara Hills, Hyderabad, (7) Mrs. M. Manorama W/o late M. Raghunadha Rao, Hyderabad, (8) Mrs. M. Kamala Kumari W/o M. Alagasingharao, Hyderabad, (9) Mrs. K. Lalithambika W/o K. Krishna Murthy, Sanath Nagar, Hyderabad, (10) Mrs. V. Satyavathi W/o Sri V. Venkateswar Rao, Visakhapatnam.  
(Transferors)

2. Mrs. Amina Anjum W/o Sri Asif Pasha, H. No. 12-2-831/2, Mehdipatnam, Hyderabad,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 25/M-4 MIGH and M. No. 12-2-831/2 area 749.05 sq. yards at Mehdipatnam, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad, vide Doc No 5959/81

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Date : 9-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

1. Smt. Arundati Devi W/o G. S. Reddy, R/o 1-2-365|4, Domalguda, Hyderabad.  
(Transferor)
2. Smt. Seeta Laxmi Alias Kunna Bai W/o C. V. M. Jayaram, 15-1-387|1, Feekhana, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 49/82-83.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

1-2-365|4 situated at Domalguda, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

Hyderabad in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## 'THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Building MCH No. 1-2-365|4, Domalguda, Hyderabad area  
660 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide  
Doc. No. 6033|81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, HYDERABAD (A.P.)

Date : 9-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

## FORM NO. I.T.N.S.—

1. Sri B. Ashok Reddy S/o Late Dr. B. Pulla Reddy, H. No. 1-12-195, Tarbund, Secunderabad. (Transferor)
2. The Sanjeevaiah Nagar Co-operative House Bldg. Society, Reg. TBC 55 R. R. Dt. A. P., President P. Jayaprakash Reddy S/o P. Ananth Reddy, H. No. 1-10-170, Boinpally, Secunderabad. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 50/82-83.—Whereas, I,  
**M. JEGAN MOHAN**,  
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Thokatta village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on October, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 14 guntas part of Sy. No. 132, Thokatta village, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc. No. 2959/81.

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.

1. Smt. Chandravathi Bai W/o Late Shivnarayan, H. No. 5, Bearers lane, Secunderabad.  
(Transferor)
2. The Sanjeevaiah Nagar Co-operative House Bldg. Society, Reg. TBC 55 R. R. Dt. A. P. President Sri P. Jayaptakash Reddy S/o P. Ananth Reddy, H. No. 1-10-170, Boimpally, Secunderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th June 1982

Ref. No. RAC 5182-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land situated at Thokatta village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 2437 sq. yards at Sy. No. 157/1, Thokatta village, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Maredpally vide Doc. No. 2906/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 9-6-1982  
Seal:

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No. 52/82-83—Whereas, I  
**M. JEGAN MOHAN**,  
 being the competent authority under Section 269 B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 moveable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing No.  
 Flat situated at Musheerabad, Hyderabad,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Hyderabad in October 1981,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

(1) M/s Bhagyanagar Builders Rep. By Managing partner Sri B. Ramaswamy 1-1-79 RAC X roads Hyderabad-20 (8-2-402 Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad).

(Transferor)

(2) Dr. C. Ashok S/o Sri Rama Narasimham GPA Sri K. Lakshminarasimham Retd. Superintending Engineer H. No. 8/3 Rt Barkatpura Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat in Block No. 2 Flat No. 2 1st floor at No. 1-1-79 Musheerabad RTC X Roads Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5887/81.

**M. JEGAN MOHAN**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th June 1982

Ref. No. RAC 53/82-83.—Whereas, I  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Flat situated at Musheerabad, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Bhagyanagar Builders Rep. by Managing partner Sri B. Ramaswamy 1-1-79 RTC X Roads Hyderabad 20 (S-2 402 Road No. 5 Banjara Hill, Hyderabad).

(Transferor)

(2) Sri S. W. Tilak S/o Waman Naik, S/o Tilak and Sri S. Sharad Tilak S/o S. Waman Tilak Superintending Mining Engineer The Singareni Collieries Co. Ltd., Godavari Kham P.O. 505209 Karimnagar Dt. A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHFDULE

Flat in Bhagyanagar Builders at No. 1-1-79 Musheerabad RTC X Roads Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6079/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC 54|82-83.—Whereas, I  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and  
bearing No. Flat situated at Musheerabad, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in October 1981,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

(1) M/s Bhagyanagar Builders Rep. By Managing partner Sri B. Ramaswamy 1-1-79 RTC X Road, Hyderabad-20 (82 10' Road No. 5 Rambola Hills, Hyderabad).

(Transferor)

(2) Sri Vapa Kameswari Rao S/o Late Vepa Sambasiva Rao No. 1-1-750/111D Gandhinagar, Hyderabad-500038

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHFDULE

Flat in Bhagyanagar Builders at No 1-1-79 Musheerabad  
RTC X Roads Hyderabad are 1170 sq ft. registered with Sub-  
Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6078|81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC 55[82-83]—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.00/- and bearing No. Flat situated at Musheerabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s Bhagyanagar Builders Rep. by Managing partner Sri B. Ramaswamy 1-1-79 RTC X Roads Hyderabad-20 (8-2-402 Road No 5 Banjara Hills, Hyderabad)

(Transferor)

(2) Dr. K. V. Surender Reddy Slo Sri K. V. Ranga-reddy Himayatnagar Hyderabad (Contractor).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat in Bhagyanagar builders at 1-1-79 Musheerabad RTC X Roads Hyderabad area 1027 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc No. 6024[81].

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—  
38—166 GI/82

Date : 15-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Swastik Construction co. 15-1-1 Osmangunj  
Hyderabad-12 (111 S. D. Road, Secunderabad).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

(2) Sri R. Narendra Slo R. Ramanujiah Architect H.  
No. 6-1-279/3 Walker Town Padmaraonagar,  
Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th June 1982

Ref. No. RAC 56182-83.—Whereas, I  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 296B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No Office 225, situated at Chandra Lok Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in October 1981,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property,  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect to any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other asset which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 225 area 1068.31 sq. ft. in Second floor  
Chandralok building compound No. 111 S.D. Road Secun-  
dabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc.  
No. 5893/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
VIZIANAGARAM (A.P.)

Vizianagaram, the 15th June 1982

Ref. No. RAC 18/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at Ayyanna peta Vizianagaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O., Vizianagaram in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S|Shri
  - 1. K. Sanyasappadu.
  - 2. K. Ramuinaidu.
  - 3. K. Venku Naidu.
  - 4. L. Papuinaidu.
  - 5. Vennusanyasappadu.
  - 6. K. Appannagari Krishna.
  - 7. K. Ramamurthy.
  - 8. K. Papuinaidu.
  - 9. K. Sanyasappadu.
- Ayyannapeta village, Vizianagaram. A.P.  
(Transferor)
- (2) A.P.S. R.T.C. Book Shop Mazdoor, Co-op. house building Society Ltd., N.V.R. 299, Vizianagaram A.P.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Ayyanna peta village about 4 km from Vizianagaram as under.

SRO Vijayanagaram

- |  |            |
|--|------------|
| 1. Document No. 4209/81 area 2904.<br>2. Document No. 4211/81 area 2347.<br>3. Document No. 4213/81 area 2347.<br>4. Document No. 4214/81 area 1597.<br>5. Document No. 4216/81 area 1452.<br>6. Document No. 4289/81 area 3848.<br>7. Document No. 4290/81 area 3848.<br>8. Document No. 4291/81 area 3848.<br>9. Document No. 4292/81 area 3848. | } Sq. yds. |
|--|------------|

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Vizianagaram (A.P.)

Date : 15-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Sri Puppala Chinnadri Rao & Sri P. Neeladri Rao D. No. 33-1-33 Allipuram Visakhapatnam-4. Minor son Sri Puppala Neela Sandeep Krishna M/G Puppala Chinnadri Rao.

(Transferor)

(2) Mis Garapati Hotels Pvt. Ltd., (Sri Anand, Managing Director, Vijayawada).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No. 19/82-83. KKD Squad.—Whereas, I  
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 33-1-33 situated at Allipuram Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Visakhapatnam in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property bearing door No. 33-1-33 situated on the southern side of Central Jail Road T.S. No. 1125, Block No. 33 Allipuram ward, Visakhapatnam, Registered with S.R.O., Vizag. Vide document No. 8724/81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No. 20/82-83 KKD Squad.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/241 (6-1-4)2 situated at T. Nagar, Rajahmundry, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O., Rajahmundry in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Shanti V. Java W/o late Vishindas Pirab Das Java Narendrakumar V. Java S/o late Vishindas Pirab Das Java Rajendrakumar V. Java S/o late Vishindas Pirab Das Java Jyothi V. Java D/o late Vishindas Pirab Das Java Door. No. 13-18 Prakashnagar Rajahmundry, A.P. (Transferor)

- (2) Shri Ajit Singh Kapoor Charan Pal Kaur Door No. 20-23-5 Rama Talkies Road, Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Upstair Building in Rangachati Road T. Nagar Rajahmundry bearing Door No. 3/241 (6-1-4)2 measuring 296 1/9 Sq. yds. 2665 sq. ft. Gr. Floor 2665 sq. ft. 1st floor registered with S.R.O., Rajahmundry, vide register No. 8707.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. R.A.C. No. 21|82-83 KKD Squad.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 1176 situated at Dabagarden Allipuram Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Vizag in December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. G. Krishnamurthy Raju & Sons S/o Late GAN. Raju.  
2. G. Sambamurthy Raju & Sons S/o Late GAN. Raju.  
3. G. Ramabhadra Raju & Sons S/o Late G. Appalanara Simharaju.  
21. His mother, 2. G. K. Murthy Raju s/o GAN. Raju.  
4. G. Narasimhamurthy Raju & his sons S/o GAN. Raju.

(2) Shrimati P. Asha Devi W/o Sri P. Bhushana Rao  
Rai Kamal Theatre, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open Plot at Allipuram Ward, Vizag, Plot in T.S. No. 1176 & 1452|P Daba Gardens Total Extent of 516 Sq metres nos. 221 & 222 (Plot Nos.) Registered with S.R.O. Vizag in December 1981 vide register Nos. 11380, 11381, 11382, 11383|81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. G. Saraswathamma, W/o Subbarao, 2. G. Seetharama Swamy S/o Subbarao, 3. G. Subbarao's son Venkateswara M/Pg. Mother G. Saraswathamma W/o Subbarao and 4. G. Venkataramanamma D/o Subbarao M/R/P G. Saraswathamma Gunadala Vijayawada.

(Transferor)

(2) Tirumalasetty Gunadala Vijayawada Sampoorna Chandravathi W/o Siremulu, Durga Agraaharam, Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No. 22/82-83 KKD Squad.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 342-2B situated at Gunadala Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Vijayawada on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(c) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1600 $\frac{1}{2}$  sq. yds. bearing R. S. No. 342-2B near to National High way situated in Gunadala registered at S.R.O., Vijayawada on October 1981, vide registered No. 8811 of 1981.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-6-1982

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. R.A.C. No. 23/82-83, KKD Soud.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Vacant site situated at NTS 82 Mpl Ward No. 28 Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kotha Ramachandra Rao and 2. Kotha Sree Ganesh Vicerabhadra Rao Patamata Lankha, Vijaya wada 14 (A.P.).  
(Transferee)
- (2) Shri Gondesi Appareddi Slo. Satyanarayana Reddi Garu, Lubbipet, Vijayawada-10.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHFDULE

Open plot of 438 sq. yards in NTS No. 82 Mpl Ward No. 28 Rev. Ward No. 11 Block No. IV of Vijayawada Town S.R.O. Vijayawada Doc No. 8829.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Manne Vengamma, W/o Malakondaiah, Veerabhadra Puram, Kaniciri Tq. Ongol Dt  
 (Transferor)  
 (2) Gollapati Ramanamma W/o Kondapa Naidu, Chinatlapalem Madhira Tq. (A.P.).  
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No 24/82-83 KKD Squad -- Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-18-31 situated at Mogahajapuram Vijayawada, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. O. Vijayawada on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or**

**(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

39-166 GI/82

(4) Sri Babuburi Sriramulu, S/o Venkaiah  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Sheds in total area of 1679 sq. yds bearing door. No 11-18-31 in Mogahajapuram of Vijayawada, registered at S.R.O. Vijayawada in October 1981, vide registered Nos. 10218, 10090.

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Vijayawada, the 15th June 1982

RAC No 25 82-83 K K D Squad.—Whereas I M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-22-92 situated at Ward No. 23, Sitaramapuram Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.O. Vijayawada on October 81, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tejendra Purnachandra Sastri (Power of Attorney Holder of the actual owner) A-1 Professor's quarters SVR Engineering College Surat, 395007  
(Transferor)
- (2) Smt. G. Anasuya C/o Shri Akula Steenivasa Rao Chitamji Peta, Warangal A.P.  
(Transferee)
- (3) M/s Prabhat Timber Depot.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Shri Akula Steenivasa Rao C/o. Prabhat Timber Dept., Seetharampuram, Vijayawada, 520003.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

House Property in 238 sq. yds. (A shed was constructed in a plinth area of 500 sq. foot) bearing Door No. 30-22-92 dist. No. 2303 Ward No. 23, R. S. No. 159/2 Sitaramapuram Vijayawada registered with S.R.O. vide document No. 10708 of Vijayawada.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Vijayawada

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th June 1982

Ref. No. RAC-26|82-83|B.K.D. Squad.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 9|339 situated at 5th line Rajendranagar Gudivada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering  
Officer at S.R.O. Gudivada on October 81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Attluri Chennakesava Rao
- (2) Shri Attluri Balagangadhar Tilak
- (3) Shri Attluri Raghunatha Rao,  
Ever Green Convent Srinagar Colony, Gudi-  
vada, Krishna Dist.

(Transferor)

- (2) Shri Akurathi Chandrasekhara Rao, S/o Shri Peddirajulu,  
9|339|5th Line, Rajendra Nagar, Gudivada  
Krishna Dist.
- (3) Shri Akurathi Chandrasekhara Rao, S/o Peddirajulu,  
(Person in occupation of the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House in Dtor No. 9|339|5th Line, Rajendranagar, Gudivada  
Registered at S.R.O. Gudivada. Vide Document No.  
4745 House in 720 sq. feet 2. Document No. 4746 House  
in 360 sq. feet. 3. Document No. 4747 House in 360 sq. feet.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) (1) Shri Yakkali Krishnaiah S/o Shri Laxmaiah,  
 (2) Shri Yakkali Balaratnam S/o Laxmaiah, Markapur Prakasam Dt.

(Transferor)

(2) Sri Tatavarthi Venkata Subbaiah Prop. Murali Krishna Slate Works Markapur Prakasam Dt.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 15th June 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC/27/82-83/K.K.D. Squad.—Whereas, I, JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Factory situated at Markapur Prakasam Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Markapuram on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Factory building and site (Slate Factory) at Markapur registered with Sub-Registrar Markapur vide Doc. Nos. 1744/81, 1745/81, 1752/81 and 1751/81.

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority.  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 15-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Veeranki Sathi Raju, S/o Sri V. Butchi Raju  
Secretary S.R.M.T Ltd., Visakhapatnam.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nalla Anantha Ravamma, W/o N. Raghavajah  
M.J.G. 1 B/18 Buyyalavani Palem, Visakhapatnam-17.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1982

Ref. No. RAC No. 28/82-83/K.K.D. Squad.—Whereas, I,

IFFGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 7 situated at Allipuram TSN Raju Colony, Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Vizag on December 81, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A site of 600 sq. yds. at Allipuram Ward, Block No. 21 T.S. No. 324 Plot No. 7 T.S.N. Raju Colony, Visakhapatnam, Registered with S.R.O. Vizag, registered No. 11241.

M. IFFGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 14th June 1982

Ref No. RAC-29/82-83 K.K.D. Squad.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 Land and Bldg., situated at Tangutur Guntur Dt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ongole on October 81, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kolla Thirupathi Rayudu & Chaganti Konaiah Tobacco Company Pvt. Ltd. P.O. Box No. 37, Tobacco Colony Guntur-522001, M.D. Sri Chaganti Konaiah S/o Shri Petarah.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Tobacco Traders Tangutur Prakasam District Ongole Taluk Pin No. 523274 M. D. Sri Bellam Kotiah S/o Shri Hanumayah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Tangutur, Guntur District in Survey No. 1306 with Building and structures total area Ac. 3-96, registered with Sub-Registrar Ongole vide Doc. No. 3934 81.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 14-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th June 1982

Ref. No. RAC-30 82-83, K.K.D. Squad.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (*hereinafter referred to*  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Bldg. and Shed situated at Eluru Co. House Bldg Society,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Eluru on October 8,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of;

- (1) Smt. Konda Satya Ramamma W/o Late Konda Satya  
narayana Rao Gundugolam Eluru Taluk.  
(Transferor)  
(2) Ms. Madhulata Enterprises Pvt. Ltd. 273, 274  
Government Hospital Road Eluru 534002 W.G. Di  
Andhra Pradesh. M D Sri M Rajamadha Rao  
S/o Bhujanga Rao  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

'THE SCHEDULE'

Building with car shed and wall area 1659 sq yards in  
ward No. 29 Door No. 24C-3-12/1 plot No. 9A in Eluru Co-  
operative House Bldg. Society at Eluru registered with  
Sub-Registrar Eluru vide Doc. No. 6129/81.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/88—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in New Garden situated at colony Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

SR Amritsar on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vidya Wati w/o Shri Bal Nath R/o 59, Katra-Sher Singh Scheme No. 2, Subhash Nagar, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Kulbhushan Jain s/o Shri Ganga Ram Jain R/o 19-A Maptha Road, Gopal Nagar, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at st. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 29, minkh No. 1332/3 min (area 309 sq. yds.) situated in New Garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13917 dated 19-10-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range Amritsar

Date : 8-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/89.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land in New Garden colony ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar on October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—166 GI/82

(1) Smt. Vidhya Wati W/o Shri Bajji Nath R/o 59, Subhas Nagar Katra Sher Singh scheme No. 2, Amritsar.

(Transferee)

(2) Smt. Veena Jain w/o Sh. Kulbhushan Jain R/o Majitha Road, Gopal Nagar No. 19-A, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot No. 29 khasra No. 1332/3 (area 309 sq. yds.) situated in New Garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13918, dated 19-10-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/90.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi in Amritsar Cantt. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kuldip Chand S/o Sh. Dutt Parshad R/o Kothi No. 17, Amritsar Cantt.  
(Transferor)
- (2) Smt. Indu Sachdeva w/o Sh. Ashok Sachdeva R/o Chowk Lachhmansar, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

One Kothi situated in Amritsar Cantt., Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14507 dated 31-10-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE**  
**3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 8th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/91.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi in Amritsar Cantt. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kuldip Chand s/o Sh. Dutt Parshad Mohindroo S/o Sh. Hadyal Sahib R/o kothi No. 17, Amritsar, Cantt.  
(Transferee)
- (2) Smt. Vanita Sachdeva w/o Sh. Vinod Kumar Sachdeva R/o Chowk Lachhmansar Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sl. No 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One kothi No 17, situated in Amritsar Cantt, Amritsar as mentioned in the sale deed No 14531 dated 31-10-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-6-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

Ref. No. 430/81-82/ACQ-D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land No 4, called "Toloi Pequeno" situated at St. Inez, Taleigao Taluka, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ilhas, Goa Under document No. 400/81-82 on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Gaspar Rasquinha,  
Punola,  
Ucasaim,  
Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Miguel Damiao Clementino Fernandes,  
alias Michael Fernandes,  
Caranzalem, Tiswadi Taluka,  
Goa.

(Transferee)

(3) Transferor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 400/81-82 dated 19-10-1981)

All that plot of land No. 4, Called "Toloi Pequeno" situated at St. Inez, Taleigao Taluka, Tiswadi, Ilhas, Goa.

MANJU MADHAVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri Shamaldhari Lall & another. (Transferor)  
 (2) M/s. Penn Properties. (Transferee)  
 (3) Tenants. (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 16th June 1982

Ref. No. TR 224/81 82 Sl.-631]ACq. R-I[Cal.—

Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 86A & 86B situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Calcutta on 10-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Two storeyed building and one storeyed building at premises No. 86A, A. J. C. Bose Road, Calcutta with land measuring 23.625 cattahs and premises No. 86B, A. J. C. Bose Road, Calcutta with land measuring 1K 3Ch 35 sft registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 8666 on 10-10-81.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700 016,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 16-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri Sankar Lal Dey.  
 (Transferor)  
 (2) Sri Nemai Chand Dutt & Sri Nirmal Chand Datt.  
 (Transferee)  
 (3) Tenants.  
 (Persons in occupation of the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th June 1982

Ref. No. TR-213/81-82/Sl. 628 IAC/Acq. R-1/Cal.—  
 Whereas, I, K. SINHA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 12/1A situated at Fordyce Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-10-81  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Two storied building on an area of land measuring 3K 8Ch at premises No. 12/1A, Fordyce Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 8778 on 21-10-81.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-700 016,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1982  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Panchanan Dutt.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 11th June 1982

Ref. No. TR-163/81-82/Sl. 626 IAC/Acq. R-I/Cal.—  
 Whereas, I, K. SINHA,  
 of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 movable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 28-B situated at Beniapukur Lane, Calcutta  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Calcutta on 1-10-81  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

(2) Shri Sov Nath Gupta.

(Transferee)

(3) Subhash Bhatia &amp; Ors.

(Persons in occupation of the property).

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-  
 valable property, within 45 days from the date of  
 the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1927);

Undivided half portion of two storeyed brick built  
 building together with land measuring 3K 7Ch 22 sft. at  
 premises No. 28-B, Beniapukur Lane, Calcutta registered  
 vide Deed No 1195 on 1-10-81.

**K. SINHA**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-700 016,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons; namely :—

Date : 11-6-1982

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 11th June 1982

Ref. No. TR-162/81-82/SI. 625 IAC/Acq. R-I/Ctl.—  
Whereas, I, K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and  
bearing No. 28-B situated at Beniapukur Lane, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 1-10-81  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or**

**(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Panchanan Dutt.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Gupta.

(Transferee)

(3) Subash Bhatia & Ors.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided half share of two storeyed brick built building together with land measuring 3K 7Ch 22 sft. at premises No. 28-B, Beniapukur Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1194 on 1-10-1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700 016,

Date : 11-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Atish Chanda Sinha.

(Transferor)

(2) Shri I. P. Agarwalla &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA  
Calcutta, the 19th June 1982Ref. No. TR-221/81-82/Sl. 632 IAC/Acq. R-J[Cal.—  
Whereas, I, K. SINHA,being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and beingNo 227/2 situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road,  
Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering at  
Calcutta on 1-10-81  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of : -Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned --(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/orUndivided 1/3rd share in partly one and partly two  
storeyed building with land 32K 15Ch more or less situated  
at premises No. 227/2, A. J. C. Bose Road, Calcutta regis-  
tered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide  
Deed No. 8583 on 1-10-1981(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700 016Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
situated at Mohalla Shrikrishnapuri, Patna more fully des-  
cussed (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
41-166 GI/82Date : 19-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Miss Minakshi Pranjivandas Goradia  
2. Miss Linadevi Pranjivandas Goradia  
3. Mrs. Miradevi Sheth

(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1982

Ref. No. AR-II|3239-2|Oct.81.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CIS No. 773, 773|1 to 773|7 situated at Goregaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1981 "document No. S-2710|80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Rajeshkumar V. Patel  
2. Shri Bharatkumar V. Patel  
3. Shri Vijaykumar J. Patel  
4. Shri Bhupendrakumar D. Patel

(Transferee)

- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)  
\*(4) Mrs. Vijay Laxmi Goradia  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-2710|80 Bombay and as registered on 6-10-1981 with the Sub-Registrar of Bombay.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDERR SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref. No. III 556/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khata No 230 (Part) Thana No. 18, Khesara No. 595, 592 situated at Mouza Rukunpura P. S. Dinapore Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Jugal Kishore Singh S/o Late Bhup Narain Singh Alias Ram Baran Singh R/o Village Khajapura P. S. Gardanibagh Dist. Patna.  
(Transferor)

(2) Shri Khursheed Alam S/o Haja Serajul Haque, Partner and on behalf of M/s Patna Hide Company at 11/1 Harsi Street, P. S. Narkul Danga, Calcutta-9.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural land about 28½ Decimals situated at Mouza Rukunpura P. S. Dinapore, Patna more fully described in Deed No. 7756 dated 1-10-81 registered with D. S. R. Patna

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL  
ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref. No. IJI-555/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khata No. 230 (Part) Thana No. 18, Khesara No. 592, 593, 594 situated at Mouza Ruknupura P. S. Dinapore, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Baijnath Singh S/o Late Junger Singh R/o Village Khajopura P. S. Gardanibogh, Dist. Patna. (Transferor)

(2) Shri Khursheed Alam S/o Haji Serajul Haque, Partner and on behalf of M/s Patna Hide Company at 11/1 Harsi Street, P. S. Narkul Danga, Calcutta-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land about 28½ Decimals situated at Mouza Ruknupura P. S. Dinapore, Patna more fully described in Deed No. 7757 dated 1-10-81 registered with D. S. R. Patna.

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Abhay Kumar S/o Ram Nath Singh R/o Village Khajapura P. S. Gardanibagh, Dist Patna. (Transferor)

(2) Shri Khursheed Alam S/o Haji Serajul Haque, Partner and on behalf of M/s Patna Hide Company at 111 Harsi Street, P. S. Naikul Danga, Calcutta-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL  
ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref. No. II-557/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khata No. Part 230 Plot No. 590 (Part), Thana No. 18 situated at Mouza Rukunpura P. S. Dinapore Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land about 27½ decimals situated at Mouza Rukunpura P. S. Dinapore, Dist. Patna more fully described in Deed No. 7755 dated 1-10-1981 registered with O. S. R. Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL  
ROAD PATNA 800 001

Patna 800 001, the 18th June 1982

Ref No III-554/Acq/82/83.—Whereas, I, H NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Tauzi No 5282 (Previous) 28 C (Present) Khita No 154 (Part) Plot No 579 (Part) Thana No 18 situated at Mouza, Rukunpur P S Dimapore Dist Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Jagdishwar Prasad Singh S/o Late Moti Singh R/o village Khajapura P S Gardanibagh Dist Patna

(Transferor)

(2) Shri Khursheed Alam S/o Haji Serajul Haque Partner and on behalf of M/s Patna Hide Company at 1111 Haasi Street P S Nikkal Danga Calcutta 9

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land about 20 decimals situated at Mouza Rukunpur P S Dimapore, Dist Patna more fully described in Deed No 7758 dated 1-10-81 registered with D S R Patna

H NARAIN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar Patna

## FORM IINS—

(1) Shri Ranjeet Singh S/o Late Moti Singh, R/o village Khajepura, P.S. Gardambagh Dist. Patna (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL  
ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref. No. III-553/Acq/82/83 —Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khata No. 154 (Part) Plot No. 579 (Part) Thana No. 18 situated at Mouza Rukunpura, P.S. Dinapore, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Khurshed Alami S/o Haji Sayyidul Haque Partner and on behalf of M/S Pitam Trade Company resident of 11/1 Husi Street, P.S. Naikul Danga Calcutta 9 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:-** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land about 27 decimals situated at village Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna more fully described in Deed No. 7759 dated 1-10-81 registered with D.S.R. Patna

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Bihar Patna

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18.6.1982  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref No. III-559[Acq.]82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 225 Type A (A) Ward No. 34 situated at Shrikrishnapuri, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Sheela Rani Banerjee W/o Sri S. N. Banerjee R/o Mohalla, Mithapur, P. S. Jakkampur, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Smt. Pratibha Sinha W/o Shri Arbind Kumar Sinha, R/o Boring Canal Road, Patna Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Homestead land measuring 798.33 Sq. yards equivalent to 5 kahas 2 dhurs approximately with some construction situated at Mohalla Shrikrishnapuri, Patna more fully described in Deed No. 7701 dated 1-10-81 registered with D. S. R. Patna.

H. NARAIN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Duijesh Chandra Roy S/o Late Abinash Chandra Roy A/1 Ideal Association Estate, V.I.P. Road, Calcutta-54 At present Budha Colony, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Nagmeti Devi W/o Late Kailash Prasad Singh Village Auta P. S. Hathidah, Dist. Patna.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL  
ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 21st June 1982

Ref. No. III-560/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

holding No. 739, Circle No. 246, Ward No. 34 (Old) 4 (New) Khata No. 130, Tauzi No. 5225 Plot No. 1054 (Part) situated at Budha Colony, Dujra, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 10 dhurs with structure of the house situated at Budha colony, Patna more fully described in deed No. 7864 dated 16-10-81 registered with District Sub Registrar, Patna.

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bijoy Nath Singh Slo Ram Ganeet Singh  
R/o village Khajepura P. S. Gardanibagh, Dist.  
Patna.

(Transferor)

(2) Shri Khurshed Alam Slo Haji Serajul Haque,  
Partners and on behalf of M/s Patna Hide Company  
at 111 Harsi Street, P. S. Narkul Danga, Calcutta-9,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ref. No. III-552/Acq./82-83.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khata No. 231 (Part) Plot No. 589 (Part) Thana No. 18 situated at Mouza Ruknupura P. S. Dinapore Dist. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Agricultural land about 30 Decimals situated at Mouza Ruknupura P. S. Dinapore, Patna more fully described in Deed No. 7760 dated 1-10-81 registered with D. S. R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. NARAIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :